खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-37

पाकिस्तान की सेना क्वेटा में घरों में घुसी 100 से अधिक बलोच लोगों को उठा ले गई

क्वेटा, 06 फरवरी (एजेंसियां)। बलोचिस्तान की आजादी के लिए संघर्षरत बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के अभियान से तिलमलाई पाकिस्तान की सेना राजधानी क्वेटा के विभिन्न इलाकों से 100 से ज्यादा लोगों को उठा ले गई है। इन सभी को घरों से अगवा किया गया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय सरकार ने दावा किया है कि सेना ने 100 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और कई घरों से छोटे-बड़े हथियार बरामद किए हैं। हालांकि, प्रांतीय सरकार ने मीडिया को कोई सबूत नहीं दिया। प्रांतीय सरकार दावा किया कि बलूचिस्तान में स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, नुश्की समेत कई इलाकों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और संचार व्यवस्था ठप है। यह उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को बलोचिस्तान के क्वेटा, ग्वादर, पसनी, दलबांदिन, खारान और नुश्की समेत 12 शहरों में बीएलए ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमले किया। रिपोर्ट के अनुसार क्वेटा से उठाए गए लोगों में 25 वर्षीय असदुल्लाह भी शामिल है। जफरुल्लाह कुर्द का पुत्र असदुल्लाह बलोचिस्तान विश्वविद्यालय में बीएससी का छात्र है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, असदुल्लाह को बुधवार और गुरुवार की आधी रात क्वेटा के बुरोरी रोड से अगवा किया गया। इस बीच, हथियारबंद लोगों ने खुजदार जिले की तहसील नल पुलिस चौकी पर कब्जा कर लिया और वहां मौजूद अधिकारियों को हिरासत में ले लिया। सशस्त्र लोगों ने पुलिस के हथियार छीन लिए और वाहनों को जला दिया। इस घटना की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को विज्ञप्ति में कहा कि सुरक्षा बलों ने बलोचिस्तान में आपरेशन रद-उल-फितना-1 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस अभियान में 216 विद्रोही मारे गए। इस दौरान विदेशी मूल के हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और उपकरणों का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया है। अभियान के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित 36 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। गोलीबारी में 22 जवानों की भी मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के दावे पर बोला रूस- भारत तय करेगा, तेल किससे खरीदना

मास्को। अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर भारत, अमेरिका और रूस के बीच तेल व्यापार को लेकर जारी बयानबाजी के बीच रूस के विदेश मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण स्थिति स्पष्ट की है। मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन (तेल और गैस) की खरीद न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय हितों के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए भी एक आवश्यक कदम है। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में भारत और रूस की साझेदारी दशकों पुरानी और भरोसेमंद है, जो वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील का हवाला देते हुए कहा था कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा और वेनेजुएला जैसे विकल्पों पर विचार करेगा। हालांकि, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बुधवार को इन अटकलों को दरकिनार करते हुए कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र तेल आपूर्तिकर्ता नहीं रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी विशाल ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा से विभिन्न देशों से पेट्रोलियम उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए अमेरिकी दावों के बीच भारत द्वारा अन्य देशों से व्यापार बढ़ाना रूस के लिए कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। रूस ने अपनी स्थिति मजबूत करते हुए कहा कि भारत की तेल खरीद नीति पूरी तरह से स्वतंत्र है और वह अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेता है।

हमारे पास और कोई रास्ता नहीं, अब भाई-बहनों को सामने आकर लड़ना होगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीएलए ने कोहराम मचा रखा है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने 'ऑपरेशन हेरोफ में ग्वादर में ताबड़तोड़ अटैक किए और पाकिस्तानी सेना को घुटनों पर ला दिया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को सबके सामने ये मानना पड़ा कि उनकी सेना जंग के मैदान में अपाहिज साबित हुई है। बलूच लड़कों के इस ऑपरेशन में सबसे खतरनाक साबित हुई वह हैं फिदायीन, जिन्होंने पाकिस्तानी सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। बीएलए ने अपनी इन महिला लड़ाकों का एक वीडियो जारी किया है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीएलए ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया है जिसमें उनकी 'मजीद ब्रिगेड की महिला फिदायीन हमलावर, हवा बलोच, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर फायरिंग करती नजर आ रही हैं। मौत से पहले दिए अपने आखिरी संदेश में हवा ने बलोच नागरिकों से 'दुश्मन के खिलाफ उठ खड़े होने की अपील की थी। वीडियो में वह कहती दिख रही हैं कि 'हमारे पास और कोई रास्ता नहीं बचा है, अब भाई-बहनों सभी को सामने आकर लड़ना चाहिए। पाकिस्तानी सैनिक डर के मारे बाहर ही नहीं निकल रहे हैं, वो हमारा सामना करने लायक नहीं बचे हैं।

2008 मंदी की भविष्यवाणी करने वाले इकोनामिस्ट बोले- बड़ा संकट आने वाला है...

वाशिंगटन। मशहूर अमेरिकी इकोनामिस्ट पीटर शिफ ने बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी दी है। शिफ का मानना है कि हम एक ऐसे आर्थिक संकट की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसके सामने 2008 की मंदी बच्चों के खेल जैसी लगेगी। डालर धराशायी होने वाला है और इसकी जगह सोना ले लेगा। पीटर शिफ के मुताबिक दुनिया भर के केंद्रीय बैंक डालर पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे सोने का रिजर्व बढ़ा रहे हैं। शिफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव है। 2025 में सोना 75 प्रतिशत और चांदी 167 प्रतिशत बढ़ी है। शिफ ने कहा कि आने वाला संकट 2008 से बिल्कुल अलग होगा। पिछला संकट पूरी दुनिया में फैल गया था, लेकिन ये अमेरिका के भीतर ही केंद्रित रहेगा। 2008 संकट अमेरिका के हाउसिंग मार्केट के गिरने से शुरू हुआ था, जब बड़ी संख्या में लोगों ने होम लोन चुकाना बंद कर दिए थे। इसने पूरी दुनिया की बैंकिंग प्रणाली को हिला दिया और 1930 की महामंदी के बाद का यह सबसे बड़ा वैश्विक आर्थिक संकट बन गया।

अमेरिका में एरिजोना के फ्लैगस्टाफ में हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट समेत दो की मौत

फ्लैगस्टाफ, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका में एरिजोना राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग (एरिजोना डिपार्टमेंट आफ पब्लिक सेफ्टी) का एक हेलीकाप्टर फ्लैगस्टाफ में गोलीबारी की घटना की निगरानी के वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। यह जानकारी विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई। फ्लैगस्टाफ एरिजोना के उत्तरी भाग में स्थित है और कोकोनिनो काउंटी का प्रमुख शहर है। यह शहर लगभग 7,000 फीट की ऊंचाई पर बसा है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विभाग के सार्जेंट कैमरन ली ने एक बयान में कहा कि बुधवार रात को एक रेंजर हेलीकाप्टर का क्रू फ्लैगस्टाफ पुलिस डिपार्टमेंट और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए गया था। ली ने कहा, दुख की बात है कि गोलीबारी की घटना के दौरान हेलीकाप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। ली ने कहा कि गोलीबारी में संदिग्ध को जानलेवा चोटें नहीं आईं और उसे हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि हेलीकाप्टर (बेल 407) फ्लैगस्टाफ के पास रात करीब 10:15 बजे क्रैश हो गया और उसके बाद आग लग गई। रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच से पता चला कि हेलीकाप्टर का निर्माण 2004 में हुआ था। प्रशासन ने कहा कि दुर्घटना की जांच में नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की मदद की जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि एरिजोना सार्वजनिक सुरक्षा विभाग 06 फरवरी को सुबह 10 बजे संवाददाता सम्मेलन में हेलीकाप्टर के क्रैश के बारे में अपडेट देगा। संवाददाता सम्मेलन में विभाग के निदेशक कर्नल जेफरी ग्लोवर बयान जारी करेंगे। यह संवाददाता सम्मेलन फ्लैगस्टाफ पुलिस विभाग के मुख्यालय फीनिक्स में होगा।

क्या बहुत ज्यादा शक करने लगे शी जिनपिंग........अचानक ही 30 जनरल और एडमिरल को हटाया

बीजिंग। चीन की सेना में बीते तीन सालों में ऐसा बदलाव हुआ है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। 2023 की शुरुआत में चीन के पास करीब 30 जनरल और एडमिरल थे, जो अलग-अलग खास विभागों और थिएटर कमांड की कमान देख रहे थे। इसमें से लगभग सभी को या बाहर कर दिया गया है या वे अचानक गायब हो गए हैं।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जांच में केवल 7 इसतरह के जनरल मिले हैं जो अब भी सक्रिय नजर आते हैं। कई अधिकारी सार्वजनिक रूप से नहीं दिख रहे हैं। आधुनिक चीन के इतिहास में इतनी बड़ी उथल-पुथल पहले कभी नहीं देखी गई। इन सफाईयों की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का बड़ा खालीपन पैदा हो गया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के जानकरों का मानना है कि शी जिनपिंग जरूरत से ज्यादा शक कर रहे हैं। सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) में अब केवल एक जनरल हैं झांग शेंगमिन बचे है। जिनपिंग के सैन्य सफाई अभियानों की निगरानी वहीं कर रहे हैं। यह सफाई अभियान जिनपिंग की ताकत को दिखाता है। झांग का अधिकांश करियर राकेट फोर्स में भ्रष्टाचार विरोधी और राजनीतिक अनुशासन देखरेख में बीता है, जो चीन के परमाणु और पारंपरिक मिसाइल कार्यक्रमों को कंट्रोल करती है। शी ने उन्हें पिछले साल सीएमसी का उपाध्यक्ष बनाया था। जनरल झांग और कमांडर लियू झेनली को हटाने से वे लीडर्स बाहर हो गए हैं जो सीधे तौर पर सेना को जंग के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी निभाते थे। इस प्रक्रिया ने दुनिया की दूसरी सबसे शक्तिशाली सेना के शीर्ष पर एक बड़ा खालीपन पैदा कर दिया है। इससे शी जिनपिंग को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पर कुछ समय के लिए भरोसा कम हो सकता है। बात दें कि चीन में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के वाइस चेयरमैन झांग यूक्सिया के खिलाफ जांच शुरू हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उन पर चीन के न्यूक्लियर हथियार से जुड़ी सीक्रेट जानकारी अमेरिका को लीक करने का आरोप है। झांग को 24 जनवरी को पद से हटाया गया था। चीनी रक्षा मंत्रालय ने उन पर अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। झांग पर सीएमसी के अंदर अपनी अलग गुटबाजी करने और पार्टी में फूट डालने का भी आरोप है। झांग की गिरफ्तारी के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जिनपिंग ने अपने इतने करीबी सहयोगी के खिलाफ एक्शन क्यों लिया। न्यूक्लियर सीक्रेट लीक करने के आरोपों से अलग कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि झांग बहुत ज्यादा ताकतवर हो गए थे।

बिना कपड़ों के सोने से शरीर का तापमान रहता है नियंत्रित

लंदन, 06 फरवरी (एजेंसियां)। अच्छी नींद के लिए सिर्फ समय ही नहीं, बल्कि सोने का तरीका और माहौल भी उतना ही अहम है। इन्हीं आदतों में से एक है रात को बिना कपड़ों के सोना, जिसे लेकर अब हेल्थ एक्सपर्ट्स कई फायदे गिना रहे हैं। उनका कहना है कि अगर किसी व्यक्ति को नींद से जुड़ी परेशानी रहती है, तो यह छोटी-सी आदत शरीर और मन दोनों पर सकारात्मक असर डाल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रात में बिना कपड़ों के सोने से शरीर का तापमान प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रहता है। सोते समय शरीर का तापमान हल्का कम होना जरूरी होता है, तभी गहरी और सुकूनभरी नींद आती है। ज्यादा या मोटे कपड़े पहनकर सोने से शरीर जरूरत से ज्यादा गर्म रहता है, जिससे नींद बार-बार टूट सकती है। इसके उलट, बिना कपड़ों के सोने से शरीर जल्दी ठंडा होता है और नींद की क्वालिटी में सुधार होता है, खासतौर पर गर्मियों के मौसम में।

अच्छी नींद के दौरान शरीर मेलाटोनिन और ग्रोथ हार्मोन का स्राव करता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने, वजन को संतुलित रखने और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में मददगार होते हैं। अगर शरीर ज्यादा गर्म रहता है, तो इन हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। बिना कपड़ों के सोने से हार्मोनल बैलेंस बेहतर बना रहता है, जिससे शरीर अंदर से ज्यादा स्वस्थ महसूस करता है। इसके अलावा, यह आदत त्वचा और निजी अंगों की सेहत के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। टाइट या सिंथेटिक कपड़ों में पूरी रात सोने से पसीना, बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। महिलाओं में यीस्ट इंफेक्शन और पुरुषों में स्किन इरिटेशन की समस्या देखी जाती है। बिना कपड़ों के सोने से त्वचा को सांस लेने का मौका मिलता है, जिससे इंफेक्शन का जोखिम कम होता है और स्किन हेल्दी रहती है।

कपड़ों के बिना सोने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियां पूरी तरह रिलैक्स हो पाती हैं। इससे शरीर की थकान जल्दी दूर होती है और सुबह उठने पर ताजगी महसूस होती है। कुछ अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि ठंडे तापमान में सोने से शरीर अतिरिक्त कैलोरी बर्न करता है, क्योंकि खुद को गर्म रखने के लिए ऊर्जा खर्च होती है। हालांकि यह वजन घटाने का कोई जादुई उपाय नहीं है, लेकिन हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ यह आदत मेटाबालिज्म को सपोर्ट जरूर कर सकती है। मालूम हो कि स्वस्थ जीवन के लिए रोजाना 7 से 8 घंटे की अच्छी और गहरी नींद बेहद जरूरी मानी जाती है, लेकिन अक्सर लोग केवल नींद की अवधि पर ध्यान देते हैं, उसकी गुणवत्ता को नजरअंदाज कर देते हैं।

आंकड़ों का एनालिसिस...कंप्यूटर पर अधिक समय बिताने वालों का आईक्यू स्तर कम

वाशिंगटन। जेन-जी (15 से 27 साल के युवा) पहली ऐसी पीढ़ी बन गए हैं, जिनकी बुद्धि (आईक्यू का स्तर) उनके माता-पिता की पीढ़ी से कम है। यह खुलासा न्यूरो साइंटिस्ट डा. जैरेड कुनी हारवाथ ने अमेरिकी सीनेट की कमेटी में किया। उन्होंने बताया कि डिजिटल टेक्नोलाजी पर ज्यादा निर्भरता इसकी मुख्य वजह है। डा. हारवाथ ने कहा कि 1800 के दशक के उत्तरार्ध से पहली बार किसी पीढ़ी का आईक्यू, मेमोरी, ध्यान, पढ़ाई, गणित और समस्या सुलझाने की क्षमता पिछली पीढ़ी से कम हुई है। उन्होंने कहा कि इंसानी दिमाग छोटे वीडियो और संक्षिप्त वाक्यों से सीखने के लिए नहीं बना है। उन्होंने बताया कि इंसान गहराई से पढ़ाई और आमने-सामने बातचीत से बेहतर सीखता है, न कि स्क्रीन से। डा. हारवाथ ने बताया कि 2010 के बाद से बच्चों की बौद्धिक क्षमता गिरने लगी। स्वीडन जैसे देशों ने हाल ही में स्कूलों में डिजिटल गैजेट्स को हटाकर फिर से कागज-कलम और प्रिंटेड किताबों की ओर लौटने का फैसला किया है। वहीं फ्रांस, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, फिनलैंड जैसे देशों ने भी स्कूलों में टैबलेट और लैपटाप के इस्तेमाल को भी सीमित कर रही है यूनेस्को की रिपोर्ट में भी चेतावनी दी गई थी कि शिक्षा में तकनीक का अधिक इस्तेमाल तब तक फायदेमंद नहीं है जब तक कि वह सीखने में मदद न करे।

चीन में जन्म दर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर

बीजिंग, 06 फरवरी (एजेंसियां)। चीन आज गंभीर जनसांख्यिकीय संकट से जूझ रहा है। चीन की आबादी लगातार कम हो रही है, वहीं देश का समाज तेजी से बुजुर्ग होता जा रहा है। यहां सरकार द्वारा जनसंख्या बढ़ाने के लिए लगातार नई नीतियां और प्रोत्साहन योजनाएं लागू किए जाने के बावजूद हालात में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकट आने वाले वर्षों में चीन की अर्थव्यवस्था, श्रम बाजार और सामाजिक ढांचे पर गहरा असर डाल सकता है। ग्लोबल मीडिया रिपोर्ट्स और आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन में जन्म दर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। पिछले साल देश में केवल 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि इससे पहले यह संख्या 95.4 लाख थी। यानी महज एक साल में करीब 17 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। यह आंकड़ा 1949 के बाद से अब तक का सबसे कम जन्म वाला वर्ष माना जा रहा है। इसी अवधि में चीन की कुल आबादी भी घटकर 1.4049 अरब रह गई है, जिसमें करीब 33.9 लाख की कमी आई है।

दूसरी ओर, मौतों की संख्या बढ़कर 1.13 करोड़ तक पहुंच गई है, जो बीते पांच दशकों में सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ये आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि सरकार की पारिवारिक सहायता और चाइल्डकेयर सब्सिडी जैसी नीतियां अपेक्षित असर नहीं दिखा पा रही हैं। दशकों तक लागू रही सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीतियों, खासकर एक-बच्चा नीति ने चीन में गहरा जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा किया है। अब स्थिति यह है कि युवा पीढ़ी में देर से शादी करने या शादी न करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती महंगाई, घरों की ऊंची कीमतें, नौकरी की अनिश्चितता, लंबे कामकाजी घंटे और तीव्र प्रतिस्पर्धा जैसे सामाजिक-आर्थिक दबाव माता-पिता बनने की इच्छा को कमजोर कर रहे हैं।

घटती युवा आबादी को लेकर विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि इसका सीधा असर भविष्य में श्रम बल, उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों पर पड़ेगा। बुजुर्गों की बढ़ती संख्या के साथ पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और बढ़ सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए चीन सरकार ने हाल के महीनों में कई कदम उठाए हैं। इनमें तीन साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे के लिए 10,800 युआन तक की चाइल्डकेयर सब्सिडी, प्रसव खर्चों के लिए बेहतर बीमा सुविधा, विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान बनाना और तलाक के नियमों को सख्त करना शामिल है।

पाकिस्तान में केवल 63 फीसदी आबादी ही पढ़ी-लिखी, दक्षिण एशिया में सबसे नीचे

रिपोर्ट: विश्लेषकों ने साक्षरता में सुधार की रफ्तार को चिंताजनक और धीमा बताया

इस्लामाबाद, 06 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान दक्षिण एशिया में साक्षरता के मामले में सबसे नीचे है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में 10 साल और उससे ज्यादा आयु की केवल 63 फीसदी आबादी ही पढ़ने-लिखने में सक्षम है। यह समीक्षा पाकिस्तान के एक सर्वे 2024-25 के आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित है और इसकी तुलना क्षेत्र के अन्य देशों के लिए विश्व बैंक के साक्षरता आंकड़ों से की गई है। पाकिस्तानी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की साक्षरता दर 2018-19 में 60 फीसदी थी, जो 2024-25 में बढ़कर 63 फीसदी रह गई यानी करीब छह सालों में केवल तीन फीसदी अंक की वृद्धि दर्ज की गई है।

विश्लेषकों ने साक्षरता में सुधार की इस रफ्तार को 24 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश के लिए चिंताजनक रूप से धीमा बताया है। रिपोर्ट में लिंग और प्रांतों के बीच गहरी असमानता भी सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों की साक्षरता दर 73 फीसदी है, जबकि महिलाओं की साक्षरता केवल 54 फीसदी है। प्रांतीय स्तर पर पंजाब में साक्षरता दर 68 फीसदी दर्ज की गई है, जबकि सिंध और खैबर पख्तूनख्वा दोनों में यह 58 फीसदी है। बलूचिस्तान की स्थिति सबसे खराब है, जहां साक्षरता दर मात्र 49 फीसदी पाई गई। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में साक्षरता दर 77 फीसदी है, जबकि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों में यह घटकर 60 फीसदी रह जाती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वरिष्ठ आयु वर्ग में शिक्षा और कौशल की कमी अब भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में ऐसे व्यक्ति को साक्षर माना है जो किसी सरल वाक्य को पढ़ और समझ सके तथा एक साधारण वाक्य लिखने में सक्षम हो। इस बीच जनवरी में जारी एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि पाकिस्तान में लोगों के लिए भोजन और शिक्षा का खर्च उठाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 20 सालों में घरेलू खर्च के स्वरूप में बड़ा बदलाव आया है, जहां लोग भोजन की तुलना में जीवन-यापन की तय लागतों पर अधिक खर्च करने को मजबूर हैं। सर्वे के आंकड़ों से पता चलता है कि 2005 से 2025 के बीच घरों के कुल खर्च में भोजन का हिस्सा 43 फीसदी से घटकर 37 फीसदी रह गया है। इसी अवधि में आवास और उपयोगिताओं पर खर्च 15 फीसदी से बढ़कर कुल बजट का करीब 25 फसदी हो गया है। एक विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि कमजोर वास्तविक आय और भोजन की मात्रा में कमी के संकेतों को देखते हुए यह रुझान इस बात का संकेत है कि लोग महंगे होते आवास और उपयोगिता खर्चों की भरपाई के लिए भोजन में कटौती कर रहे हैं, न कि इसलिए कि भोजन सस्ता हो गया है। 2024-25 सर्वे के मुताबिक 2018-19 से 2024-25 के बीच मध्यम से गंभीर खाद्य असुरक्षा झेलने वाले लोगों की संख्या एक-छठे से बढ़कर एक-चौथाई हो गई है। इससे पाकिस्तान में मौजूदा हालात में जीवनयापन और भविष्य की संभावनाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-37

''नहीं मतलब नहीं''

जन्म देना जन्मदात्री का जन्मसिद्ध अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

30 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति प्रजनन स्वायत्तता को दी प्राथमिकता

नयी दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।
उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एक नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी।

न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला को, और विशेष रूप से एक नाबालिग लड़की को, उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जोर देकर कहा कि गर्भवती लड़की को बच्चे को जन्म देने या नहीं देने के उसके अधिकार को उचित महत्व दिया जाना चाहिए, खासकर तब जब उसका मन नहीं हो कि वह बच्चे को जन्म दे और ऐसी इच्छा उसने साफ साफ शब्दों में बार बार जाहिर भी की हो।

पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुद्दा यह था कि क्या एक नाबालिग को ऐसी गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जा सकता है जो उसकी मर्जी के बिना है। अदालत ने कहा, अदालत किसी भी महिला को, नाबालिग बच्चे की तो बात ही छोड़िए, अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, अगर उसका ऐसा करने का इरादा ही नहीं हो।

न्यायालय ने माना कि यह मामला इस पर निर्भर नहीं करता कि गर्भधारण सहमति से बने संबंधों के कारण हुआ था या दुष्कर्म से। वास्तव में फैसला इस बात से तय होगा कि नाबालिग की वह स्पष्ट इच्छा क्या है और उसका मन यही है कि वह बच्चे को जन्म न दे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि एक बच्चे का जन्म अंततः एक जिंदगी को दुनिया में लाना है, लेकिन इस मामले में नाबालिग की स्पष्ट अनिच्छा सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के जेजे अस्पताल को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपायों का पालन करते हुए गर्भावस्था के चिकित्सकीय समापन की प्रक्रिया शुरू करें।

यह फैसला भारत में गर्भपात कानून के तहत 'प्रजनन अधिकारों' की व्याख्या में एक मील का पत्थर माना जा रहा है। कारण यह है कि 24 सप्ताह की कानूनी सीमा के बाद भी विशेष परिस्थितियों में अदालत ने इस लड़की की पसंद को प्राथमिकता दी है।

उल्लेखनीय है कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार गर्भपात की समय सीमा को विभिन्न श्रेणियों में निर्धारित किया गया है। सामान्य परिस्थितियों में सभी महिलाओं के लिए 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति है, मगर इसके लिए डॉक्टर की सलाह आवश्यक है।

विशेष श्रेणियों की महिलाओं जैसे कि दुष्कर्म का शिकार बनी लड़कियां, नाबालिग, विधवाओं, दिव्यांगों या गंभीर बीमारी से पीड़ित महिलाओं के लिए यह सीमा 24 सप्ताह तक निर्धारित है और इसके लिए दो डॉक्टरों की इजाजत अनिवार्य है। यदि गर्भ में पल रहे भ्रूण को गंभीर बीमारी है, तो राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड की अनुमति के बाद 24 सप्ताह के बाद भी गर्भपात कराया जा सकता है।

इसके अलावा अगर गर्भवती महिला के जीवन को तत्काल कोई गंभीर खतरा हो, तो कानून की किसी भी समय सीमा के बिना आपातकालीन स्थिति में गर्भपात की अनुमति दी जाती है।

वैभवशाली भारत विश्व विजेता

हरारे, , 06 फरवरी (एजेंसियां)।
अंडर-19 विश्व कप का खिताब भारत ने जीत लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले को आयुष म्हात्रे की टीम ने 100 रनों से अपने नाम किया। भारत टूर्नामेंट का सबसे सफल देश भी है। छठी बार भारत के खाते में अंडर-19 विश्व कप का खिताब आया है। इससे पहले भारत ने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। टीम 2016 से खेले सभी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने 411 रन बनाए। 41वें ओवर में इंग्लैंड की पारी 311 रनों पर सिमट गई।

वैभव सूर्यवंशी ने 175 रनों की पारी खेली

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम इंडिया ने 20 के स्कोर पर आरोन जॉर्ज (9) का विकेट गंवा दिया। यहां से वैभव सूर्यवंशी ने कप्तान म्हात्रे के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 गेंदों में 142 रन जुटाते हुए टीम को 162 के स्कोर तक पहुंचा दिया। म्हात्रे 51 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों के साथ 53 रन बनाकर आउट हुए।

▶10पर

डीजीपी के खिलाफ रिट अपील खारिज

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को बी. शिवधर रेड्डी को राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी - हेड ऑफ पुलिस फोर्स) के रूप में नियुक्त किए जाने को चुनौती देने वाली एक रिट अपील को वापस लेने के आधार पर खारिज कर दिया। इसके साथ ही इस नियुक्ति को लेकर चल रहा कानूनी विवाद अब समाप्त हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद याचिका वापसी

याचिकाकर्ता टी. धनगोपाल राव, जो व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए, ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी हालिया निर्देशों के आलोक में अपनी अपील वापस लेने की अनुमति मांगी। राव ने अदालत को सूचित किया कि शीर्ष अदालत ने गुरुवार को पारित एक आदेश में संघ लोक सेवा आयोग को 5 फरवरी से चार सप्ताह के भीतर तेलंगाना के लिए एक नियमित डीजीपी (एचअ-ओपीएफ) नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

प्रकाश सिंह मामले के उल्लंघन का था आरोप

यह मामला मूल रूप से सितंबर 2025 में जारी सरकारी आदेश (जीओ 1339) के खिलाफ था, जिसके तहत शिवधर रेड्डी को डीजीपी नियुक्त किया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि राज्य द्वारा अस्थायी डीजीपी का चयन करना प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए ऐतिहासिक फैसले और दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अब शिवधर रेड्डी को तब तक अस्थायी डीजीपी के रूप में काम जारी रखने की अनुमति दे दी है, जब तक कि यूपीएससी नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं कर लेता। न्यायमूर्ति सैम कोशी और न्यायमूर्ति नरसिंह राव की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलों को सुनने के बाद रिट अपील को वापस लिए जाने के कारण खारिज कर दिया। ▶10पर

महँगाई नापने का बदलेगा पैमाना

प्याज-टमाटर संग सोना-चांदी

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।
भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इनमें सबसे प्रमुख फैसला रेपो रेट को लेकर रहा। आरबीआई ने रेपो रेट को यथावत रखने का निर्णय लिया है, जिससे आम लोगों को राहत मिली है और फिलहाल लोन की ईएमआई में बढ़ोतरी नहीं होगी।

इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है, जिससे छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

इन फैसलों के अलावा आरबीआई ने सोने और चांदी को लेकर भी एक बड़ा कदम उठाया है। रिज़र्व बैंक ने अपने इन्फ्लेशन मॉनिटरी फ्रेमवर्क (महंगाई निगरानी ढांचा) में अब प्याज और टमाटर जैसी पारंपरिक वस्तुओं के साथ-साथ सोने और चांदी की कीमतों को भी शामिल कर लिया है।

केंद्रीय बैंक का मानना है कि कीमती धातुओं की लगातार ऊंची कीमतों ने इन्हें महंगाई निगरानी के दायरे में लाने की जरूरत पैदा कर दी है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू उपभोग से प्रभावित अर्थव्यवस्था में महंगाई के दबावों का अधिक व्यापक आकलन करना है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से सोने-चांदी की कीमतों पर सीधा कोई असर नहीं पड़ेगा।

मूल महंगाई नियंत्रण में, लेकिन खतरे बरकरार

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मापी जाने वाली मूल महंगाई, जिसमें खाद्य और ईंधन को शामिल नहीं किया जाता, कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के बावजूद नियंत्रण में बनी हुई है। दिसंबर के आंकड़ों के अनुसार, सोने और चांदी को छोड़कर महंगाई दर 2.6 फीसदी पर स्थिर रही, जो यह संकेत देता है कि फिलहाल महंगाई काबू में है।हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि भू-राजनीतिक जोखिम, ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता और मौसम में बदलाव आने वाले महीनों में महंगाई के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। प्रतिकूल आधार प्रभाव के चलते 2025-26 के अंत तक सालाना आधार पर महंगाई में बढ़ोतरी देखी जा सकती है, भले ही कुल महंगाई की रफ्तार धीमी नजर आए।

वैश्विक अनिश्चितता से बढ़े सोने-चांदी के दाम

पिछले एक साल में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। वैश्विक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों ने कीमती धातुओं की मांग को और मजबूत किया है। ▶10पर

रसोइए ने कोल्ड ड्रिंक पिलाकर 20 लाख लूटे

जुबली हिल्स में बड़ी चोरी

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर के सबसे पॉश इलाके जुबली हिल्स में एक सनसनीखेज चोरी का मामला सामने आया है। भरोसेमंद बनकर काम पर लगे एक रसोइए ने अपने साथ काम करने वाले अन्य कर्मचारियों को नशीला पदार्थ पिलाकर लगभग 20 लाख रुपये मूल्य की नकदी और गहने लेकर फरार हो गया। विवरण के अनुसार, जुबली हिल्स के नंदगिरी हिल्स स्थित एक घर में भुवन नाम का एक नेपाली युवक महज 15 दिन पहले रसोइए के तौर पर काम पर रखा गया था। ▶10पर

'हाइड्रा'बाद जिंदाबाद!

झीलों का कायाकल्प-II, मंजूर हुए 303 करोड़

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर में झीलों के पुनरुद्धार के दूसरे चरण के लिए राज्य सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है। हाइड्रा कमिश्नर ए.वी. रंगनाथ द्वारा प्रस्तावित 303 करोड़ रुपये की लागत से 14 तालाबों के विकास के प्रस्ताव को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि हाइड्रा द्वारा पहले चरण के तहत शुरू किया गया पुनरुद्धार कार्य अब अंतिम चरण में है, जिससे कई जलाशय अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त होकर अपने पुराने स्वरूप में लौट रहे हैं।

हैदराबाद की भौगोलिक बनावट की विशेषता इसकी 'चेन लिंक' झीलों की प्रणाली है, जो भारी बारिश के दौरान बाढ़ के पानी को आसानी से मूसी नदी तक पहुँचाती है। हालांकि, 80 प्रतिशत तक हुए अवैध अतिक्रमणों ने इस प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र को नष्ट कर दिया है। हाइड्रा इन झीलों से गाद निकालने, चारों ओर बाड़ लगाने और पैदल रास्ते विकसित करने का काम कर रही है। इन झीलों को फूलों के पौधों, एम्फीथिएटर, पार्क और बोटिंग जैसी सुविधाओं के साथ पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुद्दों के आधार पर झीलों का चयन

पिछले साल यूसुफगुड़ा, मधुरानगर और अमीरपेट जैसे क्षेत्रों में आई बाढ़ को देखते हुए, कमिश्नर रंगनाथ ने कृष्णकांत पार्क स्थित पुरानी झील को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों का आकलन है कि वर्तमान में 7 एकड़ में सिमटी इस झील को यदि 12 एकड़ तक विस्तारित किया जाता है, तो यह 120 मिलियन लीटर अतिरिक्त बाढ़ के पानी को रोकने में सक्षम होगी। इसी रणनीति के तहत शहर के अन्य जलमग्न होने वाले इलाकों को सुरक्षा देने के लिए विशिष्ट तालाबों का चयन किया गया है। सरकार ने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ▶10पर

तेलंगाना सीईओ ने जताई उम्मीद

अप्रैल-मई में एसआईआर

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा इस वर्ष अप्रैल-मई के दौरान होने की संभावना है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) को प्राथमिकता के आधार पर मतदान केंद्र के स्थानीय क्षेत्र से लिया जाना चाहिए और उन्हें बूथ स्तर के ▶10पर

7 दशकों तक हिंदी सिनेमा को आवाज देने वालीं लता मंगेशकर ने बनाई थी बड़ी अंतरराष्ट्रीय पहचान, मिले कई पुरस्कार

भारत की स्वर कोकिला कही जाने वाली प्लेबैक सिंगर लता मंगेशकर भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज ही उनकी पहचान बन गई। बदलते दौर के साथ भी अपनी मधुर आवाज से दिलों पर राज करने वाली सिंगर लता मंगेशकर का निधन 6 फरवरी को हुआ था। 7 दशकों से अधिक के करियर में उन्होंने 38 से ज्यादा भाषाओं में गाने गाए और कई अवॉर्ड अपने नाम किए। आज हम उनके करियर के दौरान मिलने वाले पुरस्कारों के बारे में जानेंगे, जिन्होंने राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी गायिकी और योगदान को पहचान दिलाई। लता मंगेशकर ने हिंदी सिनेमा और क्षेत्रीय सिनेमा में 1950 से 1980 के दशक तक ऐसे गाने गाए जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुए। ये दशक उनके करियर का स्वर्ण युग थे, जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई। सबसे पहले 1974 में सिंगर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्र्स में दर्ज हुआ। उनका नाम सबसे अधिक गानों को रिकॉर्ड करने के लिए शामिल हुआ था। साल 1987 में सिंगर को 'संयुक्त राज्य अमेरिका की मानद नागरिकता' के रूप में सम्मानित किया गया। ये अवॉर्ड लता मंगेशकर को गायन करियर और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए मिला था।

इसके साथ, साल 1980 में उन्हें 'की ऑफ द सिटी ऑफ जॉर्जटाउन' की चाबी देकर सम्मानित किया गया था। दरअसल सिंगर 1980 में दक्षिण अमेरिका के गुयाना स्थित जॉर्जटाउन में पहुंची थी, जहां हजारों की भीड़ ने सिंगर को घेर लिया था। वहां के लोगों के बीच लता मंगेशकर की दीवानगी देखने को मिली थी, जिसके बाद उन्हें जॉर्जटाउन की चाबी देकर सम्मानित किया गया था।

म्यूजिक इंडस्ट्री में अद्वितीय संगीत योगदान के लिए साल 1980 में ही सिंगर को 'सूरीनाम गणराज्य की मानद नागरिकता' के पुरस्कार से नवाजा गया। ये पुरस्कार उन्हें दक्षिण अमेरिका में दिया गया था। साल 1985 में स्वर कोकिला लता मंगेशकर के सम्मान में 9 दिवस को एशिया दिवस घोषित किया गया, जिसे आज भी पूरे सम्मान के लिए मनाया जाता है। ये सम्मान टोरंटो आगमन और अंतर्राष्ट्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए दिया गया था। साल 2000 में सिंगर को 'आईआईएफए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से लंदन में सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही उन्हें फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ऑफिसर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया था।

'गंगा मइया' से 'उमरिया कइली तोहरे नाम' तक, जब लता मंगेशकर की आवाज में घुली भोजपुरी की मिठास

स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, मगर हिंदी, मराठी समेत कई अन्य भाषाओं में गाए उनके गाने आज भी उनके खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं। स्वर कोकिला की आज पुण्यतिथि है। लता जी ने हिंदी और मराठी के अलावा भोजपुरी सिनेमा को भी अपनी मधुर आवाज से सजाया। भोजपुरी फिल्मों में उनके गाए गाने आज भी लोगों के दिलों में बसे हैं। उन्होंने भोजपुरी के शुरुआती दौर में अपनी आवाज देकर इस भाषा के संगीत को नई पहचान दी। इन गीतों में भक्ति, प्रेम और लोक संस्कृति की मिठास घुली हुई है। लता मंगेशकर के गाए भोजपुरी गानों की लिस्ट में 'हे गंगा मइया तोहे पियरी चढ़इबो' से 'उमरिया कइली तोहरे नाम' जैसे कई गाने मिल जाएंगे। गंगा मइया तोहे पियरी चढ़इबो :- यह साल 1963 में आई भोजपुरी सिनेमा की पहली फिल्म 'गंगा मइया तोहे पियरी चढ़इबो' का टाइटल सॉन्ग है। कुंदन कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म में कुमकुम, असीम कुमार और नजीर हुसैन मुख्य भूमिकाओं में थे। विधवा पुनर्विवाह की कहानी पर आधारित फिल्म के गाने में लता मंगेशकर गंगा मइया से प्रार्थना करती हैं। उन्होंने भावना को इतनी सुंदरता से व्यक्त किया कि यह गीत भोजपुरी संस्कृति का हिस्सा बन गया। गाने को संगीत चित्रगुप्त ने दिया और बोल शैलेंद्र के लिखे थे।

लाली लाली होठवा से बरसे ललईया :- यह रोमांटिक गाना साल 1963 में रिलीज हुई फिल्म 'लागी नहीं छूटे राम' का है। फिल्म का निर्देशन कुंदन कुमार ने ही किया था। मुख्य कलाकार कुमकुम और असीम कुमार थे, साथ ही नजीर हुसैन भी थे। फिल्म प्रेम और समर्पण की कहानी पर आधारित थी। लता मंगेशकर ने अपनी मीठी आवाज में इस गाने को इतना आकर्षक बनाया कि यह भोजपुरी प्रेम गीतों में सदाबहार बना रहा। संगीत चित्रगुप्त का था। यह फिल्म भोजपुरी की शुरुआती सुपरहिट फिल्मों में शुमार है।

रिलीज से पहले विवादों में फंसी शाहिद की 'ओ रोमियो'

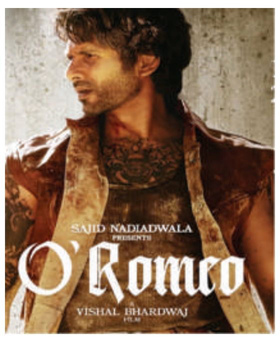

मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' की कॉन्ट्रोवर्सी के बाद 13 फरवरी को रिलीज होने वाली शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'ओ रोमियो' पर खतरे की तलवार लटक रही है। फिल्म को लेकर हुसैन उस्तारा की बेटी ने जताई है और कोर्ट में याचिका दायर करते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। मामले पर सुनवाई भी आज ही होगी। फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी ने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कोर्ट का रुख करते हुए फिल्म की रोक लगाने की याचिका भी दायर की है। हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी सनोबर शेख का कहना है कि ट्रेलर में उनके पिता की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। ट्रेलर में उन्हें सनकी और गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया है। फिल्म के रिलीज से उन्हें और उनके बच्चों को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पिता ने पूरे भारत में, विशेष रूप से मुंबई में, अपराधों को रोकने में योगदान दिया और अपराधियों से निपटने में पुलिस और खुफिया एजेंसियों की मदद की, लेकिन फिल्म में उन्हें गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। सनोबर शेख ने कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में दावा किया है कि फिल्म उनके पिता की जीवनी पर बनी है और उनके पिता के जीवन को गैंगस्टर जैसा दिखाने की कोशिश की है।

सनोबर शेख ने फिल्म के निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ कोर्ट याचिका और पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित है और काफी हद तक अभिनेता शाहिद कपूर का किरदार हुसैनन 'उस्तारा' शेख से प्रेरित है। हालांकि विशाल भारद्वाज और हुसैन जैदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि फिल्म हुसैन 'उस्तारा' शेख की जीवनी से प्रेरित नहीं है, बल्कि एक कलात्मक कहानी है, जिसका कुछ हिस्सा उनकी कहानी से प्रेरित है लेकिन किरदार काल्पनिक हैं।

'उरी उरी बाबा' की शूटिंग के दौरान सोनम खान के पैरों में पड़ गए थे छाले, अभिनेत्री ने सालों बाद बयां किया दर्द

त्रिदेव, 'विश्वात्मा', 'अजूबा', 'मिट्टी और सोना', और 'क्रोध' जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री सोनम खान सोशल मीडिया पर अक्सर पुरानी फिल्मों के किस्से शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने ऐसी ही फिल्म 'दुश्मन देवता' के गाने 'उरी उरी बाबा' का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। दरअसल, अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम के जरिए गाने का किस्सा शेयर करते हुए बताया कि इसकी शूटिंग के दौरान उन्हें नंगे पैर डांस करना पड़ा, जिसकी वजह से उनके पैरों में छाले भी पड़ गए थे। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर किया। इसमें अभिनेत्री सूरज पंचोली के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, हां, ये मैं ही हूं। उरी उरी बाबा... इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत ज्यादा गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले भी पड़ गए।फैंस को सोनम का पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'दुश्मन देवता' का गाना 'उरी उरी बाबा' ऊषा उथुप ने गाया है, जबकि लिरिक्स अंजान ने लिखे हैं और बप्पी लहरी ने इसका संगीत तैयार किया है।अनिल गांगुली द्वारा निर्देशित एक्शन-ड्रामा फिल्म 'दुश्मन देवता' में धर्मेंद्र, डिंपल कपाड़िया, आदित्य पंचोली और सोनम मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म डाकुओं और जंगली जानवरों से पीड़ित एक गांव की कहानी है, जहां धर्मेंद्र ने एक रक्षक की भूमिका निभाई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी, जिस वजह से निर्माता को भारी नुकसान हुआ था। फिल्म की कहानी गांव वालों द्वारा मास्टर दीनानाथ की हत्या के बाद एक सुधरे हुए चोर (धर्मेंद्र) पर शक करने के इर्द-गिर्द घूमती है। गांव वाले उसे देवता (भगवान) समझने लगते हैं, जबकि वह एक छिपे हुए एजेंडे के साथ गांव में आता है।सोनम की बात करें तो उन्होंने हिंदी सिनेमा में अच्छी पहचान बनाई थी, लेकिन कुछ वजह से जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था।

फिल्म तू या मैं में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे खास अनुभव रहा: पारुल गुलाटी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म 'तू या मैं' कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है। इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है। फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, ''विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है। ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है।''

पारुल ने कहा, ''जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। 'तू या मैं' ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया। यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है।'

इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, ''उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं। वह हर सीन में पूरी सच्चाई के साथ काम करते हैं। वहीं शनाया कपूर सेट पर नई ताजगी लेकर आती हैं। उनमें सीखने की काफी लगन है।''

पारुल ने कहा, ''जब आसपास ऐसे कलाकार होते हैं, तो काम को लेकर समर्पण और खुद को बेहतर करने की प्रेरणा अपने आप मिलती है। हर दिन सेट पर कुछ नया सीखने को मिलता है, और यही चीज किसी भी कलाकार को आगे बढ़ने में मदद करती है।''

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया साइन

फिल्म भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- 'लव नो भवाड़ो' और '3 चक्करम' में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।

इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, 'इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी।''

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, ''वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी।'

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में इस साइनिंग को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इशिका तोरिया के नए म्यूजिक और एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

शनिवार के दिन भूलकर भी न करें ये पांच गलतियां वरना बिगड़ सकता है भाग्य का संतुलन

हिंदू धर्म में शनिवार का विशेष महत्व माना गया है। यह दिन न्याय के देवता शनि को समर्पित होता है, जिन्हें कर्मों के अनुसार फल देने वाला ग्रह कहा जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार शनिवार को की गई कुछ आदतें व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। मान्यता है कि इन गलतियों से भाग्य का साथ कमजोर पड़ सकता है और जीवन में संघर्ष का दौर शुरू हो सकता है। इसी कड़ी में जानते हैं शनिवार से जुड़ी वे प्रमुख सावधानियां, जिन्हें लेकर लोग विशेष सतर्कता बरतते हैं।

शनिवार को झाड़ू खरीदने से क्यों बचते हैं लोग

लोक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू को सफाई और श्रम से जोड़कर देखा जाता है, और शनि देव को श्रमिक वर्ग व कर्म से जुड़ा ग्रह माना गया है। यही कारण है कि शनिवार को झाड़ू खरीदना अशुभ समझा जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से आर्थिक असंतुलन और घर की सुख-शांति प्रभावित हो सकती है। हालांकि इस दिन झाड़ू या सफाई से जुड़ी वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है।

दाढ़ी और बाल कटवाने को लेकर क्या कहती हैं मान्यताएं

धार्मिक परंपराओं में शनिवार को शरीर से जुड़े कुछ कार्यों से परहेज करने की बात कही गई है। मान्यता है कि इस दिन दाढ़ी या बाल कटवाने से शनि देव अप्रसन्न हो सकते हैं, जिससे भाग्य में रुकावटें आ सकती हैं। यही वजह है कि लोग शनिवार के साथ-साथ मंगलवार को भी इन कार्यों से बचते हैं।

शनिवार को भोजन में रखें संयम

शनिवार को तामसिक भोजन जैसे मांस, मदिरा और अत्यधिक मसालेदार भोजन से दूरी बनाने की परंपरा रही है। मान्यता है कि ऐसा भोजन मानसिक और आध्यात्मिक असंतुलन पैदा करता है, जिससे शनि से जुड़ी नकारात्मकता बढ़ सकती है। इसके विपरीत, सात्विक भोजन और संयमित जीवनशैली को इस दिन शुभ फल देने वाला माना जाता है।

धन के लेन-देन को क्यों माना जाता है अशुभ

लोक विश्वासों के अनुसार शनिवार को उधार देना या लेना आर्थिक परेशानी को न्योता दे सकता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन किया गया धन का लेन-देन भविष्य में रुकावटें, कर्ज या तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए लोग शनिवार को आर्थिक फैसलों में अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं।

नए कपड़ों की खरीदारी से परहेज की वजह

शनिवार को नए कपड़े खरीदना भी कई जगह अशुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार नए वस्त्र समृद्धि और उत्सव का प्रतीक होते हैं, जबकि शनिवार को संयम और गंभीरता का दिन माना गया है। इसी कारण नए कपड़ों की खरीदारी के लिए बुधवार, गुरुवार या शुक्रवार को अधिक शुभ समझा जाता है।

उज्जैन में मौजूद हैं बाबा महाकाल का वृद्ध स्वरूप, इनके दर्शन के बिना अधूरी है धार्मिक यात्रा

उज्जैन का महाकाल मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो भगवान शिव को समर्पित एक प्रसिद्ध दक्षिणमुखी और स्वयंभू मंदिर है। महाकाल मंदिर शिप्रा नदी के तट पर स्थित है, जहां जाने से समय भी बदल जाता है। माना जाता है कि महाकाल के दर्शन मात्र से जीवन में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलता है लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि महाकाल मंदिर में मुख्य गर्भगृह में मौजूद शिवलिंग से भी पुराना शिवलिंग मंदिर में मौजूद है, जिसके दर्शन के बिना महाकाल की दर्शन यात्रा अधूरी मानी जाती है। उज्जैन के महाकाल मंदिर में कई प्राचीन मंदिर स्थापित हैं, जिनकी अपनी-अपनी मान्यता है। कुछ मंदिर का निर्माण नए सिरे से किया गया है लेकिन कुछ मंदिर की जड़े प्राचीन काल से जुड़ी हैं। मंदिर परिसर में महाकाल के दर्शन से पहले वृद्धकालेश्वर महादेव का मंदिर बना है, जिसे मुख्य मंदिर से भी प्राचीन बताया जाता है। मंदिर के गर्भगृह में बाबा महाकाल के प्रतिरूप में शिवलिंग मौजूद हैं और उनका शृंगार प्रतिदिन बाबा महाकाल की तरह ही होता हैं।

वृद्धकालेश्वर महादेव और बाबा महाकाल में फर्क कर पाना बहुत मुश्किल है क्योंकि शिवलिंग का आकार और रूप दोनों एक जैसे हैं। कहा जाता है कि वृद्धकालेश्वर महादेव, बाबा महाकाल के वृद्ध स्वरुप हैं और उनसे भी ज्यादा प्राचीन हैं। उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन का पुण्य तभी पूरा मिलता है, जब महाकालेश्वर के 'वृद्ध' स्वरूप के दर्शन न हो जाए। इसलिए भक्त महाकाल के दर्शन के बाद बाबा वृद्धकालेश्वर के दर्शन जरूर करते हैं।

माना ये भी जाता है कि बाबा वृद्धकालेश्वर, महाकाल से भी पुराने हैं और उनसे पहले धरती पर प्रकट हुए थे। हालांकि आक्रमणकारियों की वजह से शिवलिंग और मंदिर दोनों को खंडित करने की कोशिश की गई लेकिन आज भी बाबा वृद्धकालेश्वर अपनी जगह पर स्थापित हैं और भक्तों की मनोकामनाओं को पूर्ण कर रहे हैं। मंदिर की हालत थोड़ी जर्जर है जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंदिर आक्रमणकारियों का शिकार हुआ था लेकिन साथ ही समय-समय पर मंदिर का रखरखाव भी होता रहता है। जहां महाकाल के स्पर्श दर्शन हर किसी को नहीं हो जाते हैं, वहीं उसके उलट बाबा वृद्धकालेश्वर के स्पर्श दर्शन के लिए मंदिर हमेशा खुला रहता है। भक्त मनोकामना पूर्ति के लिए सावन और महाशिवरात्रि के दिन विशेष पूजा कराते हैं। जूना महाकाल की भी बाबा महाकाल की तरह ही अलग-अलग आरतियां प्रतिदिन की जाती हैं।

घर में कर लें ये छोटे-छोटे पांच उपाय

चली आएंगी माता लक्ष्मी आपके पास

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में की गई कुछ गलतियों के कारण मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और आपको आर्थिक परेशानी से जूझना पड़ता है। हर व्यक्ति के जीवन में दुख-सुख, कष्ट और परेशानियां लगी रहती हैं। कोई नौकरी नहीं मिलने से परेशान है तो कोई व्यापार में घाटे से परेशान है। वैदिक ज्योतिष में इन समस्याओं से बाहर निकले के साथ ही धन लाभ और समृद्धि प्राप्त करने के कई उपाय भी बताए गाए हैं। इस उपायों को अपनाकर जीवन को सुखी बनाया जा सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है।

नौकरी में सफलता के लिए उपाय

नौकरी में सफलता और जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए। शाम के समय हनुमान जी के दर्शन करें, दीपक जलाएं और फूल अर्पित करें। ऐसा करने से आपको संकटों से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करने से सभी कार्य पूरे होते हैं।

सुख-समृद्धि के लिए उपाय

मां लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाकर कनकधारा स्त्रोत का पाठ करें। रोजाना इसका पाठ करने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है। श्रद्धापूर्वक और विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

लक्ष्मी कृपा के लिए उपाय

शास्त्रों में कहा गया है कि जिस घर में साफ-सफाई रहती हैं वहीं मां लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में रोजाना घर की सफाई करनी चाहिए। लेकिन ध्यान रहे कि सूर्यास्त के समय या उसके बाद भूलकर भी घर में झाड़ू नहीं लगाएं। ऐसा करने से धन हानि होती है।

धन लाभ के ज्योतिष उपाय

ज्योतिष शास्त्र में झाड़ू को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में अगर जाने अनजाने झाड़ू को पैर लग जाए तो इसे अनदेखा न करें। बल्कि झाड़ू को हाथ से छूकर माथे पर लगाएं और इस गलती के लिए माफी मांगे। घर में झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। जिस घर में झाड़ू का अपमान होता है उस घर में लक्ष्मी जी अधिक देर तक नहीं ठहरती हैं।

परेशानियों से छुटकारा पाने के उपाय

घर के मंदिर में रोजाना सुबह-शाम घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से घर में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होगी। इसके साथ ही श्रीमद भागवत गीता का पाठ करने से भी जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान निकलता है। इसके साथ ही इसके 11वें अध्याय का पाठ करने से धन की कमी दूर होती है।

ज्योतिष शास्त्र से कैसे व्यक्ति हर परिस्थिति को अवसर के रूप में बदल सकता है

जीवन में सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव और संघर्ष अनिवार्य हैं। कोई भी व्यक्ति हर समय अनुकूल परिस्थितियों में नहीं रह सकता। अक्सर लोग ज्योतिषियों से प्रश्न पूछते हैं, कि क्या ज्योतिष शास्त्र सच में कार्य करता है, क्या मनुष्य परिस्थितियों का दास है, या परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना सकता है। वर्षों का शोध निष्कर्ष बताता है कि मनुष्य यदि समय की ताकत को समझ ले, तो हर परिस्थिति को अवसर में बदल सकता है।ज्योतिष शास्त्र का मूल उद्देश्य समय का बोध कराना है, किस समय कौन-सा कार्य करना उचित रहेगा और किस समय सावधान रहने की आवश्यकता है। जो व्यक्ति ग्रह-नक्षत्रों की गणना द्वारा समय की चाल को समझ लेता है, वह असफलता में भी सफलता प्राप्त करने की क्षमता रखता है।

महादशा, अंतर्दशा और गोचर जन्मकुण्डली में यह बताती हैं कि जीवन में कौन-सा समय संघर्ष का है और कौन-सा समय सृजन का है। यदि व्यक्ति विपरीत समय में सावधानी और धैयपूर्वक कार्य करें तो ज्योतिष शास्त्र का मार्गदर्शन और उपाय उसे मुसीबतों से बचा सकता है। जन्मकुण्डली बताती है कि किस क्षेत्र में सावधानी चाहिए और किस क्षेत्र में व्यक्ति को अपार सफलता की संभावनाएं है। जब व्यक्ति इन सम्भावनाओं पर जी-तोड़ कर मेहनत करता है तो भाग्य में लिखा पूर्ण फल व्यक्ति को प्राप्त होता है, परन्तु ज्योतिष शास्त्र द्वारा सम्भावनाओं को जानकर भी जो व्यक्ति कर्म नहीं करता है, वह उन सम्भावनाओं के लाभ से वंचित हो जाता है। इसलिए बड़े-बुजुर्गों के मुख से सुना कहा है कि-

सकल पदार्थ हैं जग माही, कर्महीन नर पावन नाहीं'

जो व्यक्ति समय, ग्रह और कर्म के समन्वय को समझ लेता है, वही हर कठिन परिस्थिति को अवसर में बदल देता है। यही ज्योतिष की वास्तविक सार्थकता और जीवनोपयोगी शक्ति है। व्यक्ति के जीवन में समय-समय पर किसी ग्रह की महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा इत्यादि देखने को मिलती है। हर दशा में एक विशेष प्रकार का कर्म फलदायी होता है। जो व्यक्ति जन्मकुण्डली में ग्रहों की दशा समझ लेता है और समय के अनुसार उस पर कार्य करता है, वह सचमुच अपने जीवन की दिशा बदल लेता है, ऐसा व्यक्ति निरन्तर नुकसान से बचकर लाभ की ओर बढ़ता रहता है। जन्मकुंडली व्यक्ति की शक्ति और कमजोरी दोनों को दर्शाती है। जो अपनी सीमाओं को जानता है, वह अनावश्यक जोखिम नहीं लेता और सही अवसर पर सही निर्णय करता है।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति की धार्मिक व सामाजिक सेवाएँ

राजस्थान के सीकर जिले के खाटू गांव में स्थित खाटू श्याम जी का मंदिर देश-विदेश में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। खाटू श्याम जी को महाभारत काल के पांडव भीमबली के पौत्र बर्बरीक के रूप में जाना जाता है, जिन्हें भगवान श्रीकृष्ण ने कलियुग में 'श्याम' नाम से पूजे जाने का वरदान प्रदान किया था।

दक्षिण भारत में खाटू श्याम जी का प्रथम मंदिर भाग्यनगर (हैदराबाद) के काचीगुड़ा क्षेत्र में स्थित है। इस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा 22 अप्रैल 1996 को श्री कांची कामकोटि पीठम के परम पूज्य श्री जयेंद्र सरस्वती स्वामी एवं श्री अनंत सरस्वती स्वामी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुई थी।

एक ही परिसर में अनेक देवालय

श्री श्याम मंदिर परिसर में गणेश जी, वीरभद्र स्वामी, श्याम बाबा, लक्ष्मीनारायण, राधा-कृष्ण, दुर्गा माता, शिव परिवार, हनुमान जी, नवग्रह एवं नाग देवता के मंदिर स्थापित हैं। यहां प्रतिदिन विधि-विधान से नियमित पूजा-अर्चना की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

अमावस्या पर विशेष अनुष्ठान व श्रृंगार

प्रति अमावस्या के दिन बाबा श्याम को पंचामृत स्नान कराया जाता है। स्नान के उपरांत प्रयुक्त जल भक्तों में 'श्याम जल' के रूप में वितरित किया जाता है। अमावस्या से द्वितीया तिथि तक भक्तों को बाबा के सावले स्वरूप के दर्शन होते हैं, जबकि तृतीया तिथि को बाबा का विशेष तिलक श्रृंगार किया जाता है।

अन्नदान, भोग एवं संकीर्तन की निरंतर परंपरा

मंदिर परिसर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 250 से 300 श्रद्धालु भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं। सप्ताह के सातों दिन बाबा श्याम को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित किए जाते हैं, जिन्हें पूरे दिन भक्तों में वितरित किया जाता है।

प्रति माह शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की एकादशी को भाग्यनगर के विभिन्न श्याम मंडलों द्वारा रात्रि 8.00 बजे से 12.00 बजे तक श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाता है, जिसमें श्याम प्रेमी भक्ति भाव से भाग लेते हैं।

पाटोत्सव, अन्नकूट और भव्य मेले

हर वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी को बाबा श्याम का पाटोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसके अगले दिन द्वादशी को अन्नकूट महाप्रसाद का आयोजन होता है, जिसमें लगभग 25,000 से 30,000 श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को बाबा का भव्य मेला आयोजित किया जाता है, जिसमें श्याम प्रेमी बाबा को निशान अर्पित करते हैं।

बसंत पंचमी व जन्माष्टमी के विशेष आयोजन

बसंत पंचमी पर्व पर बाबा का पीतांबर बदली उत्सव आयोजित किया जाता है। चढ़ाई गई पीतांबरी भक्तों में वितरित की जाती है, जिसका विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि इससे मनोकामना पूर्ति, धन-वृद्धि, व्यापार उन्नति एवं संतान प्राप्ति जैसी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर लड्डू गोपाल को पालने में विराजमान किया जाता है और भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया जाता है।

फाल्गुन मास में रथ व निशान शोभायात्रा

बाबा के प्रिय मास फाल्गुन में श्री श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा रथ एवं निशान शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह शोभायात्रा 8 फरवरी 2026 को महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होकर श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा तक निकाली जाएगी। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए, नाचते-गाते बाबा को रिझाते हुए मंदिर पहुंचकर निशान अर्पित करेंगे।

निशान अर्पण की विशेष परंपरा

निशान (ध्वजा) का बाबा श्याम की भक्ति में विशेष महत्व है। जो श्रद्धालु खाटू धाम नहीं जा पाते, वे काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में भी निशान अर्पित कर सकते हैं। फाल्गुन मास में प्रति रविवार एवं एकादशी को भाग्यनगर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ मंदिर पहुंचकर निशान अर्पण करते हैं। मंदिर समिति द्वारा निशान लेकर आने वाले भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की जाती है।

निशुल्क फिजियोथेरेपी सेवा

श्रीश्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत मंदिर परिसर में एक निशुल्क फिजियो-थेरेपी सेंटर भी संचालित किया जा रहा है, जहां जरूरतमंदों को बिना शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

संपादकीय

मर्यादा हनन का सदन

प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर अपना जवाब नहीं दे सके। राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में प्रधानमंत्री अपनी बात सदन में नहीं रख सके, जबकि वह सदन के नेता भी हैं। संसदीय इतिहास में यह अभूतपूर्व विडंबना है और देश की संसदीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। चूंकि स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की कथित किताब के अंश सदन में पढ़ने की अनुमति नहीं दी, लिहाजा विपक्ष उबल रहा है। विरोध और गुस्से में, सदन में ही, पोस्टर-बैनर लहराए जा रहे हैं। यह कानून और संविधान का उल्लंघन है। कुछ नारे भी आपत्तिजनक हैं। संसद में हंगामा हो रहा है। क्या यही 'न्यू नॉर्मल' है? कमोबेश हंगामे के आसार की सूचना गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को दी होगी! गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्ष के नेताओं से भी बातचीत की, लेकिन कोई बर्फ नहीं पिघली। स्पीकर ओम बिरला ने अपने चैंबर में भी पक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक बुलाई थी, लेकिन वहां भी उग्र और उत्तेजित संवाद हुआ, नतीजतन हंगामा जारी रहा। हमने संसदीय कवरेज के अपने अनुभव में देखा है कि जब प्रधानमंत्री बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो विपक्ष का हंगामा खामोश हो जाता है। यह आचार-संहिता भी है, परंपरा भी है और प्रधानमंत्री पद के प्रति सम्मान भी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी नहीं, एक-दूसरे के 'कट्टर दुश्मन' बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इससे पहले भी विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही अपना भाषण देना पड़ा था। इस बार भी विपक्ष जबरदस्त विरोध पर आमादा है, क्योंकि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और विपक्ष के 8 सांसदों को सत्र भर के लिए निलंबित कर दिया गया है। जहां तक निलंबित सांसदों का सवाल है, हमारा मानना है कि ऐसे सांसदों की सांसदी ही बर्खास्त कर दी जाए। उसके लिए नियम-कानून में संशोधन किया जा सकता है। जिस तरह विपक्षी सांसदों ने 'वेल' में आकर कागज की चिन्दियां स्पीकर के आसन पर फेंकी थीं और मेजों पर चढ़ कर 'हुड़दंगी नृत्य' किया था, कमोबेश सदन में वह अक्षम्य होना चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में, राज्यसभा में भी, ऐसे हुड़दंग मचाए जा चुके हैं। वहां भी सांसद निलंबित किए गए थे। यदि विपक्ष की यही विरोध-शैली बन गई है, तो यकीनन यह अराजकता, मर्यादाओं का हनन, अनुशासनहीनता और सदन के अध्यक्ष का अपमान है। संसद ऐसे हुड़दंगियों का सदन नहीं बनाई जा सकती। दलीलें दी जाती रही हैं कि विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने भी ऐसे ही हंगामे मचाए थे, नतीजतन पूरे सत्र ही धुल गए थे। ऐसे अतीत आज प्रासंगिक नहीं हैं। हम संसद के भीतर ऐसे विरोध, हंगामे को न तो अभिव्यक्ति की आजादी मानते हैं और न ही विपक्ष का विशेषाधिकार मानने को तैयार हैं। लोकसभा में ही वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को भारत-अमरीका व्यापार समझौते पर, विपक्षी शोर के बीच ही, अपना वक्तव्य पढ़ना पड़ा। ऐसी संसद का औचित्य क्या है? यह कोई अखाड़ा नहीं, भारत के लोकतंत्र का सर्वोच्च और गरिमापूर्ण मंदिर है, सर्वोच्च पंचायत भी है। संभवतः प्रधानमंत्री मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर बोलेंगे। यदि उच्च सदन में भी विपक्ष की वही चिल्ल-पौं हुई, तो क्या होगा? यह आलेख लिखे जाने तक प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में नहीं बोल पाए थे। अंततः लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित कराना पड़ा। संसद के भीतर यह भी कर लो, क्योंकि एक घंटे में दसियों विधेयक, बिना चर्चा के, इसी सदन में पारित किए जाते रहे हैं। बहरहाल, संसद में जो हो रहा है, वह निरंकुशता और उच्छृंखलता है। क्या संसद इसीलिए बनी है?

राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में प्रधानमंत्री अपनी बात सदन में नहीं रख सके, जबकि वह सदन के नेता भी हैं। संसदीय इतिहास में यह अभूतपूर्व विडंबना है और देश की संसदीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। चूंकि स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की कथित किताब के अंश सदन में पढ़ने की अनुमति नहीं दी, लिहाजा विपक्ष उबल रहा है। विरोध और गुस्से में, सदन में ही, पोस्टर-बैनर लहराए जा रहे हैं। यह कानून और संविधान का उल्लंघन है। कुछ नारे भी आपत्तिजनक हैं। संसद में हंगामा हो रहा है। क्या यही 'न्यू नॉर्मल' है? कमोबेश हंगामे के आसार की सूचना गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को दी होगी! गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्ष के नेताओं से भी बातचीत की, लेकिन कोई बर्फ नहीं पिघली। स्पीकर ओम बिरला ने अपने चैंबर में भी पक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक बुलाई थी, लेकिन वहां भी उग्र और उत्तेजित संवाद हुआ, नतीजतन हंगामा जारी रहा। हमने संसदीय कवरेज के अपने अनुभव में देखा है कि जब प्रधानमंत्री बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो विपक्ष का हंगामा खामोश हो जाता है। यह आचार-संहिता भी है, परंपरा भी है और प्रधानमंत्री पद के प्रति सम्मान भी है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी नहीं, एक-दूसरे के 'कट्टर दुश्मन' बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इससे पहले भी विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही अपना भाषण देना पड़ा था।

कुछ अलग

सखी, बजट आ गया...

हे प्राण प्यारी सखी! नैन उधार और देख गरीबों को राहत देने वाला बजट आ गया है तथा उसकी छटा व घटा चारों ओर व्याप्त है। सतरंगी सपने आंखों में सजाने के दिन हैं ये, इसलिए तू आंख बंद करके अपना मनचाहा स्वप्न आज साकार कर ले। ये जो करों का बावेला मच रहा है न, यह तो कोरा शौर है। वास्तविकता तो यह है कि गरीबी मिटाने के लिए कर लगाना परमावश्यक था। है सखी! पहले वसंत आया था और अब बजट आ गया है। वसंत में तू बिना बात ही चहकती फिरी थी और यह बजट देखते ही तुझे आटे-दाल का भाव मालूम हो गया है। तुझे सांप क्यों सूंघ गया है? बजट से क्या घबराना। यह तो वसंत की तरह हर वर्ष आता है और चला जाता है। अपने पतिदेव से कह दो कि वे ऊपर की काली कमाई पर ध्यान दें। यदि वे वेतन पर निर्भर रहेंगे तो यह बजट सबकी चटनी बना देगा, अपने को संभाल और होश में आ। घाटे के बजट में घाटा उपभोक्ता से ही पूरा किया जाता है। यह सरकार हमने ही चुनकर भेजी थी। अतः यह जो भी करेगी, हमारे हित में ही होगा। उनींदी आंखों से मुझे मत देख। जीवन की इस अलबेली बजट ऋतु को निहार। यह नए जीवन का संचार करने आई है। हाथ पर हाथ धरने से पार नहीं पड़ेगी। हो सके तो आलिए तू भी किसी प्राइवेट स्कूल में नौकरी करने लग जा। घर गृहस्थी चलाने के लिए तुझे भी जीवन समर में कूदना ही पड़ेगा। है मृगनयनी आलि! बहुत दिन हो गए तुझे मटरगश्ती करते। सदैव सजना और संवरना, यह बेला बीत गई है। तेरा पति छकड़ा साइकिल लेकर कब तक अकेला तेरा भार ढोएगा। उठ, चल और लग जा लाइन में।

यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन – 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत – 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है। उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है।

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को "मदर आफ ऑल डील्स" कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन – 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत – 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है। उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को

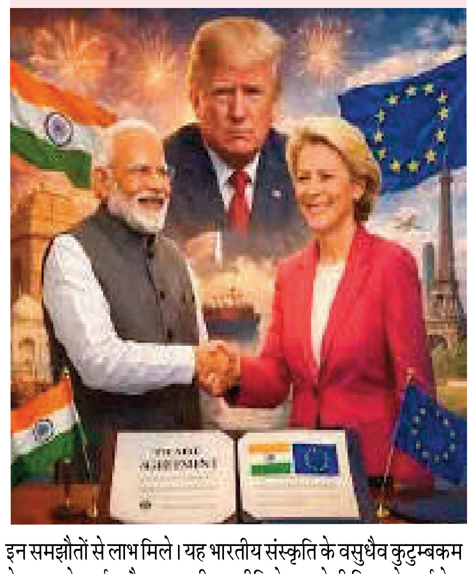

इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा। भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है। यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है।

देश दुनिया से

केंद्रीय बजट : आरोपों-प्रत्यारोपों के साये में आरडीजी

16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के चलते देश के विभिन्न राज्यों को मिलने वाले 'राजस्व घाटा अनुदान' (आरडीजी) को पूरी तरह से समाप्त किए जाने से हिमाचल प्रदेश में हंगामा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसी मद में 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के चलते हिमाचल प्रदेश को केन्द्र सरकार से वर्ष 2021-26 में 37199 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई है और अब इसे बंद करने की संस्तुति को स्वीकार करके केन्द्र सरकार ने क्या राज्यों के संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे को कमजोर करने का प्रयास किया है, या केन्द्र सरकार के इस कदम को राजकोषीय अनुशासन और सुधार-उन्मुख विकास की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जाएगा? इस पर विस्तृत चर्चा करने से पूर्व हमें राजस्व घाटा और राजस्व घाटा अनुदान को समझने की आवश्यकता है। जब सरकार का कुल राजस्व व्यय उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों से अधिक होता है, यानी शुद्ध आय शुद्ध व्यय से कम होती है तो यह कमी राजस्व घाटा कहलाती है। उदाहरण के लिए मान लीजिये प्रदेश सरकार की कुल राजस्व आय 100 रुपए और कुल राजस्व व्यय 105 रुपए है तो पांच रुपए का यह अंतर प्रदेश सरकार का राजस्व घाटा कहलाएगा। इस घाटे से निपटने के लिए सरकार मुख्य रूप से उधार लेने, व्यय में कटौती करने, कर व गैर-कर राजस्व को बढ़ाने के साथ ही निवेश और विनिवेश के माध्यम से धन जुटाने का प्रयास करती है। केंद्रीय करों के राज्य को हस्तांतरण करने के पश्चात भी यह राजस्व घाटा बना रहे तो सविंधान के अनुच्छेद 275 के तहत इस घाटे को पूरा करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को दिए गए अनुदान को राजस्व घाटा अनुदान कहा जाता है। राजस्व घाटा अनुदान केन्द्र सरकार की संवैधानिक प्रतिबद्धता नहीं है और न ही प्रदेश सरकार का अधिकार है, बल्कि एक क्रमिक रूप से कम होने वाला अनुदान था। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार इसे 2025-26 तक खत्म होना ही था। देश के केवल कुछ ही राज्यों को यह अनुदान मिल रहा था और वित्त वर्ष 2025-26 में इसकी कुल राशि घटकर मात्र 13000 करोड़ रुपए रह गई है, जिसमें से हिमाचल प्रदेश को 3257 करोड़ रुपए मिले। इस अनुदान की सबसे बड़ी कमी यह थी कि राजस्व घाटे को कम करने के बजाय राज्य सरकारें अक्सर इस अनुदान का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं या अन्य प्रशासनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर रही थी। वित्त आयोग ने भी पाया कि राज्यों की इस प्रवृत्ति के चलते यह अनुदान राजस्व घाटे को कम करने के बजाय इसे बढ़ा रहा है। हिमाचल के उदाहरण से हम इस बात को भली भांति समझ सकते हैं। हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2021-22 में इस अनुदान के तहत 10249 करोड़ रुपए मिले। उस वित्तीय वर्ष में प्रदेश का राजस्व घाटा 1463 करोड़ रुपए था। वर्ष 2022-23 में राजस्व घाटा अनुदान 9377

15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के चलते हिमाचल प्रदेश को केन्द्र सरकार से वर्ष 2021-26 में 37199 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई है और अब इसे बंद करने की संस्तुति को स्वीकार करके केन्द्र सरकार ने क्या राज्यों के संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे को कमजोर करने का प्रयास किया है, या केन्द्र सरकार के इस कदम को राजकोषीय अनुशासन और सुधार-उन्मुख विकास की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जाएगा? इस पर विस्तृत चर्चा करने से पूर्व हमें राजस्व घाटा और राजस्व घाटा अनुदान को समझने की आवश्यकता है। जब सरकार का कुल राजस्व व्यय उसकी कुल राजस्व प्राप्तियों से अधिक होता है, यानी शुद्ध आय शुद्ध व्यय से कम होती है तो यह कमी राजस्व घाटा कहलाती है। उदाहरण के लिए मान लीजिये प्रदेश सरकार की कुल राजस्व आय 100 रुपए और कुल राजस्व व्यय 105 रुपए है तो पांच रुपए का यह अंतर प्रदेश सरकार का राजस्व घाटा कहलाएगा। इस घाटे से निपटने के लिए सरकार मुख्य रूप से उधार लेने, व्यय में कटौती करने, कर व गैर-कर राजस्व को बढ़ाने के साथ ही निवेश और विनिवेश के माध्यम से धन जुटाने का प्रयास करती है।

करोड़ रुपए था तो प्रदेश का राजस्व घाटा बढ़ कर 6336 करोड़ रुपए हो गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कार्यकाल के पहले वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान राजस्व घाटा अनुदान 8058 करोड़ रुपए मिला तो प्रदेश का राजस्व घाटा 4704 करोड़ रुपए था। वर्ष 2024-25 में राजस्व घाटा अनुदान 6258 करोड़ रुपए था, तो राजस्व घाटा 4513 करोड़ रुपए रहा। इस वित्तीय वर्ष में इस अनुदान के तहत 3257 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई तो राजस्व घाटा 6390 करोड़ रुपए है। इससे हम भली-भांति समझ सकते हैं कि हिमाचल प्रदेश ने भी कभी इस अनुदान के उद्देश्य को पूरा करने की कोशिश ही नहीं की। आगामी पांच वर्षों के लिए राजस्व घाटा अनुदान न मिलना हिमाचल के लिए निश्चित रूप से एक विकट स्थिति है, परन्तु ऐसा नही है कि इस अनुदान के न मिलने से प्रदेश का विकास अवरुद्ध हो जाएगा। इस वित्तीय वर्ष में ही केन्द्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में हिमाचल को गत वर्ष की तुलना में 2388 करोड़ रुपए अधिक मिलेंगे और अन्य अनुदानों को भी शामिल कर लिया जाए तो प्रदेश इस वर्ष राजस्व घाटे से आसानी से उबर जाएगा। वित्त आयोग की अन्य संस्तुतियों में ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों के विकास के लिए 1651 करोड़ रुपए अधिक, अर्थात 4179 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और आपदा प्रबंधन के लिए एसडीआरएफ व एसडीएमएफ के तहत 2980 करोड़ रुपए मिलेंगे जो पूर्व से 293 करोड़ रुपए अधिक हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो केन्द्र से हिमाचल को होने वाले हस्तांतरण गत वर्ष की तुलना में अधिक ही रहेंगे। वर्ष 2010 में भी हिमाचल प्रदेश को लगभग ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था, जब 13वें वित्त आयोग (2010-2015) द्वारा देश के अन्य राज्यों को केंद्रीय कर व सहायता अनुदानों में 126 प्रतिशत वृद्धि दी गई थी, वहीं हिमाचल प्रदेश को मात्र 50 फीसदी वृद्धि मिली और साथ में हिमाचल प्रदेश के कर्ज लेने की लिमिट को भी कम कर दिया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने इन विपरीत परिस्थितियों को एक चुनौती की तरह लिया और कड़े वित्तीय अनुशासन को अपनाते हुए वर्ष 2011-12 के लिए 645 करोड़ के राजस्व लाभ का बजट प्रस्तुत करके प्रदेश के वित्तीय इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए भी यह कड़ी परीक्षा का दौर है। देखना यह है कि वह अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा पाते हैं या फिर परिस्थितियों के सामने घुटने टेक देते हैं?

आप का नज़रिया

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल, सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है। ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती। वास्तव में अवैध खनन पर सिर्फ जुर्माना लगाने के बजाय प्रतिबंधित क्षेत्रों का सख्त सीमांकन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी तथा अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है।

प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है।

दृष्टि कोण

मणिपुर में नई सरकार

मणिपुर में 2023 से उथल-पुथल मची हुई थी। वहां के मैतेयी समाज और खादौ समाज के बीच मामला इतना बढ़ गया था कि इस झगड़े में दोनों पक्षों के दो सौ से भी ज्यादा लोगों की जान चली गई। इतना ही नहीं, दोनों पक्षों के अपने-अपने क्षेत्रों में एक-दूसरे का प्रवेश करना मुश्किल हो गया। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह हालत को संभालने में असफल हुए या असफल होना चाहते थे, इसको लेकर विवाद शुरू हो गया, जो अब मणिपुर के इतिहास में दशकों तक चलता रहेगा। तब केन्द्र सरकार ने दलीय राजनीति से ऊपर उठ कर अपनी ही पार्टी की सरकार को चलता कर दिया और प्रदेश में राष्ट्रपति राज लागू कर दिया। इसके बाद अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने मैतेयी समाज और खादौ समाज के बीच उत्पन्न गलतफहमियों को दूर करने के प्रयास शुरू किए। ध्यान रखना चाहिए जब मैं यहां खादौ समाज की बात कर रहा हूं तो उसके साथ मणिपुर के कुछ दूसरे छोटे समाज भी इस विवाद में जुड़े हुए थे। उसमें पाएते, गोएते इत्यादि लगभग दस-बारह समाज एकजुट थे। खादौ उनमें से सबसे बड़ा समाज है। इन सभी को खादौ भी कहा जा, लिखा जा सकता है। सामाजिक समरसता के इन प्रयासों में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष युमनाम खेमचंद सिंह स्व-प्रेरणा से ही सक्रिय थे और पहाड़ में जाकर खादौ समाज से मिलते रहते थे। अविश्वास के उन दिनों में शायद खेमचंद सिंह ही ऐसे इनसान थे जिन पर सभी समुदायों के लोग विश्वास करते थे। मणिपुर में आज किसी ऐसे नेतृत्व की ही जरूरत थी जिस पर पहाड़ में रहने वाले और घाटी में रहने वाले सभी समुदाय विश्वास करते हों। खेमचंद सिंह ही इस प्रकार का नेतृत्व प्रदान कर सकते थे। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर की कमान उनके हाथों में देने का निर्णय किया और चार फरवरी को वे मणिपुर के नए मुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री भी नियुक्त हुए हैं। उनमें से एक खादौ समाज से हैं और दूसरे नागा समाज से हैं। खेमचंद सिंह ने अपने पहले ही वक्तव्य में कहा कि मणिपुर छत्तीस

बिरादरियों (समुदायों) का प्रदेश है। सभी को मिलजुल कर एकात्म भाव से रहना है। इस मामले में मणिपुर हरियाणा से मिलता है। हरियाणा भी छत्तीस बिरादरियों का प्रदेश कहलाता है। उनमें कई बार विवाद भी होता है। इसलिए जब मनोहर लाल खट्टर हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे तो उन्होंने नारा दिया था, 'हरियाणा एक हरियाणवी एक'। खेमचंद सिंह का बयान भी इससे मिलता जुलता है। लेकिन मणिपुर की इन छत्तीस बिरादरियों में हरियाणा की छत्तीस बिरादरियों से एक अंतर है। मणिपुर की एक बिरादरी घाटी में रहती है और बाकी पैंतीस बिरादरियां पहाड़ पर रहती हैं। भेद को आधार बना कर राजनीति करने वाले लोग पहाड़ और घाटी में रहने वालों को लड़ा कर अपनी रोटियां सेंकते रहते हैं। कांग्रेस दशकों से वहां यही करती रही। लेकिन यह मणिपुर का सौभाग्य कहना चाहिए कि खेमचंद सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से नहीं की। उनकी राजनीति का आधार कहीं न कहीं सामाजिक समरसता में से निकला है। वे जाने-माने स्पोर्ट्समैन हैं। उनकी विचारधारा के आधार एकात्म मानवदर्शन में खोजने होंगे। यही कारण है कि बहुत से समाचारपत्रों ने लिखा कि खेमचंद सिंह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिकी में ही खोजना पड़ेगा। इसे भी संयोग ही कहा जा सकता है कि खेमचंद सिंह चार फरवरी को मुख्यमंत्री बने और फरवरी में ही मणिपुर के मधुमंगल शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन और सामाजिक समरसता का प्रदेश की छत्तीस बिरादरियों में प्रसार करते हुए अपने प्राण अर्पित कर दिए थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सह-कर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आप-को अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 फरवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 02:57 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 02:29 तक
योग : शूल रात्रि 11:39 तक
करण : गर दोपहर 02:04 तक
चन्द्रराशि : कन्या दोपहर 01:22 तक
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 02:55 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गत सरकार के पांच साल से अधिक काम हुए हमारे दो साल में : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। हमारी सरकार गांवों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में लगाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी लें और उनका भरपूर लाभ उठाएं। शर्मा शुक्रवार को लाडनूं में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का किसान, गरीब, पशुपालक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत की है जिससे ग्रामीणों को घर के नजदीक ही राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ग्रामीण भारत को सशक्त करने के लिए विकसित भारत जी राम जी कानून लेकर आई है। इस कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में साल में 125 दिन का पक्का रोजगार मिलेगा। हर काम डिजिटल तरीके से रिकॉर्ड होगा। इससे पूरी पारदर्शिता व तकनीक के सहारे काम होगा और मजदूरी सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत गांव में स्थायी संपत्ति बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए है। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सोइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में 30 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन, 5 लाख 10 हजार पशुधन का इलाज तथा 77 हजार से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया है। साथ ही, पीएम सूर्य घर योजना के तहत करीब 29 हजार पंजीकरण हुए है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में किसानों को तारबंदी, डिग्गी, पाइप लाइन, सोलर पंप, फव्वारा सिंचाई जैसी योजनाओं की स्वीकृति से लेकर प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आवंटन सहित विभिन्न कार्य करवाए जा रहे है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के दो साल के काम गत सरकार के पूरे पांच साल की तुलना में कई गुना ज्यादा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने नहरी तंत्र से 99 हजार 562 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा सृजित की। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल के प्रथम दो वर्ष में 17 हजार 448 हैक्टेयर तथा पूरे पांच साल में केवल 52 हजार 182 हैक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधा दी। इसी तरह, हमने 344 लाख मीटर खेतों पर तारबंदी की तथा पूर्ववर्ती सरकार ने शुरूआती दो साल में 8 लाख मीटर तथा पूरे पांच साल में 113 लाख मीटर तारबंदी ही की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दो वर्षों में 3 हजार 433 करोड़ रुपये गौशालाओं को सहायता राशि की तुलना में गत सरकार ने दो साल में 934 करोड़ तथा पूरे पांच साल में 3 हजार 117 करोड़ रुपये की राशि गौशालाओं को दी। शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हमारी सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और सशक्तिकरण कई ठोस कदम उठाए हैं। प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राशि में बढ़ोतरी, गेहूं पर 150 रुपये का बोनस, किसानों को 50 हजार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण, 2 लाख 3 हजार हेक्टेयर में ड्रिप और फव्वारा संयंत्र, डिग्गी और फार्म पॉन्ड बनाने तथा 17 लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण जैसे अनेक कार्य किए गए है जिससे किसान सशक्त हो सकेंगे।

देशभर के धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक इमारतों में लगा है राजस्थान का पत्थर : दिया कुमारी

जयपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के तहत आयोजित आर्किटेक्चर फेस्टिवल का शुभारंभ किया। सीतापुरा के जेईसीसी में आयोजित इस कार्यक्रम में 12वें ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चर अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं को सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन से राजस्थान की स्थापत्य विरासत, पत्थर उद्योग और शिल्प परंपरा को वैश्विक पहचान मिलेगी। राजस्थान का पत्थर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। राम मंदिर, अक्षरधाम मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों और प्रतिष्ठित होटलों के साथ ही ऐतिहासिक इमारतों में राजस्थान का पत्थर लगा है। यह प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव की बात है कि यहां की माटी और पत्थर का योगदान पूरी दुनिया में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट का आयोजन हैंडीक्राफ्ट, हस्तशिल्प और मार्बल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए एक बड़ा अवसर है। इससे प्रदेश के छोटे-छोटे कारीगरों और हैंडीक्राफ्ट से जुड़े शिल्पकारों को एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिला है। इससे उन्हें न केवल सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि निर्यात के भी अवसर बढ़ेंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास भी और विरासत भी के मंत्र को ध्यान में रखते हुए पुरानी ऐतिहासिक इमारतों में मौजूद स्थापत्य और डिजाइन को नई इमारतों में अपनाया जाना चाहिए। जयपुर का विश्व वास्तुकला में एक विशेष स्थान है। जयपुर अपने आर्किटेक्चर के लिए विश्व प्रसिद्ध है, यह दुनिया की पहली प्लान्ड सिटी है। इस दौरान लघु उद्योग भारती, सीडोस के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आर्किटेक्ट मौजूद थे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए

जयपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। युवा मामले एवं खेल, उद्योग एवं सैनिक कल्याण मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए, जो अभी हाल में ही 26 जनवरी के रिपब्लिक डे परेड में भाग लेकर आए थे। उन्होंने इन कैडेट्स से उनके प्रशिक्षण शिविर से लेकर परेड तक के अनुभव के बारे में जानकारी हासिल की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। राजस्थान से कुल 184 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया था, जिसमें नमन चौधरी बेस्ट एनसीसी कैडेट रहे। वही मोनिका ने एडवेंचर में भाग लेते हुए एवरेस्ट पर गई। रिपब्लिक डे परेड में पूरे देश की एनएसएस की टीम को जयपुर की एमिटी यूनिवर्सिटी की चारू सिंह ने लीड किया। प्रदेश से एनएसएस की ओर से 10 बच्चो ने भाग लिया था। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार तथा अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने बताया कि दिल्ली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान आयोजित विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री महोदय के सामने विकसित भारत की प्रस्तुतिकरण के प्रदेश के दो बच्चे प्राची और दीपक शर्मा का चयन हुआ था, इन दोनों ने माननीय प्रधानमंत्री महोदय के सामने विकसित भारत पर अपने विचार रखे।

विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री ने युवाओं को देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण युवाओं के हाथ में है और हमें मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करना है। यूथ ही 2047 में विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

शुक्रवार को मुख्य सचिव ने प्रदेश की प्राची और दीपक शर्मा से वीडियो कॉल पर बात की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से सचिव, युवा मामले, भारत सरकार पल्लवी जैन ने मुलाकात की और बताया कि राजस्थान में यूथ पर सबसे अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यो को राजस्थान से प्रेरणा लेनी चाहिये।

हरियाणा के युवाओं से एचपीएससी ने फिर धोखा किया: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 06 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचप-ीएससी) की भर्ती प्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वर्ष 2019 में निकली स्नातकोत्तर शिक्षक (कंप्यूटर साइंस) के 1711 पदों की भर्ती का परिणाम 2026 में आना और उसमें भी सिर्फ 39 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के युवाओं के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आठ वर्षों तक हज़ारों युवाओं को उम्मीद में बाँधे रखना और अंत में उन्हें अयोग्य घोषित कर देना, उनकी मेहनत, आत्मसम्मान और भविष्य, तीनों पर सीधा हमला है। इस दौरान भर्ती के नियम बार-बार बदले गए, मानदंडों में फेरबदल किया गया और परीक्षा पद्धति में लगातार बदलाव किए गए, जिससे अभ्यर्थी भ्रम में रहे। इसी बीच सैकड़ों युवा आयु सीमा पार कर चुके हैं। उन्होंने सवाल किया इस नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि हाल में घोषित असिस्टेंट प्रोफेसर की मुख्य परीक्षा के नतीजे भी भर्ती व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करते हैं। सामान्य वर्ग में केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि नियमों के अनुसार 2020 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना चाहिए था। आरक्षित वर्ग के साथ तो और भी बड़ा अन्याय हुआ जहाँ 1016 के स्थान पर मात्र 166 अभ्यर्थियों को ही पास किया गया। जिन अभ्यर्थियों को एसकेटी परीक्षा में पास किया गया उनमें से 80 प्रतिशत से भी अधिक अभ्यर्थी बाहर के यानी हरियाणा से दूसरे राज्यों के हैं। कई सब्जेक्ट में तो हरियाणा के मात्र 8 प्रतिशत छात्र ही पास किए गए हैं। यह हरियाणा के युवाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। अंग्रेज़ी विषय में स्थिति अत्यंत चौंकाने वाली है। आरक्षित वर्ग के लिए 301 पद थे, लेकिन केवल 16 अभ्यर्थियों को पास किया गया और 285 पद खाली छोड़ दिए गए। अनुसूचित जाति की ओएससी व डीएससी श्रेणियों के लिए 120 पदों में से केवल 3 अभ्यर्थी पास हुए। कुल 613 अंग्रेज़ी पदों के विरुद्ध मात्र 151 अभ्यर्थी ही योग्य घोषित किए गए। सामान्य वर्ग में भी 502 पदों के सामने केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि 1004 अभ्यर्थियों को बुलाया जाना चाहिए था।

कुमारी सैलजा ने कहा कि एएमओ और पीजीटी की भर्तियों में भी 35 प्रतिशत की कठोर सीमा लगाकर हजारों अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से बाहर कर दिया गया, जिससे अधिकांश पद खाली रह गए।

जेजेपी में चुनाव प्रकोष्ठ का होगा गठन, बीएलए को सौंपेंगे हलका और बूथ की कमान : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 06 फरवरी (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी बूथ स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। जेजेपी प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट के अलावा एक-एक महिला और युवा की मजबूत टीम खड़ी करेगी।

ये बात जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कही। वे शुक्रवार को पानीपत में जेजेपी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बीएलए प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। डॉ चौटाला ने जेजेपी के नवनियुक्त बीएलए-1 को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि मजबूत संगठन से ही सरकार बनती है। साथ ही उन्होंने कहा कि जेजेपी के निरंतर कार्यक्रम जारी है और पार्टी से पुराने और नए साथियों को जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। इस दौरान जेजेपी ने संगठन विस्तार व आगामी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पार्टी पदाधिकारियों को 13 मार्च तक प्रदेशभर में बीएलए-2 की नियुक्तियों का टारगेट दिया। उन्होंने कहा कि जेजेपी सभी 23 जिलों को छह जोन में विभाजित करके बीएलए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगी और इसके लिए जल्द जिला प्रभारियों की नियुक्तियां कर दी जाएगी। दुष्यंत चौटाला ने एक अहम घोषणा करते हुए कहा कि जेजेपी अलग से चुनाव प्रकोष्ठ का गठन करेगी, जिसमें बीएलए-1 को हलका प्रभारी और बीएलए-2 को बूथ प्रभारी बनाया जाएगा। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि एसआईआर के दौरान जेजेपी का बूथ एजेंट एक-एक वोट पर निगरानी रखेगा। वहीं उन्होंने हलका स्तर पर संगठन निर्माण के कार्य को गति देने बारे पदाधिकारियों को कहा।

भूपेंद्र हुड्डा की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक

चंडीगढ़, 06 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा के आने वाले बजट सत्र में कांग्रेस पेंशन कटौती, अन्य राज्यों के लोगों को नौकरी देने, किसानों का मुआवजा, अरावली, वोट चोरी, मनरेगा, अवैध खनन, अमेरिका से ट्रेड डील समेत दर्जनभर से ज्यादा मुद्दों को लेकर सरकार से जवाब मांगेगी। कांग्रेस ने इन विभिन्न मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव और काम रोको प्रस्ताव देगी। बजट सत्र पर चर्चा के लिए आज दिल्ली के हरियाणा भवन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में बजट सत्र के मुद्दों और पार्टी की रणनीति पर विस्तार से ब्रीफिंग की गई। विधायकों ने भी अपने-अपने सुझाव पेश किए। इस मौके पर हुड्डा ने कहा कि जनता ने कांग्रेस को विपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे पार्टी बखूबी निभाएगी। आज हरियाणा के पास कांग्रेस के रूप में एक मजबूत विपक्ष है, जो जनता के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाएगा। उन्होंने बताया कि 19 तारीख को चंडीगढ़ एकबार फि विधायक दल की मीटिंग होगी।

परीक्षा के लिए की गई मेहनत, प्रयास व सोच ही परीक्षार्थी की असली पहचान: सैनी

कैथल, 06 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय द्वारा आरकेएसडी कॉलेज कैथल के सभागार में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एग्जाम वॉरियर्स विशेष एपिसोड के लाइव प्रसारण को देखा। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को परीक्षा का दबाव न लेने का आह्वान करते हुए कहा कि परीक्षा आपकी पहचान नहीं बल्कि परीक्षा के लिए किए गए आपके प्रयास, मेहनत व सोच ही आपकी असली पहचान है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सबने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना। प्रधानमंत्री ने परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के मन में उठने वाले डर और तनाव को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष बच्चों की परीक्षाओं से पहले उनसे जुड़कर चर्चा करते हैं। आज भी उन्होंने परीक्षा के अलावा विकसित भारत, स्वच्छता एवं कर्तव्य पालन को लेकर विद्यार्थियों से बातचीत की और इन सभी विषयों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा है कि आज जो बच्चे हैं, वे विकसित भारत के मजबूत स्तंभ होंगे। इसलिए हम सभी को देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से अधिक मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि वे स्वच्छता जैसे अभियानों में बढ़चढ़ कर भाग लें।

इंदिरम्मा आवास योजना में प्रगति लाने के निर्देश

जिला कलेक्टर के. हरिता ने की समीक्षा बैठक

आसिफाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि गरीबों को आश्रय देने के इरादे से सरकार द्वारा शुरू की गई इन्दिरम्मा आवास योजना में आवासों के निर्माण में प्रगति लाई जाए। शुक्रवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, आवास विभाग के परियोजना निदेशक प्रकाश राव ने इंदिरम्मा घरों की प्रगति पर मंडल परिषद विकास अधिकारियों, आवास विभाग के अधिकारियों और पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की।

निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि इंदिरम्मा हाउस योजना के तहत घरों के निर्माण में तेजी लाई जानी चाहिए। प्रथम चरण में 9 हजार 57 इन्दिरम्मा आवास स्वीकृत किये गये थे, अब तक 7 हजार 757 आवासों का निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में है तथा शेष 1 हजार 300 आवासों का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है।

पायलट गांवों में कार्रवाई के आदेश

उन्होंने कहा कि पायलट गांवों में आवास स्वीकृत हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है, जिन आवासों का कार्य 31 मार्च तक शुरू नहीं हुआ है, उन्हें निरस्त किया जाए। विभिन्न चरणों में चल रहे कार्यों में तेजी लाई जाए और मार्च में उद्घाटन समारोह की तैयारी की जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार इंदिरम्मा घरों के निर्माण के लिए मुफ्त रेत उपलब्ध कराएगी और अधिकारियों को रेत का अच्छा उपयोग करने के लिए लाभार्थियों की निगरानी करनी चाहिए। काम अभी शुरू नहीं हुआ है लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इंदिरम्मा घरों के लाभार्थियों से बात करनी चाहिए और इसे जल्द शुरू करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

समस्याओं का समाधान

उन्होंने कहा कि आधार की कमी, तकनीकी समस्या या वन संबंधी समस्या हो तो संज्ञान में लाएं और हर सप्ताह लाभुकों के बैंक खाते में बिल जमा किया जाएगा। मंडल परिषद विकास अधिकारियों और पंचायत सचिवों को सलाह दी जाती है कि वे अपने मंडल के भीतर होने वाले विकास कार्यों की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि आगामी गर्मियों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाए, हैंडपंपों, बोरवेलों और पाइप लाइनों की आवश्यक मरम्मत की जाए।मिशन भगीरथ इंजीनियरिंग अधिकारियों, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया का बेंगलुरु आगमन पर भव्य स्वागत

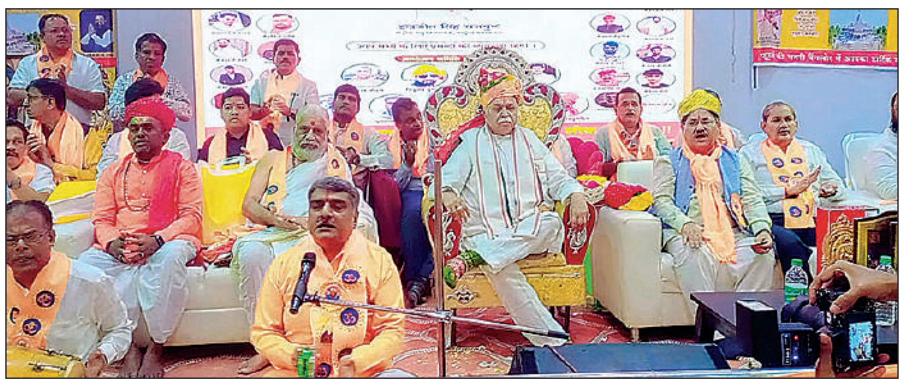

बेंगलुरु/आसिफाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रख्यात हिन्दू चिंतक डॉ. प्रवीण तोगड़िया का बेंगलुरु आगमन पर हिन्दू समाज एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ऐतिहासिक, भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुष्पमालाएँ पहनाकर, ढोल-नगाड़ों के साथ जय श्रीराम एवं भारत माता की जय के गगनभेदी नारों से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। एयरपोर्ट से डॉ. तोगड़िया का काफिला खेतेश्वर भवन, बल्लेपेठ पहुँचा, जहाँ धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बेंगलुरु शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे। हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान जी शक्ति, भक्ति और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं। डॉ. तोगड़िया ने कहा कि प्रत्येक हिन्दू को अपने जीवन में मंगलवार और शनिवार को नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए। इससे आत्मबल बढ़ता है और समाज व राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध सुदृढ़ होता है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में हिन्दू समाज को एकजुट रहने की आवश्यकता है। धार्मिक आस्था, संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

डॉ. तोगड़िया ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सनातन मूल्यों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र सेवा में अग्रसर हों। कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा। हनुमान चालीसा पाठ के समय श्रद्धालुओं की भक्ति एवं अनुशासन देखते ही बनता था। अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। उपस्थित जनसमूह ने जय बजरंगबली एवं जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री इंद्रजीत सिंह राजगुरु, अखिल हिन्दू परिषद कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष सौदयर राजन, राष्ट्रीय बजरंग दल प्रांत अध्यक्ष आनंदकुमार, प्रांत मंत्री शम्भूनाथ, राकेश देश-रला, मदनलाल वैष्णव, जालम सिंह, पुनाराम चौधरी, दलपत सिंह भायल, तेजा राम चौधरी, कालू सिंह बिका, किशन चौधरी, प्रकाश चौधरी, भरत चौधरी, अशोक कोली, योगेश चौधरी, माला राम देवासी, कमलेश राणा, इंद्रा देवी, डॉ. नीतू राठौड़ सहित अनेक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का दौरा

आसिफाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिलाधिकारी के. हरिता ने कहा कि महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का लाभ उठाना चाहिए। शुक्रवार को कलेक्टर हरिता ने जिला मुख्यालय के जनकपुर स्थित मंडल समाख्या भवन में ग्रामीण विकास संगठन के तत्वावधान में निःशुल्क सिलाई मशीन प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

प्रशिक्षण केंद्र में ग्राम्य विकास संस्थान के परियोजना निदेशक से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से जिले के आसिफाबाद, जैनूर, सिरपुर, कागजनगर और वानकिडी में आईसीडीएस परियोजना के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को 24,765 जोड़ी वर्दी कपड़े सिलकर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण जोड़ी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समिति की महिलाएं इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से वर्दी के कपड़े सिलकर आर्थिक रूप से मजबूत हो सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से इस प्रशिक्षण केंद्र का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया।

ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी दत्ताराव, कर्मचारी और स्वयं सहायता समितियों की महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

हरिता ने की इंटर वार्षिक परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

आसिफाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिलाधिकारी के. हरिता ने कहा कि इंटर के प्रश्न एवं उत्तर पुस्तिकाएं स्ट्रांग रूम में रखें। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि चूंकि इंटर वार्षिक परीक्षा 25 से 31 मार्च तक आयोजित है, इसलिए बंदोबस्त पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के साथ स्ट्रांग रूम में कराएं।जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में इंटर वार्षिक परीक्षा के लिए 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और 9,716 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी रामदास को इस प्रयोजन के लिए व्यवस्था करने का आदेश दिया गया था। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बेल्लमपल्ली नगर पालिका चुनाव में भाजपा का जोरदार प्रचार

बेल्लमपल्ली, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल भाजपा जिला अध्यक्ष नगनूरी व्यंकटेश गौड एवं पूर्व विधायक श्रीदेवी ने स्थानीय 18वें वार्ड के उम्मीदवार स्वप्न चक्रवर्ती के कमल निशान पर मतदान देकर उन्हें बेल्लमपल्ली नगर पालिका में पार्षद बनाने के लिए मतदाताओं से अपील की।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि यदि भाजपा प्रत्याशी विजयी होते हैं, तो वे यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य करेंगे कि केंद्र सरकार से पर्याप्त धनराशि प्राप्त हो, जिससे शहरी विकास आसानी से हो सके।

इसी क्रम में, चुनाव पर्यवेक्षक ओदेलू ने रैली में हिस्सा लिया और अपने भाषण से कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा प्रत्याशी विजयी होते हैं, तो वे विकास का सही मतलब दिखाएंगे और शहरी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए कार्य करेंगे।

भाजपा जिला सचिव संतोष, शहरी अध्यक्ष दारा कल्याणी, नाइक, डूडी प्रकाश एवं वार्ड कार्यकर्ताओं ने प्रचार अभियान में हिस्सा लिया।

कर्नाटक में रेलवे परीक्षा कन्नड़ भाषा में कराने की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटक विद्यावर्धक संघ के अध्यक्ष चंद्रकांत बेल्लड़ एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेन्द्र सिंघी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन के वरिष्ठ अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में रेलवे पदों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षाओं को क्षेत्रीय भाषाओं में, विशेषकर कन्नड़ भाषा में आयोजित करने की अनुमति देने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कर्नाटक राज्य में कन्नड़ प्रमुख एवं आधिकारिक भाषा है तथा क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के स्पष्ट आदेश केंद्र सरकार, रेल मंत्रियों एवं सांसदों द्वारा पहले ही दिए जा चुके हैं।

इसके बावजूद पर्दे के पीछे कन्नड़ विरोधी नीति अपनाया जाना अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह गर्व की बात है कि दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन का मुख्यालय कर्नाटक के हुबली में स्थित है, लेकिन इसके बावजूद कन्नड़ भाषा के साथ भेदभाव किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। रेलवे परीक्षाओं में कन्नड़ भाषा को शामिल न करना कर्नाटक की सांस्कृतिक और भाषाई अस्मिता का अपमान है। कर्नाटक विद्यावर्धक संघ ने दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन की कथित कन्नड़ विरोधी नीति का कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए मांग की कि रेलवे की सभी परीक्षाएं तुरंत कन्नड़ भाषा में भी आयोजित की जाएँ।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षाओं में अंग्रेज़ी के स्थान पर केवल हिंदी में उत्तर लिखने का आदेश जारी किया गया है, जबकि कन्नड़ भाषा के विकल्प को बार-बार हटाया जा रहा है। उन्होंने कन्नड़ भाषा से संबंधित अतिरिक्त अंश को हटाने के आदेश को तत्काल वापस लेने और संशोधित आदेश पुनः जारी करने की मांग की।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में कर्नाटक विद्यावर्धक संघ के महासचिव शंकर हलगट्टी, कार्यकारी अध्यक्ष बसवप्रभु होसाकेरी, संयुक्त सचिव शंकर कुंबी, कार्यकारी समिति के सदस्य शिवानंद भाविकत्ती, वीरन्ना ओडिना, डॉ. जिनदत्त ए. हदगली उपस्थित थे।

रिश्वतखोरी का भंडाफोड़, सीबीआई ने दो इंजीनियरों को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस), खड़की, पुणे में तैनात असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर को शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने और लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर सुनील निकम और जूनियर इंजीनियर सुरेश म्हस्के के रूप में हुई है। सीबीआई ने 3 फरवरी को दर्ज शिकायत के आधार पर दोनों अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आबकारी उड़नदस्ता ने ई-सिगरेट और फ्लेवर लिक्विड किया जब्त, दो दुकान संचालक गिरफ्तार शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दोनों अधिकारी 6 लाख रुपए की रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता के पास एक निजी कंपनी के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी है, जो एमईएस का एक कॉन्ट्रैक्ट कार्य कर रही है। कार्य पूरा होने और कंप्लीशन सर्टिफिकेट जमा करने के बावजूद भुगतान रोक दिया गया था और रिश्वत देने का दबाव बनाया जा रहा था। सीबीआई के अनुसार, बातचीत के बाद आरोपी अधिकारियों ने रिश्वत की राशि घटाकर 2 लाख रुपए लेने पर सहमति जताई, जिसे पहली किस्त के रूप में लिया जाना था। इसके बाद सीबीआई ने 5 फरवरी को जाल बिछाया और जूनियर इंजीनियर को शिकायतकर्ता से 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। रिश्वत की रकम उसके कार्यालय से बरामद की गई। इस मामले की साजिश में भूमिका पाए जाने पर असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर को भी गिरफ्तार किया गया। गुढ़ियारी में सट्टा खिलाने वाले 2 सट्टेबाज गिरफ्तार सीबीआई ने आरोपियों के आवासीय और कार्यालय परिसरों पर तलाशी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ-साथ 1,88,500 रुपए की

बिना हिसाब की नकदी भी बरामद की है। जांच एजेंसी ने बताया कि इस मामले की जांच अभी जारी है। वहीं, इससे पहले, सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक गंभीर मामले में एक रिटायर्ड सुपरिंटेंडेंट और दो इंस्पेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला 3 फरवरी को गुवाहाटी के एडिशनल कमिश्नर, सीजीएसटी की शिकायत पर दर्ज किया गया। सूने घर में चोरी, परिवार के रायपुर जाने के दौरान चोरों ने 3.25 लाख रुपए और जेवरात उड़ा लिए आरोप है कि ये अधिकारी मिजोरम के चम्फाई में कस्टम प्रिवेंटिव फोर्स (सीपीएफ) में तैनात रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग कर रहे थे। 2022-2023 के दौरान उन्होंने बिना किसी दस्तावेज या कानूनी प्रक्रिया के सुपारी, सिगरेट जैसे तस्करी का सामान जब्त किया और संबंधित लोगों से अवैध रिश्वत मांगी। अलग-अलग मामलों में कुल 35 लाख रुपए से ज्यादा की रिश्वत लेने के बाद जब्त सामान छोड़ दिया गया।

नकली नोट सिंडिकेट का मामला: एनआईए ने मोहम्मद फसी उद्दीन के खिलाफ चार्जशीट दायर की

नयी दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर नकली करेंसी तस्करी का अंतरराष्ट्रीय गिरोह पकड़ाया जनता से रिश्ता की खबर का असर, हमारी खबर सच निकली जनता से रिश्ता ने विगत एक माह पहले किया था नकली नोटों के कारोबार का बड़ा खुलासा जनता से रिश्ता की खबर के बाद उज्जैन नकली नोट गिरोह पर छाया सख्त शिकंजा जनता से रिश्ता ने उजागर किया नकली नोट का खेल, देशभर में जांच तेज जनता से रिश्ता की रिपोर्ट के बाद IB और पुलिस जुटी नकली नोट गिरोह की तहकीकात में जनता से रिश्ता की खबर ने देशभर में नकली नोट की परतें खोल दीं जनता से रिश्ता की रिपोर्ट के बाद व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम नकली नोट गिरोह पर नजर आबकारी उड़नदस्ता ने ई-सिगरेट और फ्लेवर लिक्विड किया जब्त, दो दुकान संचालक गिरफ्तार जनता से रिश्ता की खबर ने उज्जैन और देश के नकली नोट कारोबारियों को हिलाया जनता से रिश्ता ने देश को सच दिखाया, नकली नोट गिरोह की जांच जारी हैदराबाद : 500 रुपये के नकली नोटों के 10 बंडलों के साथ तीन लोग गिरफ्तार दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उच्च गुणवत्ता वाले नकली भारतीय करेंसी नोट (एफआईसीएन) की जब्ती से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय मामले में एक और आरोपी के खिलाफ पूरक चार्जशीट दायर की है। यह मामला पाकिस्तान और नेपाल से जुड़े एक बड़े सिंडिकेट से संबंधित है, जो भारत की आर्थिक स्थिरता को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहा था।

शादी के नाम पर एक युवती से धोखाधड़ी और बलात्कार

आसिफाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद पुलिस के तहत एक युवती से शादी करने के बहाने यौन उत्पीड़न करने के मामले में अदालत ने आरोपी को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। स्टेशन. जिला एसपी नितिका पंत आईपीएस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आसिफाबाद जिला और सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश ने जांच पूरी कर ली है और इस मामले में फैसला सुनाया है। बाद में उसने दूसरी लड़की से शादी कर ली. उन्होंने कहा कि इन आरोपों पर बोम्मना प्रशांत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. एसपी ने बताया कि इस मामले में प्रशांत को दोषी पाया गया और 10 साल सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी गयी. एसपी ने कहा कि अशोक ने मामले को प्रभावी ढंग से चलाया और लोक अभियोजक जगनमोहन राव ने अदालत में सरकारी आरोप की ओर से दलीलें सुनीं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में वर्तमान एएसपी चितरंजन, आसिफाबाद सीआई बालाजी वारा प्रसाद और कोर्ट लाइजनिंग ऑफिसर एएसआई रामसिंह की निगरानी में काम किया गया।

कोपा डेल रे : लुकमैन ने डेब्यू पर किया गोल, एटलेटिको मैड्रिड सेमीफाइनल में

मैड्रिड, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

नाइजीरिया के फारवर्ड अडेमोला लुकमैन ने एटलेटिको मैड्रिड के लिए डेब्यू मैच में ही गोल दागते हुए टीम को बड़ी जीत दिलाई। एटलेटिको ने गुरुवार को खेले गए कोपा डेल रे क्वार्टरफाइनल में रियल बेटिस को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

डिएगो सिमियोने की टीम के लिए डेविड हान्को, जुलियानो सिमियोने, अडेमोला लुकमैन, एंटोनी ग्रिज़मैन और थियागो अल्मादा ने एक-एक गोल किया। एटलेटिको लगातार तीसरे सीजन कोपा डेल रे के अंतिम चार में पहुंची है।

एटलेटिको 2012-13 के बाद पहली बार कोपा डेल रे का खिताब जीतने की कोशिश करेगा। सेमीफाइनल का ड्रा शुक्रवार को होगा, जिसमें बार्सिलोना, एथलेटिक बिलबाओ और रियल सोसिएदाद भी शामिल हैं।

मैच में एटलेटिको की शानदार शुरुआत रही। 12वें मिनट में हान्को ने स्कोरिंग का आगाज़ किया। इसके बाद 30वें मिनट में जुलियानो सिमियोने ने बढ़त दोगुनी कर दी। 37वें मिनट में तेज काउंटर अटैक पर लुकमैन ने डेब्यू पर अपना पहला गोल दागा।

लुकमैन ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। मुझे यहां सभी ने बहुत अच्छे से अपनाया, जिससे मुझे जल्दी सेट होने में मदद मिली।

दूसरे हाफ में 62वें मिनट में ग्रिज़मैन ने लुकमैन के असिस्ट पर चौथा गोल किया, जबकि 83वें मिनट में अल्मादा ने पांचवां गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

कोच डिएगो सिमियोने ने कहा,

लुकमैन हमें मजबूत बनाने आए हैं। उनमें अलग तरह की खूबियां हैं, जो टीम को और बेहतर बनाएंगी। लुकमैन ने विंटर ट्रांसफर विंडो के अंत में अटलांटा से एटलेटिको जाइन किया था। 28 वर्षीय फारवर्ड ने अटलांटा में खराब व्यवहार और अधूरे वादों का हवाला देते हुए क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी।इस मुकाबले में मैक्सिको के मिडफील्डर ओबेद वर्गास ने भी एटलेटिको के लिए डेब्यू किया। वे 79वें मिनट में लुकमैन की जगह मैदान पर आए। एक अन्य नए खिलाड़ी रोड्री मेंडोज़ा को 66वें मिनट में मौका मिला।

एटलेटिको और बेटिस अब रविवार को ला लीगा में फिर आमने-सामने होंगे। लीग तालिका में एटलेटिको तीसरे स्थान पर है, जबकि बेटिस पांचवें नंबर पर मौजूद है और एटलेटिको से 10 अंक पीछे है।

अन्य मुकाबलों में, बुधवार को इन्याकी विलियम्स के स्टापेज टाइम गोल से एथलेटिक बिलबाओ ने वालेंसिया को 2-1 से हराकर सात सीजन में छठी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं रियल सोसिएदाद ने अलावेस को 3-2 से हराकर लगातार तीसरे सीजन अंतिम चार में प्रवेश किया।

मंगलवार को बार्सिलोना ने सेकेंड डिवीजन की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराया, जिसने राउंड आफ 16 में रियल मैड्रिड को बाहर किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो सकते हैं हर्षित राणा, घुटने की चोट ने बढ़ाई चिंता

मुंबई। भारतीय तेज गेंदबाज़ हर्षित राणा आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले चोट की चिंता में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए एक अभ्यास मैच के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई, जिसके बाद उनका टूर्नामेंट में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट के पहले मुकाबले से पहले कहा, हर्षित राणा की घुटने की चोट ठीक नहीं लग रही है, लेकिन उनकी उपलब्धता पर फैसला लिया जाएगा। यह चोट नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए अभ्यास मैच के दौरान लगी। मैच के दौरान हर्षित राणा सिर्फ एक ओवर ही फेंक सके, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए। अपना शुरुआती ओवर पूरा करने के तुरंत बाद वे लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। 24 वर्षीय इस तेज गेंदबाज़ का इस तरह से मैदान छोड़ना टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया है। अब सभी की निगाहें मेडिकल टीम की रिपोर्ट और चयनकर्ताओं के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जो तय करेगा कि हर्षित राणा टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जर्सी पहन पाएंगे या नहीं।

होम एडवांटेज पर भारत की नजर, डेविस कप क्वालीफायर्स में नीदरलैंड्स से होगी टक्कर

बेंगलुरु। भारतीय टीम 2026 डेविस कप क्वालीफायर्स राउंड-1 में अपने अभियान की शुरुआत घरेलू दर्शकों के सामने करेगी। बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में 7 फरवरी को होने वाले मुकाबले में भारत के शीर्ष खिलाड़ी सुमित नागल का सामना नीदरलैंड्स के गाइ डेन ओउडेन से होगा। दोनों देशों के बीच हेड-टू-हेड रिकार्ड फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में कप्तान रोहित राजपाल के नेतृत्व में भारतीय टीम घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर डच टीम के खिलाफ बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पहले दिन सुमित नागल और गाइ डेन ओउडेन के मुकाबले के बाद दूसरा एकल मैच धक्षिणेश्वर सुरेश और जेस्पर डे जोंग के बीच खेला जाएगा, जिससे पहले दिन की कार्रवाई समाप्त होगी। होम कंडीशंस को दबाव की बजाय फायदा बताते हुए सुमित नागल ने कहा कि होम एडवांटेज हर खेल में होता है। टेनिस में जब मैंने ओलंपिक खेला था, तब 7,000 फ्रेंच दर्शकों के सामने मेरे समर्थन में सिर्फ पांच लोग थे। उन्होंने आगे कहा कि जब आप तीन से चार घंटे तक ऐसे माहौल में खेलते हैं, तो इसका बड़ा असर पड़ता है। हमें उम्मीद है कि कल नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों को भी ऐसा ही अनुभव होगा और हम इसका पूरा फायदा उठा सकेंगे। दूसरे दिन मुकाबले का आकर्षण पुरुष युगल मैच रहेगा, जिसमें भारत की जोड़ी एन. श्रीराम बालाजी और युकी भांबरी का सामना सैंडर एरेंड्स और डेविड पेल से होगा। इसके बाद शेष दो एकल मुकाबले खेले जाएंगे, जहां सुमित नागल जेस्पर डे जोंग से भिड़ेंगे, जबकि धक्षिणेश्वर सुरेश का सामना गाइ डेन ओउडेन से होगा। टीम प्रयास पर जोर देते हुए धक्षिणेश्वर सुरेश ने कहा कि यह पूरी तरह से टीम एफर्ट है। कोर्ट के अंदर और बाहर सभी बराबर मेहनत कर रहे हैं, साथ ही स्टेडियम और घर से समर्थन करने वाले दर्शक भी अहम भूमिका निभाते हैं। यहां कोई एक खिलाड़ी पूरी टीम को अकेले आगे नहीं बढ़ाता।

12 फरवरी के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक : चेतन शर्मा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलावा आना तय है। चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा क्योंकि मैच न खेलने उसपर प्रतिबंध सहित कई अन्य प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में विश्वकप से नाम वापस लिया है। चेतन ने कहा, बांग्लादेश के खिलाड़ियों की क्या गलती थी कोई नहीं। ये सब राजनीति है. बांग्लादेश में 12 तारीख को चुनाव हैं। उसके बाद आप देखेंगे इस सामले में फैसला पलटेगा। पाक से एक बयान आएगा, जिसमें कहा जाएगा कि जनता की भावना को देखते हुए पाक टीम भारत से खेलेगी क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिये।

आज की हाकी में सिर्फ अटैक नहीं डिफेंस भी जरूरी : नवनीत कौर

30 वर्षीय फारवर्ड ने बदली भूमिका, राष्ट्रीय शिविर की तैयारी और नए मुख्य कोच स्जोर्ड मारिन के साथ काम करने के अनुभव साझा किए

बेंगलुरू, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला हाकी टीम की स्टार फारवर्ड नवनीत कौर का मानना है कि आधुनिक हाकी में सिर्फ गोल करने की क्षमता ही काफी नहीं है, बल्कि अटैकिंग खिलाड़ियों के लिए डिफेंस में योगदान देना भी उतना ही जरूरी हो गया है। एफआईएच हाकी महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर हैदराबाद तेलंगाना 2026 से पहले चल रहे राष्ट्रीय शिविर में टीम की तैयारियां जोरों पर हैं।

नवनीत ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, आज की हाकी में सिर्फ अटैकिंग काफी नहीं है। एक स्ट्राइकर के तौर पर डिफेंसिव स्किल्स भी बहुत अहम हैं। मैं टैकलिंग और बिना गेंद के दबाव बनाने पर ध्यान दे रही हूं, क्योंकि गेंद वापस जीतना टीम के लिए बड़ा फायदा होता है।

अपने व्यक्तिगत फोकस के साथ-साथ नवनीत ने टीम के लक्ष्य को भी स्पष्ट किया।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य बिल्कुल साफ है। हम वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और क्वालीफायर्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहते हैं।,

यह राष्ट्रीय शिविर भारत की एफआईएच हाकी महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर हैदराबाद तेलंगाना 2026 की तैयारियों का अहम हिस्सा है। यह टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक हैदराबाद में आयोजित होगा, जिसमें शीर्ष तीन टीमें 2026 महिला एफआईएच हाकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

शिविर के माहौल पर बात करते हुए नवनीत ने कहा, कैंप बहुत अच्छा चल रहा है। हमारे पास नया कोच है और टीम का कोर ग्रुप काफी मजबूत है। ट्रेनिंग की क्वालिटी बहुत अच्छी है। सभी खिलाड़ी फोकस्ड हैं और आने वाली चुनौती के लिए अच्छी तैयारी कर रहे हैं।

नवनीत ने नए मुख्य कोच स्जोर्ड मारिन के साथ काम करने के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा, उनका कम्युनिकेशन बहुत सीधा है। वे साफ तौर पर बताते हैं कि उनसे क्या उम्मीद है, हमें किन बातों में सुधार करना है और मैदान पर किस तरह का प्रदर्शन चाहिए। इससे किसी तरह की भ्रम की स्थिति नहीं रहती और टीम के तौर पर बेहतर काम करने में मदद मिलती हैउन्होंने यह भी बताया कि कई सीनियर खिलाड़ियों के पहले से मारिन के साथ काम करने के अनुभव का टीम को फायदा मिल रहा है।

उन्होंने कहा, वे भारतीय खिलाड़ियों की खेलने की शैली को समझते हैं और हमें भी पता है कि वे हमसे क्या चाहते हैं। यह आपसी समझ टीम को तेजी से आगे बढ़ने में मदद करती है। हाल ही में नवनीत ने अपनी टीम एसजी पाइपर्स को महिला हीरो हाकी इंडिया लीग का खिताब दिलाया। इस अनुभव पर उन्होंने कहा, हीरो हाकी इंडिया लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलने से युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास अलग स्तर पर पहुंच जाता है। उस एक्सपोजर से मिली सीख राष्ट्रीय शिविर में साफ नजर आती है।

उन्होंने टीम के बदले हुए माइंडसेट पर भी जोर दिया। नवनीत ने कहा, कैंप में माहौल बेहद सकारात्मक है। खिलाड़ी नई चीजें आज़माना चाहते हैं। अगर कोई चीज तुरंत काम नहीं भी करती, तो हम खुद को लगातार आगे बढ़ाने और सीखते रहने की कोशिश करते हैं।

अल-नस्र के लिए फिर नहीं खेले क्रिस्टियानो रोनाल्डो, ट्रांसफर विंडो को लेकर असंतोष की अटकलें तेज

रियाद, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को एक बार फिर अल-नस्त्र की मैचडे स्क्वाड से बाहर रखा गया। सऊदी प्रो लीग में अल-इत्तिहाद के खिलाफ मुकाबले के लिए रोनाल्डो का नाम टीम में शामिल नहीं था। यह लगातार दूसरा मैच है जिसमें पांच बार के बैलन डीआर विजेता को बाहर बैठना पड़ा है। इससे पहले 2 फरवरी को अल-रियाद के खिलाफ लीग मैच में भी वे नहीं खेले थे।

इस घटनाक्रम के बीच पुर्तगाल में अटकलें तेज हो गई हैं। स्थानीय अखबार ए बोला की रिपोर्ट के अनुसार, रोनाल्डो क्लब की सर्दियों की ट्रांसफर विंडो में अपेक्षाकृत शांत गतिविधियों से खुश नहीं हैं। रोनाल्डो के मौजूदा करार में अभी 18 महीने शेष हैं। उन्होंने 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड से अल-नस्त्र का रुख किया था और तब से सऊदी प्रो लीग के सबसे बड़े चेहरों में से एक रहे हैं। उनके आने के बाद कई यूरोपीय सितारों ने भी इस लीग में कदम रखा।

सऊदी प्रो लीग का बयान

बीबीसी स्पोर्ट को जारी बयान में सऊदी प्रो लीग के एक प्रवक्ता ने साफ किया कि किसी भी खिलाड़ी से ऊपर क्लब होता है। प्रवक्ता ने कहा, क्रिस्टियानो के आने के बाद से वे अल-नस्त्र के साथ पूरी तरह जुड़े रहे हैं और क्लब की महत्वाकांक्षाओं व विकास में उनकी अहम भूमिका रही है। एक शीर्ष प्रतिस्पर्धी की तरह वे जीतना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन कोई भी खिलाड़ी — चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो — अपने क्लब से बाहर के फैसलों को तय नहीं करता। हालिया ट्रांसफर गतिविधियां यही दिखाती हैं। किसी क्लब ने एक तरीके से खुद को मजबूत किया, तो किसी ने अलग रास्ता चुना। ये सभी फैसले क्लबों ने तय वित्तीय सीमाओं के भीतर लिए। अल-नस्त्र के लिए रोनाल्डो का योगदान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अल-नस्त्र के लिए अब तक 127 मैचों में 111 गोल किए हैं और 22 असिस्ट दिए हैं।

श्रीलंकाई बोर्ड ने पाकिस्तान से मैच के बहिष्कार का फैसला बदलने को कहा

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान से कहा है कि उसे 15 फरवरी को भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। पाक ने बांग्लादेश के समर्थन में ये मैच नहीं खेलने की घोषणा की है। ये मैच कोलंबो में होना है जिसके न होने से श्रीलंकाई बोर्ड को भी काफी नुकसान होगा। इसी को लेकर श्रीलंकाई बोर्ड नाराज है और उसने पाक बोर्ड को पूरानी बातें याद दिलायीं हैं। जब कोई टीम सुरक्षा कारणों से पाक नहीं जा रही थी तब उसने एक सीरीज खेली थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी को पत्र लिखकर कोलंबो में भारत के खिलाफ मैच छोड़ने के फैसले पर फिर विचार करने को कहा है। इस पत्र में श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा है कि पाकिस्तान का टूर्नामेंट में भाग लेने के बाद भी 15 फरवरी को होने वाले मैच में नहीं खेलना ठीक नहीं है। साथ ही कहा कि मेजबान देश के तौर पर वे इस टूर्नामेंट और मैच की पूरी तैयारी कर चुके हैं। सभी मैचों के लिए व्यावसायिक, संचालन, लाजिस्टिक्स और सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें अन्य सभी बातों के साथ ही मैच टिकटों की बिक्री भी भी शामिल है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : शास्त्री, स्मिथ और बिशप करेंगे कमेंट्री पैनल की अगुआई

दुबई, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए स्टार खिलाड़ियों और दिग्गजों से सजा कमेंट्री पैनल घोषित कर दिया गया है। इस हाई-प्रोफाइल पैनल की अगुआई रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ और इयान बिशप जैसे अनुभवी कमेंटेटर करेंगे। आईसीसी के अनुसार, टूर्नामेंट के 10वें संस्करण में कुल 55 मैचों के दौरान पूर्व महान खिलाड़ियों और मौजूदा सितारों की दमदार मौजूदगी सुनाई देगी। इस सूची में पूर्व टी20 वर्ल्ड कप विजेता एरान फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बैड्री, राबिन उथप्पा और कार्लोस ब्रैथवेट जैसे नाम शामिल हैं। खास बात यह है कि मौजूदा खिलाड़ी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा भी कमेंट्री बाक्स में नजर आएंगे। इसके अलावा 2014 टी20 वर्ल्ड कप विजेता श्रीलंकाई आलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज भी कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगे। डिफेंडिंग चैंपियन भारत पर सबकी नजर टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है और तीसरी बार खिताब जीतने के साथ-साथ ट्राफी का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बनने का लक्ष्य रखेगी। भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, खासकर अक्टूबर 2023 के बाद से खेले गए 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 48 में जीत और हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार सीरीज जीत के बाद। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मुकाबले से करेगी। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कमेंटेटर्स की सूची रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, इयान बिशप, एरान फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बैड्री, राबिन उथप्पा, कार्लोस ब्रैथवेट, इयोन मोर्गन, वसीम अकरम, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, डेल स्टेन, माइकल एथर्टन, वकार यूनिस, साइमन डूल, शान पोलक, केटी मार्टिन, हर्षा भोगले, एम्पुमेलेलो म्बांग्वा, नताली जर्मेनोस, डैनी मारिसन, एलन विल्किंस, इयान वार्ड, मार्क हावर्ड, निक नाइट, अतहर अली खान, कास नायडू, बाजिद खान, रौनक कपूर, नायल ओब्रायन, प्रेस्टन माम्सन, एंड्रयू लियोनार्ड, रसेल अर्नोल्ड, रोशन अबेयसिंघे, एंजेलो मैथ्यूज और टेम्बा बावुमा।

आस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, जोश हेज़लवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

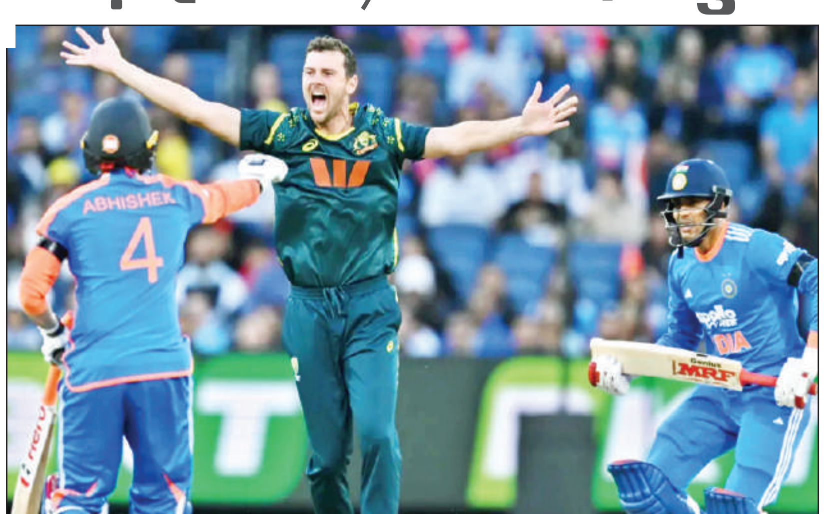

भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से आस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड बाहर हो गए हैं। फिटनेस हासिल करने की समय-सीमा पूरी न कर पाने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। आस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने पुष्टि करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि हेज़लवुड सुपर-8 चरण तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन ताज़ा मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी वापसी में अभी और समय लग सकता है। ऐसे में उनकी रिकवरी प्रक्रिया को तेज़ करना जोखिम भरा होता। डोडेमाइड ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, हम आशावान थे कि जोश सुपर-8 तक फिट हो जाएंगे, लेकिन अब साफ है कि उन्हें अभी और समय चाहिए। जल्दबाज़ी करने से चोट बढ़ने का खतरा है, इसलिए हमने यह फैसला लिया। आस्ट्रेलिया फिलहाल हेज़लवुड के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं करेगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि शुरुआती मुकाबलों के लिए टीम संतुलित है और आगे की परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लिया जाएगा। डोडेमाइड ने जोड़ा, हम तुरंत किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की घोषणा नहीं करेंगे। शुरुआती मैचों के लिए हमारी टीम कवर में है, आगे ज़रूरत के हिसाब से फैसला लेंगे, ।हेज़लवुड को एकीलिज की चोट है और वे सिडनी में रिहैब कर रहे थे। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2025 में भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज़ खेली थी। इससे पहले हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वे एशेज़ की शुरुआत से बाहर हो गए थे और बाद में एकीलिज की चोट के चलते पूरी सीरीज़ नहीं खेल पाए। यह आस्ट्रेलिया के लिए दूसरा बड़ा झटका है, क्योंकि टीम पहले ही पैट कमिंस के बिना टूर्नामेंट खेल रही है। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और हाल के महीनों में उनका खेल सीमित रहा है। वे एशेज़ में सिर्फ एडिलेड टेस्ट ही खेल पाए थे। हालांकि, फिटनेस के मोर्चे पर कुछ राहत भी है। नाथन एलिस और टिम डेविड ग्रुप स्टेज के लिए उपलब्ध रहने की राह पर हैं, जबकि एडम ज़म्पा के कोलंबो में होने वाले पहले मैच में खेलने की उम्मीद है। टी20 कप्तान मिशेल मार्श ने तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण को लेकर भरोसा जताया। मार्श ने कहा, पैट और जोश जैसे तीनों फार्मेट के खिलाड़ियों की वजह से हमने अपनी टीम में गहराई बनाई है। जो खिलाड़ी आए हैं, उन्होंने काफी क्रिकेट खेला है और हमें उन पर पूरा भरोसा है। हम परिस्थितियों के हिसाब से टीम चुनेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आस्ट्रेलिया पिछले 18 महीनों में दुनिया की सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रहा है और अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने का अनुभव टीम के पास है। आस्ट्रेलिया अपना पहला ग्रुप मुकाबला आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा, जिसके लिए टीम के पास अब भी तैयारी का समय मौजूद है।

मार्गन स्टेनली ने एईएसएल को ओवरवेट रेटिंग दी, टारगेट प्राइस 1,133 तय

एईएसएल भारत में लंबे समय में पावर ग्रिड के विस्तार से लाभ उठाएगी

मुंबई, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मार्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी साल्यूशंस (एईएसएल) के शेयर की कवरेज शुरू करते हुए इसे ओवरवेट रेटिंग दी और टारगेट प्राइस 1,133 रुपए रखा। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि एईएसएल भारत में लंबे समय में पावर ग्रिड के विस्तार से लाभ उठाएगी। अगले एक दशक में देश में 10 लाख करोड़ रुपए के ट्रांसमिशन निवेश की संभावना है, जिससे कंपनी को महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि एईएसएल का वितरण कारोबार मजबूत है और सरकार के स्मार्ट मीटरिंग समर्थन से निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी।

कंपनी मुंबई और मुंद्रा सेज वितरण क्षेत्रों के माध्यम से लगभग 33 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंच रखती है। एईएसएल का लक्ष्य वितरण क्षेत्र में 20 फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। स्मार्ट मीटरिंग में कंपनी के पास 24.6 मिलियन मीटर का आर्डर बुक है, जिसे वित्त वर्ष 2027 तक पूरा किया जाएगा। मार्गन स्टेनली का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-2030 के बीच एडुईएसएल का एबिटा 21 फीसदी सीएजीआर से बढ़ेगा और वित्त वर्ष 2030 तक लगभग 2,600 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। वृद्धि के प्रमुख स्रोत ट्रांसमिशन परियोजनाओं की जीत, रेगुलेटेड वितरण पूंजीगत व्यय और स्मार्ट मीटरिंग आर्डर बुक का एग्जीक्यूशन हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड स्तर पर पहुंचा, 723.8 अरब डालर

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 723.8 अरब डालर पर पहुंच गया, जो अब तक का रिकार्ड स्तर है। यह पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डालर से 14.4 अरब डालर अधिक है। इससे पहले 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार में 8.05 अरब डालर की वृद्धि हुई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि यह भंडार लगभग 11 महीने के वस्तु आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डालर से 14.4 अरब डालर अधिक उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति मजबूत है और देश अपनी विदेशी वित्तीय जरूरतों को आसानी से पूरा करने में सक्षम है। विदेशी मुद्रा भंडार में चार कारक हैं विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि और विशेष आहरण अधिकार। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में करीब 563 अरब डालर पर और स्वर्ण भंडार 123 अरब डालर पर था। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में डालर के अलावा यूरो, ब्रितानी पाउंड और जापानी येन शामिल होता है। आरबीआइई के अनुसार, भंडार की यह बढ़त भारत को वैश्विक वित्तीय बाजारों में भरोसा और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण के उच्च स्तर से भारत अपनी बाहरी भुगतान क्षमता बनाए रखने में सक्षम है।

न्यूज ब्रीफ

भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि, वेनेजुएला से तेल खरीदने को तैयार: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला लंबे समय से उसका महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार रहा है और भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में वेनेजुएला सहित किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने को तैयार है, बशर्ते यह व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य हो।

विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने 2019-20 और 2023-24 के दौरान भी वेनेजुएला से तेल आयात किया था। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 तक वेनेजुएला भारत के कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते आयात रोक दिया गया। 2023-24 में आयात दोबारा शुरू हुआ, हालांकि बाद में प्रतिबंधों के कारण इसे फिर से निलंबित करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कहा गया था कि भारत ईरान की बजाय वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने को तैयार है, भारत की प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण किया है और सरकारी कंपनियां 2008 से वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पीडीवीएसए के साथ साझेदारी में काम कर रही हैं। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच कथित गुप्त बैठक की खबरों को पूरी तरह निराधार बताया।

एनएमडीसी के कौशल विकास से प्रशिक्षित किए सभी युवा को मिला रोजगार

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) लिमिटेड ने बस्तर प्रभाग के 80 युवाओं के पहले बैच का स्वागत किया। इन युवाओं ने रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर 100 फीसदी प्लेसमेंट हासिल किया है। इस्पात मंत्रालय ने यह कार्यक्रम एनएमडीसी के सीएसआर प्रयासों के हिस्से के रूप में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईपीईटी) के सहयोग से लागू की गई कौशल विकास पहल के तहत किया था। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बस्तर, सुकमा, नारायणपुर, कोंडागांव और बीजापुर जिलों के साधारण परिवारों से आए छात्रों ने वहां के जीवन के बारे में बात की, जहां अवसर सीमित थे और विकल्प कम थे। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि अपने गृहनगर से बाहर निकलकर अपनी शर्तों पर आय अर्जित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बस्तर के बेरोजगार और वंचित आदिवासी युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करके स्थायी आजीविका में सक्षम बनाकर सशक्त करना है। यह सम्मान समारोह और चर्चा सत्र एनएमडीसी के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और निदेशक (वाणिज्यिक, अतिरिक्त प्रभार), जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन) और निदेशक (कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार), पी.श्याम, महाप्रबंधक (सीएसआर) और बी. रवि, प्रधान निदेशक, सीआईपीईटी, एनएमडीसी और सीआईपीईटी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

आरबीआई डिजिटल लेन-देन सुरक्षा और ग्राहक क्षतिपूर्ति के लिए बनाएगा नई रूपरेखा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को घोषणा की कि छोटे मूल्य वाले धोखाधड़ी वाले डिजिटल लेन-देन के लिए ग्राहकों को 25,000 तक की क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

इसका उद्देश्य ग्राहकों की तत्काल सुरक्षा और विश्वास बढ़ाना है। आरबीआई जल्द ही एक परिचर्चा पत्र प्रकाशित करेगा जिसमें डिजिटल भुगतान सुरक्षा के उपाय शामिल होंगे। इसमें विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण जैसी सुविधाएं होंगी। तीन दिशानिर्देशों का मसौदा किया जाएगा तैयार-वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री रोकना, अनधिकृत इलेक्ट्रानिक लेन-देन में ग्राहक की देनदारी सीमित करना और ऋण वसूली और वसूली एजेंट के दिशा-निर्देशों का सामंजस्य। शहरी सहकारी बैंकों की क्षमता निर्माण के लिए मिशन सक्षम की शुरुआत की जाएगी। मल्होत्रा ने कहा कि सभी नए और संशोधित निर्देश जल्द सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए जाएंगे, जिससे बैंकिंग क्षेत्र और डिजिटल भुगतान प्रणाली अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बने।

टीवीएस मोटर ने बिक्री में किया 5 लाख यूनिट्स का आंकड़ा पार

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

जनवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पहली बार कुल बिक्री में 5 लाख यूनिट्स का आंकड़ा पार किया है। यह तेजी टीवीएस के बढ़ते बाजार प्रभाव, मजबूत प्रोडक्ट लाइनअप और ग्राहकों के भरोसे का स्पष्ट संकेत है। कंपनी ने इस महीने 5,11,766 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जनवरी 2025 की 3,97,623 यूनिट्स की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है।

दोपहिया वाहनों की मांग इस ग्रोथ का मुख्य आधार रही, जिनकी कुल बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 4,94,195 यूनिट्स तक पहुंच गई। घरेलू बाजार में प्रदर्शन और भी शानदार रहा, जहां टू-व्हीलर सेल 30 प्रतिशत उछलकर 3,83,262 यूनिट्स तक पहुंची। कंपनी के प्रमुख माडल्स ने इस उछाल में बड़ी भूमिका निभाई। मोटरसाइकिल सेगमेंट में बिक्री 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,19,188 यूनिट्स पर पहुंची। अपाचे और राइडर जैसे माडल लगातार युवा ग्राहकों की पसंद बने हुए हैं। स्कूटर सेगमेंट भी पीछे नहीं रहा और 30 प्रतिशत ग्रोथ के साथ 2,22,926 यूनिट्स की मजबूत बिक्री दर्ज की। जुपीटर और एनटार्क जैसे स्कूटरों ने यहां टीवीएस की पकड़ को और मजबूत बनाया।

इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टीवीएस की रणनीति बेहद सफल साबित हुई। जनवरी 2026 में ईवी बिक्री 50 प्रतिशत की छलांग लगाकर 37,756 यूनिट्स तक पहुंच गई। आईक्यूब की बढ़ती लोकप्रियता यह दर्शाती है कि कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में प्रमुख खिलाड़ी बनने की तैयारी में है। थ्री-व्हीलर सेगमेंट में भी 77 प्रतिशत की रिकार्ड ग्रोथ देखने को मिली, जहां बिक्री बढ़कर 17,571 यूनिट्स पर पहुंची। विदेशी बाजारों में भी टीवीएस का प्रदर्शन मजबूती से जारी है। जनवरी 2026 में कुल निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 1,22,343 यूनिट्स तक पहुंच गया। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टीवीएस मोटर के लिए एक बड़ा माइलस्टोन साबित हुआ है।

दिसंबर 2025 में हीरो मोटोकार्प की बिक्री हुई मजबूत

नई दिल्ली। हीरो मोटोकार्प ने घरेलू बाजार में दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे साल की तुलना में कंपनी की मांग दिसंबर महीने में पहले से ज्यादा मजबूत दिखाई दी। कम्यूटर सेगमेंट की पारंपरिक पकड़ और इलेक्ट्रिक स्कूटरों में बढ़ती दिलचस्पी ने हीरो को इस महीने भी स्थिरता प्रदान की। हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर कंपनी की रीढ़ साबित होते हुए दिसंबर में करीब 2.80 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की।

कुल घरेलू बिक्री में इसकी हिस्सेदारी लगभग 67 प्रतिशत रही, जो दर्शाता है कि स्प्लेंडर आज भी भरोसे, माइलेज और कम मेंटेनेंस के कारण सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइक बनी हुई है। इसके साथ ही एचएफ डिलक्स ने ग्रामीण और कस्बाई बाजारों में अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि ग्लेमर जैसी प्रीमियम कम्यूटर बाइक ने भी बिक्री बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। कंपनी की कुल घरेलू बिक्री 4.18 लाख यूनिट्स के पार पहुंची, जो पिछले साल दिसंबर के मुकाबले मजबूत सालाना ग्रोथ को दर्शाती है। हालांकि नवंबर की तुलना में हल्की गिरावट देखी गई, लेकिन यह कमी त्योहारों के बाद बाजार की सामान्य मंदी का परिणाम मानी जा रही है। स्कूटर सेगमेंट में डेस्टीनी 125 ने दमदार प्रदर्शन किया और सालाना आधार पर इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई। फैमिली स्कूटर कैटेगरी में इसकी बढ़ती लोकप्रियता ने यह स्पष्ट किया कि हीरो इस सेगमेंट में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। सबसे बड़ा आकर्षण वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर रहा, जिसकी बिक्री में पिछले साल की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में यह तेजी संकेत देती है कि आने वाले समय में वीडा, हीरो के लिए महत्वपूर्ण गेम-चेंजर साबित हो सकता है। प्रीमियम और स्पोर्टी बाइक्स जैसे एक्ट्रीम और एक्सपल्स को सालाना आधार पर अच्छा रिस्पान्स मिला, हालांकि मासिक बिक्री आंकड़ों में दबाव दिखाई दिया।

किआ इंडिया की जनवरी 2026 में कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

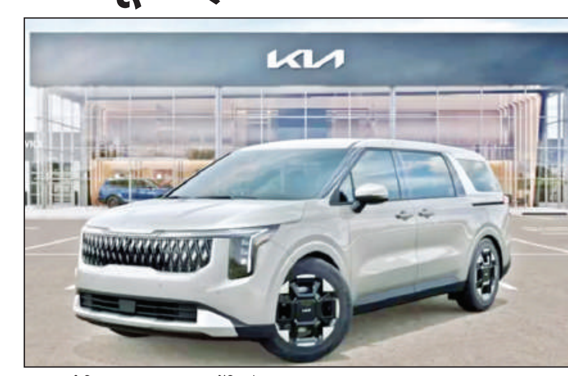

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

जनवरी 2026 में किआ इंडिया ने कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री जनवरी 2025 की 25,025 यूनिट्स की तुलना में 10.3 प्रतिशत सालाना वृद्धि को दर्शाती है। यह उछाल स्पष्ट रूप से बताता है कि किया की नई माडल रणनीति ने ग्राहकों के बीच भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ाया है। दिसंबर 2025 के 18,659 यूनिट्स के मुकाबले 47.9 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी कंपनी के लिए बड़ी रिकवरी का संकेत है। किया की नई सेल्टास इस बढ़त की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरी है।

हाल ही में लान्च हुई इस एसयूवी को आधुनिक डिजाइन, प्रीमियम इंटरियर, उन्नत इंजन विकल्प और 30-इंच डैशबोर्ड डिस्प्ले तथा अडास जैसी एडवांस सुविधाओं की वजह से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में सेल्टास की पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है और यह किआ की घरेलू बिक्री का प्रमुख स्तंभ बन गई है। सोनेट भी किआ की बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। हाल ही में 5 लाख यूनिट्स की घरेलू बिक्री का रिकार्ड बनाने वाली यह काम्पैक्ट एसयूवी अपनी स्थिर मांग के दम पर कंपनी के वाल्यूम को मजबूती दे रही है।

इसके साथ केरेंस्, क्लेविस और क्लेविस ईवी जैसे माडल भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे कंपनी का पोर्टफोलियो संतुलित और प्रभावी बना हुआ है। किआ इंडिया का नेटवर्क तेजी से विस्तार कर चुका है और अब 376 शहरों में 841 टचपाइंट्स तक पहुंच गया है, जो बेहतर सेल्स और आफ्टरसेल्स सपोर्ट प्रदान करने में अहम भूमिका निभाते हैं। कंपनी का कहना है कि नई सेल्टास की सफलता, सोनेट की मजबूत पकड़ और अन्य माडलों की स्थिर मांग 2026 के लिए डबल-डिजिट ग्रोथ की उम्मीदों को मजबूत करती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वैभवशाली...

वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक बैटिंग जारी रखी। उन्होंने सिर्फ 55 गेंदों पर शतक ठोक दिया।

175 रनों की पारी खेलने के बाद वह आउट हुए। उन्होंने 15 चौके के साथ ही 15 छक्के मारे। यह अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में किसी भी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी है। इसके साथ ही उन्होंने यूथ वनडे में अपने 100 छक्के भी पूरे किए। वैभव ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं।

कनिष्क चौहान ने फिनिश की पारी

भारतीय टीम 308 रन तक अपने 5 विकेट खो चुकी थी। यहां से अभिज्ञान कुंडू ने आरएस अम्ब्रीश के साथ 51 रन की साझेदारी की। अभिज्ञान कुंडू 31 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 40 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अम्ब्रीश ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। अंतिम ओवरों में कनिष्क चौहान ने 20 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ नाबाद 37 रन बनाकर स्कोर को 400 के पार पहुंचा दिया। इंग्लिश खेमे से जेम्स मिंटो ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि सेबेस्टियन मॉर्गन और एलेक्स ग्रीन ने 2-2 विकेट हासिल किए।

इंग्लैंड ने दिखाया विस्फोटक रूप

इंग्लैंड ने भी भारतीय गेंदबाज को मुंहतोड़ जवाब दिया। शुरुआती तीन ओवर में तो टीम के सिर्फ दो रन थे लेकिन सलामी बल्लेबाज जोसेफ मूर्स ने चौथे ओवर में हैट्रिक चौका लगाया। हालांकि 5वें ओवर में वह आरएस अम्ब्रीश का शिकार बन गए। 7वें ओवर के खत्म होने के बाद इंग्लैंड ने 25 रन बना थे। यहां से बेन डॉकिन्स और बेन मेयस ने गियर बदल दिया। 10वें ओवर में टीम 64 रनों तक पहुंच गई।

मेयस तेजी से फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन खिलान पटेल ने उनका विकेट ले लिया। रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में वह 28 गेंद पर 45 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान थॉमस रेव ने भी आते ही अटैक किया। 18 गेंद पर 31 रन बनाकर वह कनिष्क चौहान की गेंद पर आउट हुए। डॉकिन्स ने भी इस बीच अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। 20 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 3 विकेट पर 171 रन था। अगले दो ओवर में भारत को चार विकेट मिल गए। आयुष म्हात्रे ने डॉकिन्स (66) को आउट किया तो राल्फी अल्बर्ट रन आउट हो गए। फरहान अहमद (1) और सेबेस्टियन मॉर्गन (0) दीपेश देवेंद्रन का शिकार बने।

कैलेब फॉल्कनर ने शतक ठोका

177 रनों पर 7 विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड की हार पक्की हो गई थी। लेकिन कैलेब फॉल्कनर ने विस्फोटक बैटिंग जारी रखी। 26 गेंदों पर उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी की। जेम्स मिंटो ने 41 गेंद पर 28 रन बनाकर उनका साथ निभाया। दोनों के बीच 92 रनों की साझेदारी हुई। अम्ब्रीश ने मिंटो को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। मैनी मुम्सडेन 3 रन ही बना सके लेकिन फाल्कनर ने विस्फोटक बैटिंग जारी रखी। 63 गेंदों पर उन्होंने अपना शतक पूरा किया। 41वें ओवर में कनिष्क चौहान ने फॉल्कनर का विकेट लेकर भारत को चैंपियन बना दिया। उन्होंने 67 गेंद पर 9 चौके और 7 छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। आरएस अम्ब्रीश ने तीन जबकि दीपेश और कनिष्क ने 2-2 विकेट लिए।

डीजीपी के...

इससे पहले, न्यायमूर्ति पुल्ला कार्तिक ने भी इस नियुक्ति पर रोक लगाने की मांग वाली अंतरिम याचिका को खारिज कर दिया था। अब, चूंकि नियमित नियुक्ति के लिए समय सीमा तय हो चुकी है, तेलंगाना हाईकोर्ट में यह कानूनी अध्याय बंद हो गया है।

प्याज-टमाटर...

अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने, वास्तविक ब्याज दरों के नकारात्मक बने रहने की आशंका और वित्तीय जोखिमों को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता भी इसके प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

शुक्रवार शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 1,000 रुपये की तेजी के साथ 1.53 लाख रुपये प्रति यूनिट पर पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमत 3,000 रुपये गिरकर 2,40,540 रुपये पर दर्ज की गई।

जुबली हिल्स...

बुधवार को उसने साथी कर्मचारियों और वॉचमैन को विश्वास में लेते हुए कहा कि उसका जन्मदिन है। जन्मदिन के जश्न के नाम पर उसने सभी को कोल्ड ड्रिंक बांटी।

भुवन ने उस कोल्ड ड्रिंक में पहले से ही नशीला पदार्थ मिला रखा था। जैसे ही सभी लोग कोल्ड ड्रिंक पीकर बेहोश हो गए, उसने अपना काम शुरू कर दिया। उसने घर की आलमारी में रखे करीब 20 लाख रुपये के सोने के आभूषण और नकदी चोरी की और वहां से रफूचक्कर हो गया।

सीसीटीवी फुटेज और पुलिस की कार्रवाई

गुरुवार सुबह जब काफी देर तक काम करने वाले लोग नहीं जागे और वॉचमैन भी बेहोशी की हालत में मिला, तो घर के मालिकों को संदेह हुआ। अंदर जाकर देखने पर उन्हें चोरी का पता चला, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जुबली हिल्स पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर लिया है और अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आरोपी के नेपाल भागने की आशंका को देखते हुए रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

'हाइड्रा'बाद...

को दूसरे चरण के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जल्द ही धरातल पर काम शुरू हो जाएगा।

हाइड्रा का मुख्य उद्देश्य न केवल सरकारी जमीनों की सुरक्षा करना है, बल्कि शहर को भविष्य की प्राकृतिक आपदाओं से बचाना भी है। पहले चरण की सफलता के बाद, अब दूसरे चरण में भी उसी उत्साह के साथ काम करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

अप्रैल-मई...

अधिकारियों (बीएलओ) के साथ निकट समन्वय में काम करना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों को सूचित किया कि वर्तमान में 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। तेलंगाना सहित शेष राज्यों के लिए कार्यक्रम अप्रैल-मई 2026 के दौरान घोषित होने की उम्मीद है। गुरुवार देर रात जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, रेड्डी ने बताया कि अधिसूचना जारी होने के बाद पुनरीक्षण के लिए सीमित समय उपलब्ध होने के कारण, राज्य में प्रारंभिक कार्य पहले ही शुरू कर दिया गया है।

हर पोलिंग बूथ पर बीएलए की नियुक्ति अनिवार्य

राजनीतिक दलों से आगामी पुनरीक्षण से पहले प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए कम से कम एक बीएलए नियुक्त करने का आग्रह किया गया है।

सीईओ ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता और समस्याओं के समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए मजबूत बूथ-स्तरीय समन्वय इस पूरी कवायद का केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि प्रभावी भागीदारी से शिकायतों को कम करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न छूटे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान, बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदान क्षेत्र में तीन से चार बार दौरा करने की उम्मीद है।

पहले दौरे के दौरान गणना फॉर्म वितरित किए जाएंगे, जबकि बाद के दौरों में उन घरों को कवर किया जाएगा जो पहले उपलब्ध नहीं थे। सीईओ ने स्पष्ट किया कि जो मतदाता प्रारंभिक चरण के दौरान मैप नहीं हो पाएंगे, वे एसआईआर के दौरान अपना विवरण प्रस्तुत कर सकेंगे। इस बैठक में अतिरिक्त सीईओ वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, उप सीईओ हरि सिंह और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 07 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हैदराबाद में गूँजेगा 'जय श्री श्याम'

कल निकलेगी बाबा श्याम की भव्य रथ शोभा यात्रा

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति और श्री बाबा श्याम रथ शोभा यात्रा समिति के तत्वावधान में कल रविवार, दि. 8 फरवरी 2026 को बाबा श्याम की विशाल रथ शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। फाल्गुन के पावन मास में, जो बाबा श्याम को अत्यंत प्रिय है, आयोजित होने वाली इस यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ेंगे।

शुक्रवार को बशीरबाग स्थित देशोद्धारक भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत डाकोतिया, सचिव इन्द्रकरण अग्रवाल, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार बड़ेगांववाले और अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि राजस्थान के सीकर जिले के खाटू गांव में स्थित भगवान खाटू श्याम जी का मंदिर भीम के पौत्र बर्बरीक को समर्पित है। दक्षिण भारत का पहला खाटू श्याम मंदिर हैदराबाद के काचीगुड़ा स्थित वीरन्ना गुट्टा पर है, जिसका संचालन श्री कांची कामकोटि पीठम और श्री श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा किया जाता है।

चारमीनार से काचीगुड़ा तक सजेगा भक्ति का मार्ग

समिति ने घोषणा की कि भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाले बाबा श्याम की यह भव्य रथ यात्रा और निशान शोभा यात्रा 8 फरवरी की सुबह शुरू होगी। यह यात्रा चारमीनार स्थित महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर अफजल गंज, गौलीगुड़ा, चादरघाट और निंबोली अड्डा होते हुए काचीगुड़ा के वीरन्ना गुट्टा स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। मंदिर पहुंचने के पश्चात विशेष प्रार्थनाएं और महाआरती आयोजित की जाएगी।

हजारों श्रद्धालु उठाएंगे आस्था का निशान

इस शोभा यात्रा में हैदराबाद के विभिन्न कोनों से हजारों श्रद्धालु अपने हाथों में विशेष निशान (ध्वज) लेकर शामिल होंगे। संगीत वाद्ययंत्रों की थाप पर बाबा श्याम को प्रसन्न करने के लिए भक्त भजन-कीर्तन करेंगे और नृत्य करते हुए आगे बढ़ेंगे। मंदिर समिति ने निशान लाने वाले सभी भक्तों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की है। मंदिर परिसर में दैनिक रूप से होने वाले संकीर्तन, अभिषेक और निःशुल्क भोजन वितरण की परंपरा इस उत्सव के दौरान और भी भव्य रूप में नजर आएगी।

रथ शोभा यात्रा के चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल, वाइस चेयरमैन रामदेव अग्रवाल व पुरुषोत्तम दास गोयल है। रथ शोभा यात्रा परामर्शदाता चंद्रकांत डाकोतिया हैं। रथ शोभा यात्रा संयोजक अमित अग्रवाल, रामनिरंजन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नरसिंह जायसवाल, जीवन भाटी, अभिषेक शर्मा, सुशील अग्रवाल व गोविंद पोद्दार हैं। रथ शोभा यात्रा सहयोगी प्रभुदयालजी पंच परिवार टीबा बसईवाले हैं।

समिति के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

प्रेस वार्ता के दौरान रथ शोभा यात्रा समिति के चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल, वाइस चेयरमैन रामदेव अग्रवाल व पुरुषोत्तम दास गोयल, परामर्शदाता चंद्रकांत डाकोतियौ और संयोजकगण अमित अग्रवाल, रामनिरंजन अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, नरसिंह जायसवाल, जीवन भाटी, अभिषेक शर्मा, सुशील अग्रवाल व गोविंद पोद्दार उपस्थित थे।श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी चंद्रकांत डाकोतिया (अध्यक्ष), कृष्ण कुमार बड़ेगांववाले (उपाध्यक्ष), इन्द्रकरण अग्रवाल (मंत्री),रामदेव अग्रवाल (सहमंत्री), राजकुमार विग (सहमंत्री), कपिल अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम दास गोयल,मनीष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, रामप्रसाद अग्रवाल, प्रमोद कुमार, पुरूषोत्तम अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, विश्वनाथ टिबरेवाल, मधुसूदन सौंथालिया, श्याम सुन्दर डालीया, संदीप गोयल, रवि गोयल, महेंद्र सिग्नोडीया, मनीष सिग्नोडीया, जगदीश प्रसाद डाकोतिया, अशोक कुमार डाकोतिया, राम कुमार गोयल, प्रमोद कुमार केडिया, प्रहलादराय टिबरेवाल हैं ।

खेलकूद प्रोत्साहन की दिशा में राजस्थानी जागृति समिति के सराहनीय प्रयास

400 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्पोर्ट्स टीशर्ट वितरित, कर्मचारियों को साड़ियों का उपहार

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को शिवरामपल्ली स्थित जिला परिषद प्राइमरी स्कूल में 400 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को खेलकूद में प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टीशर्ट का वितरण किया गया।

इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाध्यापिका शालिनी पुलसानी ने समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा विद्यालय की महिला कर्मचारियों को साड़ियों का भी वितरण किया गया।

समिति के उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत ने खेल में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं को आगे चलकर खेल सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था विगत 20 वर्षों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म, मेडिकल सहायता, खेल सामग्री एवं फीस आदि के माध्यम से सहयोग करती आ रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक विभिन्न सरकारी स्कूलों में लगभग 3000 स्पोर्ट्स टीशर्ट का वितरण किया जा चुका है।

इस अवसर पर पाठशाला की प्रधानाध्यापिका द्वारा समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, मानद मंत्री महेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी एवं संगठन मंत्री रमेश मोदानी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में सरकारी प्राथमिक पाठशाला बाजारे जुमेरात एवं सरकारी प्राथमिक पाठशाला सीतारामपेट शाखा में कुल 200 छात्र-छात्राओं को खेलकूद में प्रोत्साहन हेतु स्पोर्ट्स टीशर्ट वितरित किए गए।इस अवसर पर संस्था के मानद मंत्री महेश अग्रवाल ने कहा कि खेलकूद को बढ़ावा देकर ही हम एक स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल के प्रिंसिपल हेमंत को शॉल, मोती माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यापक संजीव राव, वेणु माधवन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इसी संदर्भ में सरकारी प्राथमिक पाठशाला चंद्रशेखर आज़ाद एवं सरकारी प्राथमिक पाठशाला धूलपेट नंबर-1 में भी लगभग 200 छात्र-छात्राओं को खेलकूद को प्रोत्साहित करने हेतु स्पोर्ट्स टीशर्ट का वितरण किया गया।

इस अवसर पर पाठशाला की प्रधानाध्यापिका विजया भास्कर को शॉल एवं मोती माला पहनाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुनोत एवं अशोक कुमार हीरावत, मानद मंत्री महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नुमाइश का समापन समारोह 14 को

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधान परिषद के माननीय अध्यक्ष श्री गुथा सुकेंद्र रेड्डी को आगामी 14 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले नुमाइश (अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी) के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

प्रदर्शनी सोसाइटी (Exhibition Society) पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने परिषद अध्यक्ष से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की और उन्हें आधिकारिक रूप से इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। सोसाइटी के सदस्यों ने गुथा सुकेंद्र रेड्डी को समापन समारोह की महत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी प्रदर्शनी ने स्थानीय और राष्ट्रीय उद्योगों को एक बड़ा मंच प्रदान किया है। पदाधिकारियों ने अनुरोध किया कि वे अपनी उपस्थिति से समापन समारोह की शोभा बढ़ाएं और सफल प्रदर्शकों को सम्मानित करें।

एशिया जेवल्स शो 13 से

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की सबसे विशिष्ट आभूषण प्रदर्शनी एशिया जेवल्स शोफ एक बार फिर हैदराबाद की सुंदरता में चार चाँद लगाने के लिए तैयार है। इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी का भव्य कर्टेन रेज़र कार्यक्रम हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें आभूषणों के प्रति प्रेम और कला का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस ग्रैंड ज्वेलरी शोकेस के अवसर पर टॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हिमाजा और अभिनेत्री सार्या लक्ष्मण ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। इन सितारों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित उत्कृष्ट डिज़ाइनों और बारीकी से तराशे गए आभूषणों की सराहना की। इस मौके पर शहर के कई प्रमुख आभूषण प्रेमी और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आगामी शो के प्रति भारी उत्साह दिखाया।

एशिया जेवल्स शो का मुख्य आयोजन 13, 14 और 15 फरवरी 2026 को हाईटेक सिटी स्थित होटल द वेस्टिन में किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में देश भर के नामी जौहरी अपने विशेष और चुनिंदा कलेक्शन को प्रदर्शित करेंगे।प्रदर्शनी के आयोजकों ने बताया कि इस बार हैदराबाद के आभूषण प्रेमियों के लिए विशेष रूप से वेडिंग कलेक्शन, एंटीक गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी की एक विस्तृत शृंखला पेश की जाएगी। यह शो न केवल आभूषणों की बिक्री का केंद्र है, बल्कि यह बदलते फैशन और कलात्मकता का एक बेहतरीन मंच भी है।

सेवा में समर्पण ही सच्ची पहचान, राधे राधे ग्रुप एक परिवार : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर राधे-राधे हैदराबाद के संयोजक श्री जगतनारायण अग्रवाल ने भावविभोर होकर कहा कि राधे-राधे ग्रुप में न कोई बड़ा है और न कोई छोटा। यहाँ केवल सेवा भाव का सम्मान होता है। जो निस्वार्थ भाव से सेवा करता है, वही वास्तव में सबसे बड़ा है।कार्यक्रम में सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाने वालों में महेश अग्रवाल, गोविंद राम जी, विनोद तोष्णीवाल, अनिल अग्रवाल,अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, पन्ना लाल जी, शिव भगवान, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और प्रेम से जुड़ा एक ऐसा परिवार है, जहाँ हर व्यक्ति समान भाव से जुड़कर मानवता की सेवा करता है। अन्नदान जैसे पुण्य कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण बनते हैं।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में 1.40 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने और बुनियादी ढांचे के कायाकल्प की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 को माननीय विधायक श्री टी. राजा सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कुल 1,40,55,000 की अनुमानित लागत वाले कई विकास कार्यों का भव्य उद्घाटन किया गया।

जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति

यह कार्यक्रम मंगलहाट संभाग की कॉर्पोरेटर श्रीमती एम. शशिकला कृष्णा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, पार्टी कार्यकर्ता, स्थानीय प्रतिनिधि और बस्ती के बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय निवासियों ने फूल-मालाओं के साथ अतिथियों का स्वागत किया और क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

विधायक टी. राजा सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में सड़क और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए परियोजनाओं की आधारशिला रखी और पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्य कार्यों का विवरण इस प्रकार है:-

सीवरेज पाइपलाइन कार्य: विधायक कार्यालय के पास (16.15 लाख), बड़ाबंगला से मी-सेवा तक (11.15 लाख), डॉक्टर गली (5.60 लाख) और पड़ावली माता गली, गंगाबोवडी (7.65 लाख)।

सड़क निर्माण कार्य (सीसी रोड): आर.के. पेर (20.00 लाख), शिव मंदिर (14.80 लाख), दत्तात्रेय कमान (12.60 लाख), पड़ावली माता गली (11.00 लाख), डॉक्टर गली (10.00 लाख), पोसाला बस्ती (8.80 लाख), काली माता मंदिर (6.20 लाख) और गांधी बैठक (4.90 लाख)।

अन्य विकास कार्य: हाई माउंट स्कूल में डी.सी.सी. रोड (2.70 लाख), शिवलाल कम्युनिटी हॉल में सी.सी. फ्लोरिंग (4.50 लाख) और बोरिंग कार्य (4.50 लाख)।

सार्वजनिक कल्याण और बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण

इन पहलों का मुख्य उद्देश्य गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में सड़क संपर्क को मजबूत करना, सीवरेज बुनियादी ढांचे में सुधार करना और समग्र नागरिक सुविधाओं को बढ़ाना है। स्थानीय निवासियों ने विधायक के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इन कार्यों से जलजमाव और खराब रास्तों जैसी समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बबलू, अमरनाथ, राकेश, रमेश, ए. विवेक, संतोष, सुरेश, बंटी, अप्पू, जेडी पारस, नितिन, राज विवेक, देवी पहलवान, अशोक, प्रवीण, बसंती, प्रताप, रामचंद्र लाडू, प्रेम, गणेश, जेडी प्रदीप, जेडी दिगंबर, महादेव सिंह, मुकेश एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा सराहनीय : बजरंग लाल गुप्ता

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर निरंतर जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदनाओं के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी बजरंग लाल गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किया जा रहा यह अन्नदान कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से भूखे को भोजन कराना ही सच्ची भक्ति और मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

उन्होंने आगे कहा कि राधे रानी की कृपा से यह सेवा निरंतर बिना किसी बाधा के चल रही है, जो समाज में सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करती है। ऐसे कार्य अन्य लोगों को भी सेवा मार्ग से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस सेवा कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, हरीश टोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता, बजरंग लाल गुप्ता, सुमनलता गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, सुमित्रा अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धा भाव से सेवा में सहभागिता निभाई। आज की सेवा राजेंद्र अग्रवाल एवं श्रीमती सुमित अग्रवाल की तरफ से की गई।

अंत में सभी ने राधे रानी से प्रार्थना की कि यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ता रहे और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुँचे।

8 फरवरी को श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, काचीगुडा द्वारा भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार से श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा तक निकाली जाने वाली 'श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' के संदर्भ में श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा में आयोजित समीक्षा बैठक में विचार-विमर्श करते हुए श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल, सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गोयल, संतोष अग्रवाल, नरसिंग जायसवाल, जीवन भाटी, अभिषेक शर्मा, संदीप गोयल एवं नगरद्वय के श्याम प्रेमी मण्डलों के सदस्यगण ।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर में आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी शशिकला एवं ट्रस्टी मथुरादास, समाजसेवी गौरत्न नरेन्द्र गोयल को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, अशोक पटेल, रिद्धीश जागीरदार, जयसुख पटेल, पूजा पटेल ।

अवैध निर्माणों पर हाइड्रा का बड़ा प्रहार

सरकारी जमीन, झील और मंदिर की संपत्तियों को कराया मुक्त

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। हाइड्रा ने तीन अलग-अलग स्थानों पर अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर सरकारी जमीन, झीलों के बफर जोन और मंदिर की संपत्ति को सुरक्षित किया।

मेडचल-मलकाजगिरी जिले के दुंडीगल-गंडीमैसम्मा मंडल के अंतर्गत दूलापल्ली गांव में हाइड्रा ने एक बड़ा अभियान चलाया। यहाँ लगभग 42 एकड़ में फैली सुमारुकुंटा झील के पूर्ण टैंक स्तर के भीतर 11 एकड़ में बने अवैध निर्माणों को जमींदोज कर दिया गया।अधिकारियों ने पाया कि झील क्षेत्र में मिट्टी भरकर अवैध रूप से शेड, कंपाउंड वॉल, स्क्रैप की दुकानें, अस्थायी होटल और वेल्डिंग शॉप चलाए जा रहे थे। हाइड्रा ने स्पष्ट किया कि शिकम पट्टा भूमि पर केवल कृषि की अनुमति है, जबकि मिट्टी भरना या निर्माण करना सख्त वर्जित है, क्योंकि इससे मानसून के दौरान बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

खैरताबाद मंडल के यूसुफगुड़ा गांव (सर्वे नंबर 128/1) में हाइड्रा ने 3.20 एकड़ सरकारी जमीन को पुनः प्राप्त किया। यह जमीन शहरी भूमि सीमा अधिनियम के तहत सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई थी।

एजेंसी ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन कब्जाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। इस मामले में बोराबंडा थाने में शरीफ खान नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मौके पर संचालित रेत और ईंट के व्यवसायों को हटाकर जमीन की घेराबंदी कर दी गई है।

एक अन्य अभियान में हाइड्रा ने मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कीसरा मंडल के अंतर्गत नगाम में 1,365 वर्ग गज मंदिर की जमीन को सुरक्षित किया। रामकृष्ण नगर कॉलोनी स्थित एक शिव मंदिर की खाली पड़ी जमीन पर अतिक्रमण की शिकायतों के बाद हाइड्रा ने जांच की। मालिकाना हक की पुष्टि होने के बाद, एजेंसी ने वहाँ बोर्ड लगाकर जमीन को मंदिर की संपत्ति घोषित कर दिया।

श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम मंदिर की 25वीं वर्षगांठ एवं 26वा ध्वजारोहण सहीत त्रिदिवसीय महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत प. पू. सा. श्री चारुदर्शनाश्रीजी म.सा., प. पू. सा. श्री कैवल्यदर्शनाश्रीजी म.सा. की पावन निश्रा मे तथा प. पू. कल्पज्ञ श्रीजी म.सा. के सानिध्य मे आयोजित श्री नमिउण पार्श्वनाथ महापूजन मे भाग लेते हुए पोपटलाल छेडा, संघपती गुलाब मोता, विधिकार राजा नंदु, अनीश छेडा, रिद्धीश जागीरदार, राजीव सावला, चेतन गोसर, विपुल गाला, प्रदीप नागडा, शांताबेन गोसर, जया जागीरदार, भावना नागडा, भानुबेन गाला, दमयंती छेडा एवं अन्य धर्मानुरागी ।

निज़ामाबाद के किसानों का संघर्ष पूरे देश के लिए मिसाल : रेवंत रेड्डी

निज़ामाबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को निज़ामाबाद जिले के किसानों के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि यहाँ के किसानों का संघर्ष न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है। मुख्यमंत्री जिले के बरदीपुर में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि निज़ामाबाद में कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा, ङ्गङ्घविकास कार्य टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किए जा रहे हैं।ङ्घङ्ग आगामी नगर निकाय चुनावों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान किया कि यदि नगर निगमों में कांग्रेस के प्रतिनिधि चुने जाते हैं, तो विकास की गति और तेज होगी।

पिछली बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि 10 साल के शासन के दौरान निज़ामाबाद उपेक्षा का शिकार रहा। वहीं, भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने सवाल किया कि धर्मपुरी अरविंद के दो बार सांसद और नरेंद्र मोदी के तीन बार प्रधानमंत्री बनने के बावजूद निज़ामाबाद को मस्मार्ट सिटीफ का दर्जा क्यों नहीं मिला। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार के दावों पर भाजपा की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और आर-ोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और बीआरएस नेताओं को बचा रहे हैं।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया, जिनमें शामिल हैं: पात्र परिवारों को राशन कार्ड जारी करना। महीन चावल की आपूर्ति। महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा।

200 यूनिट मुफ्त बिजली और महिला स्वयं सहायता समूहों को शून्य ब्याज पर ऋण।

इंदिरा अम्मा आवास योजना के तहत घरों का निर्माण।उन्होंने अंत में विश्वास व्यक्त किया कि लोग एक बार फिर कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताएंगे और निज़ामाबाद नगर निगम सहित जिले की सभी नगर पालिकाओं में कांग्रेस का झंडा लहराएगा।

सम्मक्का-सरलम्मा हुंडी में दो दिनों में चढ़ा 6.04 करोड़ का चढ़ावा

हनुमकोंडा, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व प्रसिद्ध श्री सम्मक्का-सरलम्मा जतारा में श्रद्धालुओं की अटूट आस्था हुंडी संग्रह के आंकड़ों में स्पष्ट रूप से झलक रही है। हनुमकोंडा में जारी हुंडी गणना के शुरुआती दो दिनों में कुल 6,04,53,636 का संग्रह दर्ज किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह राशि अब तक खोली गई 285 हुंडियों से प्राप्त हुई है।

हुंडी गणना की प्रक्रिया 5 फरवरी को हनुमकोंडा स्थित टीटीडी कल्याण मंडपम में शुरू हुई। बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों और सेवा समिति के सदस्यों की कड़ी निगरानी में शुक्रवार शाम 6 बजे तक गणना का कार्य सुचारू रूप से चला।

प्रथम दिन (5 फरवरी): 125 हुंडियां खोली गईं, जिनसे 2,49,65,000 प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त 63,436 मूल्य की विदेशी मुद्रा भी मिली।

दूसरे दिन (6 फरवरी): 160 हुंडियां खोली गईं, जिनसे 3,54,25,200 की राशि प्राप्त हुई।

प्रशासन द्वारा कुल 828 हुंडियों का हिसाब-किताब रखा जा रहा है। इनमें विविधता भी देखने को मिली है: 780 लोहे की हुंडियां (मुख्य संग्रह हेतु)। 45 कपड़े की हुंडियां। 3 चावल की हुंडियां (परंपरागत चढ़ावे हेतु)।सुरक्षा के कड़े प्रबंधों के बीच, सोने और चांदी के चढ़ावे को लोहे की हुंडियों में अलग से रखा गया है और उन्हें अधिकारियों की उपस्थिति में सुरक्षित रूप से लॉक कर दिया गया है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अभी केवल नोटों की गणना की गई है, सिक्कों की गिनती शुरू होना बाकी है। 6 फरवरी को संग्रहित 3,54,88,636 की राशि को सत्यापन और अंतिम गिनती के लिए बैंक अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और आस्था को देखते हुए आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, MOHAMMED AMER KHAN (old Name), S/o MOHAMMED ISMAIL KHAN, R/o.H.No.6-4-167, Gangampet, Town & Mandal: KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to ANWAR KHAN Here after my name is known as ANWAR KHAN

CHANGE OF NAME
I, MOHAMMED ISMAIL KHAN (old Name), S/o SULTHAN SHAKHAN, R/o. H.No.6-4-167, Gangampet, Town & Mandal: KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to BABU KHAN Here after my name is known as BABU KHAN

इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस-वे : अब 18 घंटे की यात्रा मात्र 10 घंटे में

सागर (मध्य प्रदेश), 06 फरवरी (एजेंसियां)।

देश में विकास की रफ्तार में तेजी से आगे बढ़ रहे 2 शहरों के बीच की दूरी एक्सप्रेस-वे से कम होने जा रही है। पहले जो सफर 18 घंटे में पूरा होता था, अब महज 10 घंटे में पूरा हो जाएगा। इंदौर और हैदराबाद के बीच बन रहे एक्सप्रेस-वे से ये कमाल होने वाला है। करीब 715 किमी लंबा ये एक्सप्रेस-वे इस साल बनकर पूरा हो जाएगा। इससे दोनों शहरों के बीच की दूरी भी वर्तमान रूट की तुलना में करीब 150 किमी कम होने जा रही है।

भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा एक्सप्रेस-वे

भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे इस सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे का काम करीब 80 फीसदी हो चुका है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना से होकर गुजर रहे इस एक्सप्रेस-वे से आर्थिक विकास की रफ्तार को भी गति मिलेगी। वैसे तो इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य 2025 रखा गया था, लेकिन अब ये 2026 में पूरा हो पाएगा और इसी साल से इस एक्सप्रेस वे पर भारी और हल्के वाहन फर्राटा दौड़ते नजर आएंगे।

इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस वे में क्या है खास

भारतमाला प्रोजेक्ट के पहले चरण के तहत इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस-वे का निर्माण नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है। इस एक्सप्रेस वे में ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड दोनों तरह के हिस्सों का निर्माण किया जा रहा है। इसकी कुल लंबाई 715 से 720 किमी रहने वाली है, जिसका निर्माण कार्य अंतिम दौर में है। मध्य प्रदेश में बन रही भेरूघाट टनल और वायक्ट जैसे कई कठिन हिस्सों का निर्माण कार्य हो चुका है।

इंदौर के आर्थिक विकास में आएगी गति

इस एक्सप्रेस-वे का मुख्य उद्देश्य यात्रा के समय को कम करना और साथ ही दोनों शहरों के बीच की दूरी कम करना है। इस एक्सप्रेस-वे के जरिए मध्य प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र इन तीनों प्रदेशों की कनेक्टिविटी में सुधार भी होगा। खास बात ये है कि मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर जैसे शहर की महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे तेजी से तरक्की कर रहे राज्यों से कनेक्टिविटी में सुधार होगा और इंदौर के आर्थिक विकास में और गति आएगी।

किन शहरों के बीच होगी कनेक्टिविटी

इस एक्सप्रेस-वे से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कई बड़े और मंझोले शहरों को फायदा मिलने वाला है। इंदौर के तेजाजी नगर से शुरू होने वाला एक्सप्रेस-वे बुरहानपुर और बड़वाह होते हुए महाराष्ट्र के मुक्ताईनगर, जलगांव, अकोला, हिंगोली और नांदेड़ से जुड़ेगा। वहीं, तेलंगाना के मंगलूर, रामसनपल्ली, संगारेड्डी से होते हुए हैदराबाद से जुड़ जाएगा। इस मार्ग में थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है।

क्या होता है सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे?

सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे तकनीक फुल एक्सप्रेस-वे से मिलती जुलती है, लेकिन इसमें एंट्री और एग्जिट फुल एक्सप्रेस-वे जैसा सख्त नहीं होता है। ये मुख्य तौर पर बड़े शहरों को जोड़ने के लिए बनाए जाते हैं, जहां क्रॉसिंग के लिए फ्लाईओवर और सर्विस रोड के जरिए अन्य मार्गों से जोड़ा जाता है। इसमें विभाजित लेन होती है। एक्सप्रेस वे पर किसी शहर या इलाके का ट्रैफिक सीधे प्रवेश नहीं कर पाता है, बल्कि सर्विस रोड के जरिए प्रवेश लेना होता है। आमतौर पर इन पर सामान्य हाईवे के मुकाबले वाहनों की गति ज्यादा होती है, लेकिन फुल एक्सप्रेस वे की तुलना में इसमें कम सख्ती से प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

मध्य प्रदेश के विकास में गति लाएगा सेमी एक्सेस एक्सप्रेस-वे

इंदौर के व्यावसायी ऋषभ जैन कहते हैं कि ये एक्सप्रेस-वे इंदौर के व्यवसाय में पंख लगाने का काम करेगा। इसका फायदा सिर्फ इंदौर को नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश को मिलेगा, क्योंकि इंदौर, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे तेजी से विकास कर रहे प्रदेश के शहरों से जुड़ेगा। खास फायदा ये है कि यहां लॉजिस्टिक को बढ़ावा मिलेगा। माल ढुलाई और डिलेवरी में वक्त कम लगेगा। दूरी कम होने के कारण किराया कम होगा, जिससे उपभोक्ता को चीजें सस्ती मिलेंगी। कनेक्टिविटी भले इंदौर और हैदराबाद की होगी, लेकिन इंदौर से संचालित होने वाले वो व्यावसाय जिनसे पूरे मध्य प्रदेश का सरोकार रहता है, उस पर उपभोक्ताओं के फायदे वाला असर दिखेगा।

जन्मदिन पर सेवा का अनमोल तोहफ़ा मिला : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के समीप नियमित रूप से चल रहे अन्नदान कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को सेवा और समर्पण से भरे वातावरण में रोहित अग्रवाल का जन्मदिन मनाया गया।

इस अवसर पर अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया गया, जिससे जन्मदिन का उत्सव एक आध्यात्मिक और भावनात्मक स्वरूप में परिवर्तित हो गया। अपने भाव व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने उन्हें जीवन का ऐसा अनमोल उपहार दिया है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यह सम्मान मेरे लिए किसी तोहफ़े से कहीं बढ़कर है। मैं धन्यवाद भी ठीक से व्यक्त नहीं कर पा रहा। राधे-राधे ग्रुप ने मुझे जो अपनापन और सेवा का मार्ग दिया है, वह मेरे जीवन की अमूल्य पूंजी है।

रोहित अग्रवाल ने इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश गुप्ता एवं महेश अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं के मार्गदर्शन और विश्वास से उन्हें इस सेवा परिवार का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, मनीष अग्रवाल, गौरव गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, धर्मेंद्र गोयल, सुरेश डालमिया सहित अन्य राधे-राधे ग्रुप के सदस्य शामिल रहे।

कुमावत समाज तेलंगाना ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश कुमावत के समर्थन में किया चुनावी प्रचार

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी दिनेश कुमावत के समर्थन में ईशानापुर म्युनिसिपल वार्ड016 में चुनाव प्रचार के दौरान कैंपिंग कर सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर सभी ने दिनेश कुमावत को भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव में विजय की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, संगारेड्डी अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया, गाछी बावली अध्यक्ष लुंबाराम जालोरा, बुधाराम होतवाल, जय प्रकाश चांदोरा, मांगीलाल बावलेचा, अन्दराम मानावत, हनुमान पीपावत, रमेश भादनिया, राकेश दुबलदिया, बुधाराम बावलेचा, तेजाराम दुबलदिया एवं पेमाराम एकलिया सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल रेल हिंदी क्विज प्रतियोगिता02025 का आयोजन

इरिफेम, सिकंदराबाद में हुई क्विज़ प्रतियोगिता में अलग-अलग ज़ोन और उत्पादन यूनिटों की 28 टीमों ने भाग लिया

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के तत्वावधान में, अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 का आयोजन आज अर्थात् 06.02.2026 को भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान, सिकंदराबाद में किया गया. सुश्री वी.जी. भूमा, अपर सदस्य (मानव संसाधन), रेलवे बोर्ड ने मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ. वी. सुगुणा, निदेशक/राजभाषा ने सम्माननीय अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई. कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री अपर्णा गर्ग, महानिदेशक/इरिफेम और श्री सिर्रा शांति राजू, अपर महानिदेशक/ इरिफेम ने की. श्री सिद्धार्थ कटि, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/दमरे, श्री जी.आर.एस. राव, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन)/दमरे और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे । यह प्रतियोगिता भारतीय रेल में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच राजभाषा (हिंदी) के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई. यह भी ध्यान देने वाली बात है कि मगफ क्षेत्र में स्थित सिकंदराबाद को इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए चुना गया ताकि हिंदीतर भाषी क्षेत्रों में स्थित रेलवे कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग और प्रचार को और अधिक बढ़ावा मिल सके. सभी ज़ोन और यूनिटों की 28 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें 120 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित थे।

सुश्री वी.जी. भूमा, अपर सदस्य (मानव संसाधन), रेलवे बोर्ड ने अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 के प्रतिभागियों की सराहना की, इसे क्विज़ फॉर्मेट के ज़रिए हिंदी को बढ़ावा देने की एक अनोखी पहल बताया और राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए शुभकामनाएं दीं।छः फाइनलिस्ट टीमों के अपने टैलेंट प्रदर्शन के साथ अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 संपन्न हुई. इस प्रत्योगिता में पूर्व मध्य रेलवे को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ और उत्तर पश्चिम रेलवे और पूर्व तट रेलवे को द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. बनारस लोकोमोटिव वर्क्स और पश्चिम मध्य रेलवे को प्रेरणा पुरस्कार दिया गया, यह समारोह भारतीय रेल में हिंदी की उत्कृष्टता का प्रतिपादन करनेवाला एक गौरवपूर्ण उत्सव साबित हुआ।

सुश्री अपर्णा गर्ग ने आईआरआईएफएम द्वारा पहली बार अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 की मेज़बानी करने पर गर्व जताया और कहा कि इसमें भाग लेने वाली लगभग 30 टीमों ने राजभाषा के प्रति ज़बरदस्त उत्साह दिखाया है।

सम्मन बनाम रेस्पोडेन्ट

सूचना के लिए

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, नागौर

राजस्व अपील सं. 150/2023

अपीलांट्स	बनाम	रेस्पोडेन्ट
रामभजन		माडू वगैरा

नोटिस वास्ते

1. उमा पुत्री श्रीमती माडू पत्नी रामजीवण उपाध्याय निवासी 14/3/57 गोशा महल बेगम बाजार हैदराबाद
2. अरूणा पुत्री श्रीमती माडू पत्नी पवन कुमार निवासी तिवारी 15/4/425 उस्मानसाही अफजलगंज हैदराबाद तेलंगाना
3. चन्द्राराम पुत्र मेहराम जाति जाट निवासी डांगावास तहसील मेडता जिला नागौर

इस नोटिस के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि अपीलांट रामभजन द्वारा न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मेड़ता के निर्णय के विरूद्ध अपील इस न्यायालय में धारा 223 राज. टिनेन्सी एक्ट के तहत पेश की है।

अतः आप स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत अधिवक्ता इस न्यायालय में दिनांक 04.03.2026 को समय सुबह 9.30 पर उपस्थित आवे अन्यथा प्रकरण का निस्तारण एकपक्षीय सुनकर किया जाएगा।

यह नोटिस न्यायालय की मोहर व मेरे हस्ताक्षर द्वारा दिनांक 28/01/26 को जारी किया गया।

हस्ता/-

राजस्व अपील प्राधिकारी, नागौर

राजस्व अपील प्राधिकारी,

नागौर (राज.)

रामभजन उपाध्याय

7095484589

लाला पहलवान की स्मृति में शोक सभा आज

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रख्यात पहलवान स्व. लल्लूलालजी यादव (लाला पहलवान) के आकस्मिक निधन से समाज एवं संगठन में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन को सामाजिक, राजनीतिक एवं खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

दिवंगत आत्मा की पुण्य स्मृति में शनिवार, 7 फ़रवरी 2026 को सायं 5 से 7 बजे तक बेगम बाज़ार स्थित सनातन धर्म सभा प्रांगण, शंकर बाज़ार में शोक सभा का आयोजन किया जा रहा है। शोक सभा में भाजपा के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, कुश्ती जगत से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर स्वर्गीय लल्लूलाल यादव द्वारा समाज, राजनीति एवं खेल क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण किया जाएगा तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

आयोजकों की ओर से समस्त मित्रों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों से शोक सभा में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं शोकसंतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की अपील की गई है।

लेफ्टिनेंट कर्नल बनवाने ने विवाह वर्षगांठ पर किया समाज सेवा का अनुकरणीय कार्य

हुब्बल्ली, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय सेना में लेह0लद्दाख में सेवाएं दे रहे लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने ने अपनी विवाह वर्षगांठ के अवसर पर समाज सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने हुब्बल्ली स्थित ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा संचालित महावीर लिम्ब सेंटर का दौरा कर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

देश सेवा में समर्पित लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने अपनी पत्नी सुमा अभिषेक बनवाने के साथ लिंब सेंटर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि सुमा अभिषेक बनवाने मैसूर विश्वविद्यालय से जैनोलॉजी में स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं। इस दौरान महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, संयुक्त सचिव महावीर कुंदूर एवं निदेशक सुधीर वोरा ने बनवाने दंपति का स्वागत किया तथा सेंटर द्वारा किए जा रहे मानवसेवी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

दिव्यांगजनों के लिए महावीर लिंब सेंटर द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ सेवा कार्यों से लेफ्टिनेंट कर्नल बनवाने अत्यंत प्रभावित हुए। सेवा भावना से प्रेरित होकर उन्होंने अपने पुत्र वीराज के जन्मदिन को भी सेवा गतिविधियों के माध्यम से मनाने का निर्णय लिया तथा भविष्य में भी महावीर लिंब सेंटर की विभिन्न सेवा योजनाओं में सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की।

इस अवसर पर ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने का सम्मान किया गया तथा लिंब सेंटर का दौरा करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, D NADIPI KASAIAH Father of Service No. 2623310F Nk DUDEKULADASTAGIRI, Residing at 7-82A, Gundreddypalli Vill, Daddawada (PO), Komarole (Teh), Prakasam Dist, Andhra Pradesh-523356 have changed my name from D NADIPI KASAIAH to DUDEKULA SYDANNA GARI NADIP TELLA KASHAIAH vide affidavit signed before Gurrala Ramu, Advocate and Notary, Prakasam Dist, A.P.

CHANGE OF NAME

I, D MANGALA GOWRI is Legally wedded spouse (Existing name in Service Records In Sparsh PPO No:601200203002) of service Number, 690429L, Rank: Ex SGT. Name: D SRI KRISHNA, Presently R/O. H.NO.29-1407/6/7, DINAKAR NAGAR. NEAR GOWRI SHANKAR APARTMENT, NEREDMET, MALKAJGIRI, DIST: MEDCHAL-MALKAJGIRI, STATE: TELANGANA, PIN: 500056, I have Changed my name from D MANGALA GOWRI to DIVAKARLA MANGALA GOWRI

CHANGE OF NAME

I, D SRI KRISHNA, S/o Late DIVAKARLA SUBBA RAO, Service number 690429L Rank: Ex-SGT, (As per Existing name in sparsh PPO NO 601200203002) presently residing at H/No 29-1407/6/7, Dinakar Nagar, Near Gowri Shankar Apartment, Neredmet, Malkajgiri, Hyderabad, Telangana, Pin: 500056, that I have changed my name from D SRI KRISHNA to DIVAKARLA SRIKRISHNA

इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस-वे : अब 18 घंटे की यात्रा मात्र 10 घंटे में

सागर (मध्य प्रदेश), 06 फरवरी (एजेंसियां)। देश में विकास की रफ्तार में तेजी से आगे बढ़ रहे 2 शहरों के बीच की दूरी एक्सप्रेस-वे से कम होने जा रही है। पहले जो सफर 18 घंटे में पूरा होता था, अब महज 10 घंटे में पूरा हो जाएगा। इंदौर और हैदराबाद के बीच बन रहे एक्सप्रेस-वे से ये कमाल होने वाला है। करीब 715 किमी लंबा ये एक्सप्रेस-वे इस साल बनकर पूरा हो जाएगा। इससे दोनों शहरों के बीच की दूरी भी वर्तमान रूट की तुलना में करीब 150 किमी कम होने जा रही है।

भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा एक्सप्रेस-वे

भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे इस सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे का काम करीब 80 फीसदी हो चुका है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना से होकर गुजर रहे इस एक्सप्रेस-वे से आर्थिक विकास की रफ्तार को भी गति मिलेगी। वैसे तो इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य 2025 रखा गया था, लेकिन अब ये 2026 में पूरा हो पाएगा और इसी साल से इस एक्सप्रेस वे पर भारी और हल्के वाहन फर्राटा दौड़ते नजर आएंगे।

इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस वे में क्या है खास

भारतमाला प्रोजेक्ट के पहले चरण के तहत इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस-वे का निर्माण नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है। इस एक्सप्रेस वे में ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड दोनों तरह के हिस्सों का निर्माण किया जा रहा है। इसकी कुल लंबाई 715 से 720 किमी रहने वाली है, जिसका निर्माण कार्य अंतिम दौर में है। मध्य प्रदेश में बन रही भेरूघाट टनल और वायक्ट जैसे कई कठिन हिस्सों का निर्माण कार्य हो चुका है।

इंदौर के आर्थिक विकास में आएगी गति

इस एक्सप्रेस-वे का मुख्य उद्देश्य यात्रा के समय को कम करना और साथ ही दोनों शहरों के बीच की दूरी कम करना है। इस एक्सप्रेस-वे के जरिए मध्य प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र इन तीनों प्रदेशों की कनेक्टिविटी में सुधार भी होगा। खास बात ये है कि मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर जैसे शहर की महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे तेजी से तरक्की कर रहे राज्यों से कनेक्टिविटी में सुधार होगा और इंदौर के आर्थिक विकास में और गति आएगी।

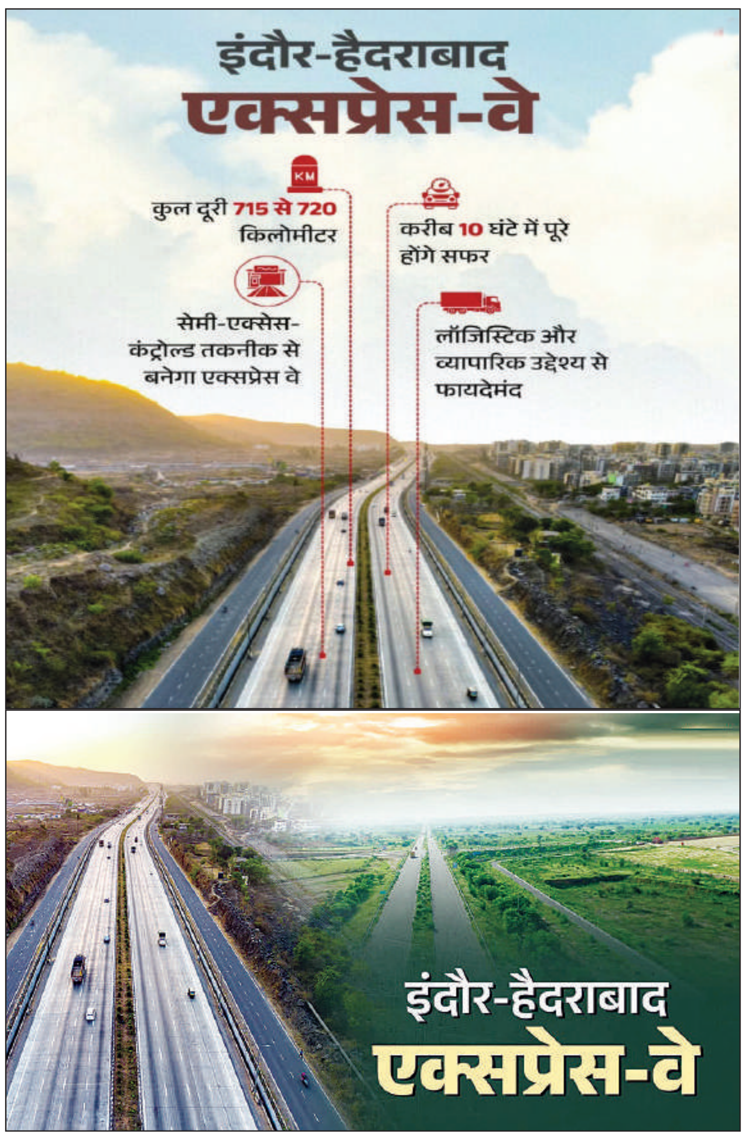

किन शहरों के बीच होगी कनेक्टिविटी

इस एक्सप्रेस-वे से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कई बड़े और मंझोले शहरों को फायदा मिलने वाला है। इंदौर के तेजाजी नगर से शुरू होने वाला एक्सप्रेस-वे बुरहानपुर और बड़वाह होते हुए महाराष्ट्र के मुक्ताईनगर, जलगांव, अकोला, हिंगोली और नांदेड़ से जुड़ेगा। वहीं, तेलंगाना के मंगलूर, रामसनपल्ली, संगारेड्डी से होते हुए हैदराबाद से जुड़ जाएगा। इस मार्ग में थोड़ा बहुत फेरबदल हो सकता है।

क्या होता है सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे?

सेमी-एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे तकनीक फुल एक्सप्रेस-वे से मिलती जुलती है, लेकिन इसमें एंट्री और एग्जिट फुल एक्सप्रेस-वे जैसा सख्त नहीं होता है। ये मुख्य तौर पर बड़े शहरों को जोड़ने के लिए बनाए जाते हैं, जहां क्रॉसिंग के लिए फ्लाईओवर और सर्विस रोड के जरिए अन्य मार्गों से जोड़ा जाता है। इसमें विभाजित लेन होती है। एक्सप्रेस वे पर किसी शहर या इलाके का ट्रैफिक सीधे प्रवेश नहीं कर पाता है, बल्कि सर्विस रोड के जरिए प्रवेश लेना होता है। आमतौर पर इन पर सामान्य हाईवे के मुकाबले वाहनों की गति ज्यादा होती है, लेकिन फुल एक्सप्रेस वे की तुलना में इसमें कम सख्ती से प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

मध्य प्रदेश के विकास में गति लाएगा सेमी एक्सेस एक्सप्रेस-वे

इंदौर के व्यावसायी ऋषभ जैन कहते हैं कि ये एक्सप्रेस-वे इंदौर के व्यवसाय में पंख लगाने का काम करेगा। इसका फायदा सिर्फ इंदौर को नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश को मिलेगा, क्योंकि इंदौर, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे तेजी से विकास कर रहे प्रदेश के शहरों से जुड़ेगा। खास फायदा ये है कि यहां लॉजिस्टिक को बढ़ावा मिलेगा। माल ढुलाई और डिलेवरी में वक्त कम लगेगा। दूरी कम होने के कारण किराया कम होगा, जिससे उपभोक्ता को चीजें सस्ती मिलेगी। कनेक्टिविटी भले इंदौर और हैदराबाद की होगी, लेकिन इंदौर से संचालित होने वाले वो व्यावसाय जिनसे पूरे मध्य प्रदेश का सरोकार रहता है, उस पर उपभोक्ताओं के फायदे वाला असर दिखेगा।

जन्मदिन पर सेवा का अनमोल तोहफ़ा मिला : रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के समीप नियमित रूप से चल रहे अन्नदान कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को सेवा और समर्पण से भरे वातावरण में रोहित अग्रवाल का जन्मदिन मनाया गया।

इस अवसर पर अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया गया, जिससे जन्मदिन का उत्सव एक आध्यात्मिक और भावनात्मक स्वरूप में परिवर्तित हो गया। अपने भाव व्यक्त करते हुए रोहित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने उन्हें जीवन का ऐसा अनमोल उपहार दिया है, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यह सम्मान मेरे लिए किसी तोहफ़े से कहीं बढ़कर है। मैं धन्यवाद भी ठीक से व्यक्त नहीं कर पा रहा। राधे-राधे ग्रुप ने मुझे जो अपनापन और सेवा का मार्ग दिया है, वह मेरे जीवन की अमूल्य पूंजी है।

रोहित अग्रवाल ने इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश गुप्ता एवं महेश अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं के मार्गदर्शन और विश्वास से उन्हें इस सेवा परिवार का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, मनीष अग्रवाल, गौरव गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, धर्मेंद्र गोयल, सुरेश डालमिया सहित अन्य राधे-राधे ग्रुप के सदस्य शामिल रहे।

कुमावत समाज तेलंगाना ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश कुमावत के समर्थन में किया चुनावी प्रचार

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी दिनेश कुमावत के समर्थन में ईशानापुर म्युनिसिपल वार्ड016 में चुनाव प्रचार के दौरान कैंपिंग कर सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर सभी ने दिनेश कुमावत को भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव में विजय की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, संगारेड्डी अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया, गाछी बावली अध्यक्ष लुंबाराम जालोरा, बुधाराम होतवाल, जय प्रकाश चांदोरा, मांगीलाल बावलेचा, अन्दराम मानावत, हनुमान पीपावत, रमेश भादनिया, राकेश दुबलदिया, बुधाराम बावलेचा, तेजाराम दुबलदिया एवं पेमाराम एकलिया सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल रेल हिंदी क्विज प्रतियोगिता02025 का आयोजन

इरिफेम, सिकंदराबाद में हुई क्विज़ प्रतियोगिता में अलग-अलग ज़ोन और उत्पादन यूनिटों की 28 टीमों ने भाग लिया

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के तत्वावधान में, अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 का आयोजन आज अर्थात् 06.02.2026 को भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान, सिकंदराबाद में किया गया. सुश्री वी.जी. भूमा, अपर सदस्य (मानव संसाधन), रेलवे बोर्ड ने मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ. वी. सुगुणा, निदेशक/राजभाषा ने सम्माननीय अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई. कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री अपर्णा गर्ग, महानिदेशक/इरिफेम और श्री सिर्रा शांति राजू, अपर महानिदेशक/ इरिफेम ने की. श्री सिद्धार्थ कटि, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी/दमरे, श्री जी.आर.एस. राव, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन)/दमरे और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। यह प्रतियोगिता भारतीय रेल में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच राजभाषा (हिंदी) के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई. यह भी ध्यान देने वाली बात है कि मगफ क्षेत्र में स्थित सिकंदराबाद को इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए चुना गया ताकि हिंदीतर भाषी क्षेत्रों में स्थित रेलवे कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग और प्रचार को और अधिक बढ़ावा मिल सके. सभी ज़ोन और यूनिटों की 28 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें 120 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित थे।

सुश्री वी.जी. भूमा, अपर सदस्य (मानव संसाधन), रेलवे बोर्ड ने अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 के प्रतिभागियों की सराहना की, इसे क्विज़ फॉर्मेट के ज़रिए हिंदी को बढ़ावा देने की एक अनोखी पहल बताया और राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए शुभकामनाएं दीं।छः फाइनलिस्ट टीमों के अपने टैलेंट प्रदर्शन के साथ अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 संपन्न हुई. इस प्रत्योगिता में पूर्व मध्य रेलवे को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ और उत्तर पश्चिम रेलवे और पूर्व तट रेलवे को द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. बनारस लोकोमोटिव वर्क्स और पश्चिम मध्य रेलवे को प्रेरणा पुरस्कार दिया गया, यह समारोह भारतीय रेल में हिंदी की उत्कृष्टता का प्रतिपादन करनेवाला एक गौरवपूर्ण उत्सव साबित हुआ।

सुश्री अपर्णा गर्ग ने आईआरआईएफएम द्वारा पहली बार अखिल रेल हिंदी क्विज़ प्रतियोगिता-2025 की मेज़बानी करने पर गर्व जताया और कहा कि इसमें भाग लेने वाली लगभग 30 टीमों ने राजभाषा के प्रति ज़बरदस्त उत्साह दिखाया है।

सम्मन बनाम रेस्पोडेन्ट

सूचना के लिए

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, नागौर

राजस्व अपील सं. 150/2023

अपीलांट्स बनाम रेस्पोडेन्ट

रामभजन माडू वगैरा

नोटिस वास्ते

1. उमा पुत्री श्रीमती माडू पत्नी रामजीवण उपाध्याय निवासी 14/3/57 गोशा महल बेगम बाजार हैदराबाद
2. अरूणा पुत्री श्रीमती माडू पत्नी पवन कुमार निवासी तिवारी 15/4/425 उस्मानसाही अफजलगंज हैदराबाद तेलंगाना
3. चन्द्राराम पुत्र मेहराम जाति जाट निवासी डांगावास तहसील मेडता जिला नागौर

इस नोटिस के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि अपीलांट रामभजन द्वारा न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मेड़ता के निर्णय के विरूद्ध अपील इस न्यायालय में धारा 223 राज. टिनेन्सी एक्ट के तहत पेश की है।

अतः आप स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत अधिवक्ता इस न्यायालय में दिनांक 04.03.2026 को समय सुबह 9.30 पर उपस्थित आवे अन्यथा प्रकरण का निस्तारण एकपक्षीय सुनकर किया जाएगा।

यह नोटिस न्यायालय की मोहर व मेरे हस्ताक्षर द्वारा दिनांक 28/01/26 को जारी किया गया।

हस्ता/-

राजस्व अपील प्राधिकारी, नागौर

राजस्व अपील प्राधिकारी, नागौर (राज.)

रामभजन उपाध्याय
7095484589

लाला पहलवान की स्मृति में शोक सभा आज

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रख्यात पहलवान स्व. लल्लूलालजी यादव (लाला पहलवान) के आकस्मिक निधन से समाज एवं संगठन में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन को सामाजिक, राजनीतिक एवं खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

दिवंगत आत्मा की पुण्य स्मृति में शनिवार, 7 फ़रवरी 2026 को सायं 5 से 7 बजे तक बेगम बाज़ार स्थित सनातन धर्म सभा प्रांगण, शंकर बाज़ार में शोक सभा का आयोजन किया जा रहा है। शोक सभा में भाजपा के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, कुश्ती जगत से जुड़े लोग तथा बड़ी संख्या में नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर स्वर्गीय लल्लूलाल यादव द्वारा समाज, राजनीति एवं खेल क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण किया जाएगा तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

आयोजकों की ओर से समस्त मित्रों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों से शोक सभा में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं शोकसंतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की अपील की गई है।

लेफ्टिनेंट कर्नल बनवाने ने विवाह वर्षगांठ पर किया समाज सेवा का अनुकरणीय कार्य

हुब्बल्ली, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय सेना में लेह0लद्दाख में सेवाएं दे रहे लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने ने अपनी विवाह वर्षगांठ के अवसर पर समाज सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने हुब्बल्ली स्थित ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा संचालित महावीर लिम्ब सेंटर का दौरा कर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

देश सेवा में समर्पित लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने अपनी पत्नी सुमा अभिषेक बनवाने के साथ लिंब सेंटर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि सुमा अभिषेक बनवाने मैसूर विश्वविद्यालय से जैनोलॉजी में स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं। इस दौरान महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, संयुक्त सचिव महावीर कुंदूर एवं निदेशक सुधीर वोरा ने बनवाने दंपति का स्वागत किया तथा सेंटर द्वारा किए जा रहे मानवसेवी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

दिव्यांगजनों के लिए महावीर लिंब सेंटर द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ सेवा कार्यों से लेफ्टिनेंट कर्नल बनवाने अत्यंत प्रभावित हुए। सेवा भावना से प्रेरित होकर उन्होंने अपने पुत्र वीराज के जन्मदिन को भी सेवा गतिविधियों के माध्यम से मनाने का निर्णय लिया तथा भविष्य में भी महावीर लिंब सेंटर की विभिन्न सेवा योजनाओं में सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की।

इस अवसर पर ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक बनवाने का सम्मान किया गया तथा लिंब सेंटर का दौरा करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, D NADIPI KASAIAH Father of Service No. 2623310F Nk DUDEKULADASTAGIRI, Residing at 7-82A, Gundreddypalli Vill, Daddawada (PO), Komarole (Teh), Prakasam Dist, Andhra Pradesh-523356 have changed my name from D NADIPI KASAIAH to DUDEKULA SYDANNA GARI NADIP TELLA KASHAIAH vide affidavit signed before Gurrala Ramu, Advocate and Notary, Prakasam Dist, A.P.

CHANGE OF NAME

I, D MANGALA GOWRI is Legally wedded spouse (Existing name in Service Records In Sparsh PPO No:601200203002) of service Number, 690429L, Rank: Ex SGT. Name: D SRI KRISHNA, Presently R/O. H.NO.29-1407/6/7, DINAKAR NAGAR. NEAR GOWRI SHANKAR APARTMENT, NEREDMET, MALKAJGIRI, DIST: MEDCHAL-MALKAJGIRI, STATE: TELANGANA, PIN: 500056, I have Changed my name from D MANGALA GOWRI to DIVAKARLA MANGALA GOWRI

CHANGE OF NAME

I, D SRI KRISHNA, S/o Late DIVAKARLA SUBBA RAO, Service number 690429L Rank: Ex-SGT, (As per Existing name in sparsh PPO NO 601200203002) presently residing at H/No 29-1407/6/7, Dinakar Nagar, Near Gowri Shankar Apartment, Neredmet, Malkajgiri, Hyderabad, Telangana, Pin: 500056, that I have changed my name from D SRI KRISHNA to DIVAKARLA SRIKRISHNA

बाबू का बड़ा दावा

बाथरूम क्लीनर से बने थे तिरुपति लड्डू

कर्नूल, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में भक्तों को वितरित किए जाने वाले लड्डू प्रसाद को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उस दौरान तिरुपति मंदिर के लड्डू ऐसे घी से बनाए गए, जो बाथरूम साफ करने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल से तैयार किया गया था।

सीएम नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के कार्यकाल में पांच वर्षों तक भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रसाद में मिलावट की गई और इससे मंदिर की पवित्रता को ठेस पहुंची।मुख्यमंत्री ने कहा कि जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने तिरुपति मंदिर के प्रसाद को अपवित्र किया। उन्होंने दावा किया कि जिस घी का इस्तेमाल लड्डू बनाने में किया गया, वह बाथरूम क्लीनर में प्रयुक्त होने वाले केमिकलों से तैयार था। सीएम नायडू ने यह बयान कर्नूल जिले के येम्मिगनूर में आयोजित एक जनसभा के दौरान दिया। इस कार्यक्रम में वे किसानों को 'आपकी जमीन0आपका अधिकार' योजना के तहत पट्टादार पासबुक वितरित करने

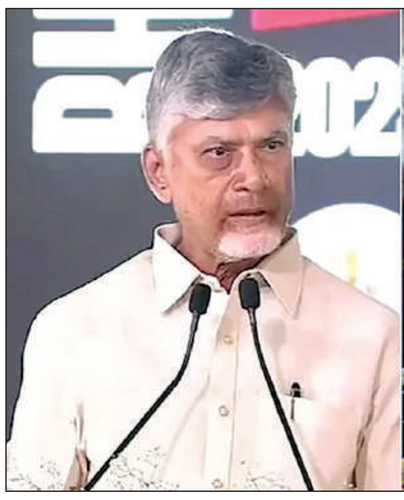

पहुंचे थे।

नायडू ने कहा कि प्रसाद के नाम पर श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया और यह मामला सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास से जुड़ा हुआ है।

पहले और अब के लड्डुओं में बड़ा अंतर

सीएम नायडू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी यह दावा कर रहे हैं कि सीबीआई और एसआईटी ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है, लेकिन तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष और उनके चाचा वाई. वी. सुब्बा रेड्डी स्वयं प्रसाद में मिलावट की बात स्वीकार कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि मिलावट के खुलासे के बाद हालात सुधारने की कोशिश जरूर की गई, लेकिन पहले और अब दिए जा रहे लड्डुओं में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है।

फरवरी 2025 में हुई थी चार लोगों की गिरफ्तारी

गौरतलब है कि तिरुपति लड्डुओं में कथित मिलावट का मामला लंबे समय से चर्चा में है। इस मामले में फरवरी 2025 में डेयरी उद्योग से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों में भोले बाबा डेयरी के पूर्व निदेशक विपिन जैन और पोमिल जैन, वैष्णवी डेयरी के अपूर्व चावड़ा और एआर डेयरी के राजू राजशेखरन शामिल हैं।

शुरुआत में लड्डू के घी में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोप सामने आए थे, जिसके बाद मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल और केंद्रीय जांच ब्यूरो को शामिल किया गया।

पहले भी लगा चुके हैं गंभीर आरोप

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इससे पहले सितंबर में भी आरोप लगाया था कि जगन मोहन रेड्डी सरकार के दौरान तिरुपति लड्डू तैयार करने में पशु चर्बी मिला घी इस्तेमाल किया गया था। उनके इस बयान से उस समय राज्य की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जो अब एक बार फिर ताजा बयानों के बाद तेज होता नजर आ रहा है।

मेयर और चेयरमैन चुनाव

पदेन मतदाताओं पर निर्णय लेगा नगर प्रशासन विभाग

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर प्रशासन और शहरी विकास (MAUD) विभाग को अब यह तय करना होगा कि शहरी स्थानीय निकायों के महापौर और अध्यक्षों के अप्रत्यक्ष चुनावों में पदेन (Ex-officio) मतदाता के रूप में वोट देने के लिए कौन पात्र होगा।

यह मुद्दा साल 2020 का है, जब तत्कालीन बीआरएस राज्यसभा सदस्य के. केशव राव ने तुक्कुगुड़ा नगर पालिका के अध्यक्ष के अप्रत्यक्ष चुनाव में अपना वोट डाला था। उस समय 15 वार्डों वाली इस नगर पालिका में भाजपा ने 9 सीटें जीती थीं, जबकि टीआरएस (अब बीआरएस) को 5 और एक निर्दलीय को 1 सीट मिली थी। इसके बावजूद, आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सांसद होने के नाते केशव राव ने टीआरएस के पक्ष में वोट दिया। इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिस पर खंडपीठ ने विभाग को पदेन सदस्यों की पात्रता पर स्पष्ट निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

वोटिंग के लिए कड़े पात्रता नियम

राज्य चुनाव आयोग ने 11 से 14 फरवरी के बीच होने वाले चुनावों के लिए जिला कलेक्टरों को सांसदों, विधायकों और पार्षदों (एमएलसी) का विवरण संकलित करने का निर्देश दिया है। नियमों के अनुसार:

–लोकसभा सांसद और विधायक: उन्हें उस राज्य से होना चाहिए जहाँ नगर पालिका स्थित है, और उनका निर्वाचन क्षेत्र पूर्ण या आंशिक रूप से उस नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत आना चाहिए।

–राज्यसभा सांसद और एमएलसी: उन्हें संबंधित नगर पालिका क्षेत्र के भीतर एक पंजीकृत मतदाता के रूप में नामांकित होना अनिवार्य है।

द्वितीय पुण्यतिथि

स्व. श्री चिमनलाल जी नारनोली
(सुपुत्र – स्व श्री गोवर्धन दास जी नारनोली)
स्वर्गवास : 07 फ़रवरी 2024
आपके बिना हर खुशी अधूरी है, जिन्दगी पूरी सूनी है।
आपकी याद, हर पल हमारी आँखें नम कर देती है।
----- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -----
अजय कुमार अग्रवाल, उदय कुमार अग्रवाल (पुत्र), राजेश्वरी (बहू), नमन अग्रवाल (पौत्र), निति (पौत्र बहु), लक्ष अग्रवाल (पौत्र), टियाना अग्रवाल (पड पौत्री)
श्री विनायक ग्रैंड बाजार,
श्री कृपा मार्केट, मलकपेट
Ph. No: 9290661991 9000090691
फर्म : गोवर्धन दास जी चिमनलाल नारनोली

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति की माँग

रोहिंग्याओं को भगाओ!

हैदराबाद, 06 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार से मुलाकात की और शहर में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को निर्वासित करने का अनुरोध किया।

समिति के अध्यक्ष आर. राघव रेड्डी और महासचिव रविनुथला शशिधर के नेतृत्व में बीजीयूएस ने पुलिस आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और उन्हें वापस उनके देश भेजने का आग्रह किया।प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस विभाग द्वारा बालापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर पहचाने गए 6,993 रोहिंग्याओं की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने प्रशासन से कड़ा रुख अपनाने की अपील की ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।इसके साथ ही, समिति ने शहर में अवैध घुसपैठियों की धरपकड़ के लिए एक विशेष तलाशी अभियान चलाने का भी आह्वान किया। बीजीयूएस का कहना है कि शहर की शांति और सुरक्षा के लिए इन अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन पर कानूनी कार्रवाई करना आवश्यक है।

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री श्याम देवाय नमः || || श्री हनुमंते नमः ||
श्री काँची कामकोठी पीठम्
श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति
श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा के तत्वावधान में
फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में
श्री श्याम रथ शोभा यात्रा
रविवार 8 फरवरी 2026
प्रातः 8:21 बजे से
फाल्गुण मास के उपलक्ष्य में श्री श्याम रथ शोभा यात्रा, रविवार 8 फरवरी को प्रातः 8:21 बजे भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार से विशेष रथ पर श्री श्याम बाबा एवं मंदिर के लड्डु गोपाल को विराजमान कर, बाबा की अर्जी, मोर छडी से सुशोभित निशान के साथ गाजे-बाजे के साथ भाग्यनगर के प्रसिद्ध गायकों द्वारा भजन-कीर्तन करते हुए, नाचते-गाते विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा पहुँचेगी ।

विशेष अतिथि
श्री अनिरुद्ध गुप्ता
अध्यक्ष : अग्रवाल समाज तेलंगाना
श्री कन्हैया मित्तल
विशेष अतिथि एवं भजन गायक
रथ शोभा यात्रा सहयोगी
राजेश गोयल
पंच परिवार, टीबा बसईवाले

यात्रा मार्ग
भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार से प्रारम्भ होकर गुलजार हौज, घांसी बाजार, एम.बी. टॉवर्स, सिटी कॉलेज, बेगम बाजार छतरी, स्वास्तिक मिर्ची, सिद्दीअम्बर बाजार, शंकरशेर होटल रोड, गौलीगुडा राम मंदिर, एम.जी. बस स्टैण्ड रोड, चादरघाट, निम्बोली अड्डा होते हुए श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा पहुँचेगी ।
नगरद्वय हैदराबाद-सिकन्दराबाद की सभी श्याम प्रेमी संस्थाएँ एवं श्याम प्रेमी इस अवसर पर सपरिवार एवं इष्ट - मित्रों सहित सादर आमंत्रित है ।

यात्रा के अन्तर्गत नगरद्वय के भजन गायकों द्वारा भजन प्रस्तुत किए जायेंगे

राजू मुरारी दाहिमा, सुनील शर्मा, दिपेश जोशी, दीपक अग्रवाल, कोटा, गौत्तम शर्मा दूनी, जयपुर, शम्भु अग्रवाल, अनुराग भूतड़ा, चेतन दाहिमा, संदीप चांडक, विक्रम चंदन, अंशुल कोठारी, निलेश शर्मा, हर्ष बंसल, शिवम् शर्मा, सोमाश्री, शुभाश्री

रथ शोभा यात्रा चेयरमैन – इन्द्रकरण अग्रवाल (मंत्री : श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति)
रथ शोभा यात्रा परामर्शदाता – चन्द्रकांत डाकोतिया (अध्यक्ष : श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति)
रथ शोभा यात्रा वाइस चेयरमैन – रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गोयल
रथ शोभा यात्रा संयोजक – अमित अग्रवाल, रामनिरंजन अग्रवाल (MPL), संतोष अग्रवाल, नरसिंग जायसवाल, जीवन भाटी, सुशील अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, गोविंद पोद्दार, रामनिवास बंसल, संदीप गोयल, श्यामसुन्दर डालिया
रथ शोभा यात्रा सहयोगी – प्रभुदयाल पंच परिवार टीबा बसईवाले, भाग्यनगर
विशेष निवेदन - रथ शोभा यात्रा में पुरुष सफेद कुर्ता पजामा एवं महिलाएं लाल साड़ी या लाल सूट पहनकर पधारे।
विशेष नोट : शोभा यात्रा में निशान लेकर चलने वाले श्याम प्रेमियों को रविवार दि. 8-2-2026 को प्रातः 7:11 बजे चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास से पहुँचकर अपना निशान प्राप्त करना अनिवार्य हैं ।

यात्रा मार्ग में रंगोली (महाराष्ट्र के कलाकारों द्वारा)
श्याम बाबा को सूरजगढ़ का निशान चढाया जायेगा
विशेष आकर्षण गंगा आरती
LIVE LIVE CLICK MAGIK

लक्की ड्रा
श्री श्याम रथ शोभा यात्रा में निशान धारण करने वाले श्याम प्रेमियों को लक्की ड्रा द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा ।
प्रथम पुरस्कार एक्टीवा
द्वितीय पुरस्कार एलईडी टीवी 60"
लक्की ड्रा रविवार दि.8-2-2026 को दोपहर 2:01 बजे श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा में निकाले जायेंगे ।
निशान शुल्क ₹251/-

निशान बुकिंग एवं यात्रा की जानकारी हेतु सम्पर्क करें : 9100100345, 8696089277, 7658919771, 7093140491

PODDAR GRANITES
NAGOLE
गुलाबराय बासुदेव पोद्दार
MANIYAR GROUP
Premium Edible Oils
लक्ष्मीनारायण कैलाशचन्द मणियार, मलकपेट, हैदराबाद

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.